राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अखबार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापुर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, बुधवार, 06 मई 2026
वर्ष 07, अंक 210, पृष्ट 12, मूल्यः 03 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

ग्राम पंचायत में सुबह आनलाइन व शाम को आफलाइन मजदूरों की लग रही हाजिरी...02

कम्पोजिट विद्यालय के सीनियर शिक्षक को निलंबित करने के बाद बेसिक शिक्षा विभाग मौन....11

ये याचिका क्यों दायर की... क्या आप देश के मुख्य पुजारी हैं? सुप्रीम कोर्ट

● सुप्रीम कोर्ट ने सबरीमाला मामले में याचिकाकर्ता से पूछे सवाल

● सुप्रीम कोर्ट ने सबरीमाला विवाद में याचिका दायर करने वाले इंडियन यंग लॉयर्स एसोसिएशन को कड़ी फटकार लगाई है।

● सुप्रीम कोर्ट ने इंडियन यंग लॉयर्स एसोसिएशन से पूछा क्या उनके पास कोई और काम नहीं है? सुप्रीम कोर्ट के सख्त रुख के बाद याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील रवि प्रकाश गुप्ता ने दलील पेश की।

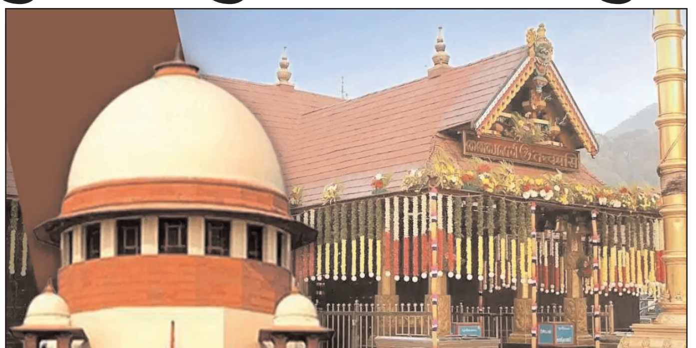

सुप्रीम कोर्ट ने सबरीमाला विवाद में याचिका दायर करने वाले इंडियन यंग लॉयर्स एसोसिएशन को कड़ी फटकार लगाई है. स्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए 2006 में दायर जनहित याचिका को कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग बताया है. साथ ही तीखा सवाल किया कि आपने यह याचिका क्यों दायर की? क्या आप देश के मुख्य पुजारी हैं?

सुप्रीम कोर्ट ने इंडियन यंग लॉयर्स एसोसिएशन से पूछा क्या उनके पास कोई और काम नहीं है? क्या वे बार के कल्याण के लिए काम नहीं कर सकते? यह टिप्पणी नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने की, जिसकी अध्यक्षता भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत कर रहे हैं. पीठ में जस्टिस बीवी नागरत्ना, एमएम सुंदरश, अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, अरविंद कुमार, ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह, प्रसन्ना बी वराले, आर महादेवन और जॉयमाल्या बागची शामिल हैं। सुनवाई के दौरान जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि कोई भी जूरिस्टिक बॉडी यानी कानूनी संस्था व्यक्तिगत आस्था का दावा नहीं कर सकती. उन्होंने टिप्पणी की, विश्वास व्यक्ति का होता है, संस्था का नहीं. आपके पास कोई कांशियंस (अंतरात्मा) नहीं है।

युवा वकीलों के हित में काम करना चाहिएः सूर्यकांत

जस्टिस अरविंद कुमार ने भी संगठन से पूछा कि क्या याचिका दाखिल करने के लिए कोई औपचारिक प्रस्ताव पारित किया गया था और क्या संगठन के अध्यक्ष ने इसे मंजूरी दी थी. वहीं सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि इस तरह की याचिकाएं दाखिल करने के बजाय संगठन को बार और युवा वकीलों के हित में काम करना चाहिए. जस्टिस नागरत्ना ने भी कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले प्रतिभाशाली युवा वकीलों को सहयोग देने और उनके लिए अवसर पैदा करने की दिशा में काम करना ज्यादा महत्वपूर्ण है।

याचिकाकर्ता के वकील ने दी दलील

सुप्रीम कोर्ट के सख्त रुख के बाद याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील रवि प्रकाश गुप्ता ने दलील पेश की. उन्होंने कहा कि मैं आस्तिक हूं। उन्होंने कोर्ट को बताया कि 2006 में प्रकाशित चार समाचार रिपोर्टों के आधार पर यह PIL दायर की गई थी. संगठन का उद्देश्य भगवान अयप्पा के भक्तों की आस्था को चुनौती देना नहीं, बल्कि उसे बनाए रखना है. उनका ऐसा कोई उद्देश्य नहीं है।

वकील रवि प्रकाश गुप्ता ने कहा कि मंदिर के तंत्री यानी मुख्य पुजारी ने पहले यह मत व्यक्त किया था कि कम उम्र की महिलाओं का प्रवेश देवता की इच्छा के विरुद्ध है. साथ ही, उन्होंने नौ-न्यायाधीशों की पीठ के संदर्भ में कुछ न्यायाधीशों की टिप्पणियों पर आपत्ति भी जताई।

2018 का ऐतिहासिक फैसला

इस मामले में सबरीमाला मंदिर प्रवेश संबंधी फैसला 2018 के तहत पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने सितंबर 2018 में 4:1 के बहुमत से फैसला सुनाते हुए महिलाओं के प्रवेश पर लगी रोक को असंवैधानिक घोषित कर दिया था। अदालत ने कहा था कि यह प्रथा महिलाओं के मौलिक अधिकारों विशेष रूप से समानता और धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन करती है। हालांकि, इस फैसले के बाद देशभर में व्यापक बहस और विरोध-प्रदर्शन हुए। इसके बाद कई पुनर्विचार याचिकाएं दायर की गई, जिनमें धार्मिक परंपराओं और संविधान के अधिकारों के बीच संतुलन पर सवाल उठाए गए।

केंद्रीय कैबिनेट का बड़ा फैसला, सुप्रीम कोर्ट में बढ़ेगी जजों की संख्या

● केंद्रीय कैबिनेट ने सुप्रीम कोर्ट संशोधन विधेयक, 2026 को प्रस्तुत करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। सुप्रीम कोर्ट में वर्तमान में मुख्य न्यायाधीश सहित कुल 34 जज हैं. केंद्रीय कैबिनेट द्वारा सुप्रीम कोर्ट संशोधन विधेयक, 2026 प्रस्ताव को मंजूरी के बाद जजों की संख्या बढ़ जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए, जिनमें सुप्रीम कोर्ट संशोधन विधेयक, 2026 भी शामिल हैं. केंद्रीय कैबिनेट ने सुप्रीम कोर्ट संशोधन विधेयक, 2026 को प्रस्तुत करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है. इस विधेयक के तहत सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाकर 34 से 38 करने का प्रावधान किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट में वर्तमान में मुख्य न्यायाधीश सहित कुल 34 जज हैं. केंद्रीय कैबिनेट द्वारा सुप्रीम कोर्ट संशोधन विधेयक, 2026 प्रस्ताव को मंजूरी के बाद जजों की संख्या बढ़ जाएगी. अब इस संख्या को बढ़ाकर 38 करने का लक्ष्य रखा गया है. केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि वर्तमान में शीर्ष अदालत में 33 जज और एक सीजेआई हैं. जजों की संख्या में चार की बढ़ोतरी करने के लिए संसद के अगले सत्र में एक विधेयक लाया जाएगा.' संसद से मंजूरी मिलते ही सुप्रीम कोर्ट में प्रधान न्यायाधीश समेत कुल 38 जज हो जाएंगे।

क्यों बढ़ाई गई जजों की संख्या?

बताया जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने का यह निर्णय बढ़ते न्यायिक बोझ को देखते हुए लिया गया है. आंकड़ों के अनुसार, सर्वोच्च न्यायालय में लंबित मामलों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे न्याय मिलने में देरी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है. जजों की संख्या में इस बढ़ोतरी से विशेष रूप से 'संविधान पीठ'के मामलों और महत्वपूर्ण संवैधानिक अपीलों की सुनवाई में तेजी आने की उम्मीद है. जब अधिक जज उपलब्ध होंगे, तो अधिक संख्या में मामलों का निपटारा भी समय पर हो पाएगा।

कब-कब बढ़ाई गई जजों की संख्या

जानकारी के मुताबिक, साल 2009 में दोबारा कानून में संशोधन हुआ। तब जजों की संख्या 25 से बढ़ाकर 30 कर दी गई. सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या आखिरी बार साल 2019 में बढ़ाई गई थी. तब मूल अधिनियम में संशोधन कर जजों की संख्या 30 से बढ़ाकर 33, मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर की गई थी. अब 2026 में इसे फिर से बढ़ाने की तैयारी है।

1956 के मूल स्वरूप में 10 जजों का था प्रावधान

सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीशों की संख्या अधिनियम 1956 के मूल स्वरूप में मुख्य न्यायाधीश के अलावा केवल 10 जजों का प्रावधान था. समय के साथ इसमें कई संशोधन हुए. 1960 में यह संख्या बढ़ाकर 13 की गई। बाद में एक अन्य संशोधन के जरिए इसे 17 कर दिया गया. 1986 में जजों की संख्या 17 से बढ़ाकर 25 की गई थी।

संक्षिप्त ख़बरें

आकाशीय बिजली के चपेट में 8 बकरियों की मौत दो चरवाहे घायल

मिर्जापुर। अहरौरा थाना क्षेत्र अंतर्गत हिनौता फुलवरिया के निकट आकाशीय बिजली के चपेट में आने से 8 बकरियों का मौके पर ही मौत हो गई और दो महिला चरवाहा मुन्नी देवी पति बाबूलाल उम्र लगभग 45 वर्स व मुन्नी देवी पति सुदामा उम्र लगभग 47 वर्ष निवासी हिनौता फुलवरिया प्रत्येक दिन की तरह बकरियां चरा रही थी दिन की लगभग 12:30 बजे आकाशी बिजली के चपेट में आने से 8 बकरियों की मौत हो गई, और दोनों महिला घायल हो गई। मुन्नी देवी पति सुदामा को निजी अस्पताल अदलहाट में भर्ती कराया गया ,और वहीं दूसरी महिला को नजदीकी चिकित्सक से दवा इलाज कराया गया। सूचना मिलते उपरांत मौके पर पहुंची पीआरबी 112 नंबर से पीड़ित महिला ने मुआवजे की मांग किया पीआरबी 112 नंबर ने अहरौरा थाना पर प्रार्थना पत्र देने हेतु कार्यवाही की आश्वासन दिया पीड़ित महिला ने बताया कि जिविकापार्जन का मात्र एक साधन था।

महरौनी के 9 लोगों की सड़क हादसे में निधन पर शोक की लहर

तालबेहट। अयोध्या तीर्थ से धार्मिक आयोजन सम्पन्न कर वापस लौट रहे महरौनी निवासी संभ्रांत परिवारों के 9 लोगों की सड़क हादसे में हुई मौत से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। हादसे की खबर मिलते ही नगरवासियों में गहरा दुःख व्याप्त हो गया। नगर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं ने इस दुखद घटना पर शोक संवेदनाएँ व्यक्त की हैं। युवा जागृति मंच, नगर उद्योग व्यापार मंडल, नगर पंचायत एवं सर्व ब्राह्मण समाज के पदाधिकारियों ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। साथ ही शोक संतप्त परिवारों को इस असहनीय दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। सभी संगठनों ने इसे अत्यंत पीड़ादायक घटना बताते हुए कहा कि इस दुर्घटना से पूरे क्षेत्र को गहरा आघात पहुंचा है।

उत्तर प्रदेश में स्मार्ट मीटर पर बदला फैसला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश में सड़कों पर पड़े स्मार्ट मीटर और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की तस्वीरें लगभग सभी जिलों से सामने आई. इन तस्वीरों ने योगी आदित्यनाथ सरकार की बेचैनी बढ़ा दी. यह साफ होने लगा कि विपक्ष को एक बड़ा मुद्दा मिल गया है और मामला धीरे-धीरे जन आंदोलन का रूप लेता जा रहा है. इसके बाद सरकार ने एक के बाद एक फैसले लिए और स्मार्ट प्रीपेड मीटर को पोस्टपेड में बदलने का निर्णय किया. आइए जानते हैं कि योगी सरकार स्मार्ट मीटर पर बैकफुट पर कैसे आ गई, हालांकि अभी भी प्रीपेड मीटर को लेकर लोगों में मन में संशय क्यों है?

तीन साल पहले शुरू हुई थी स्मार्ट मीटर की योजना

दरअसल, तीन साल पहले सरकार ने प्रदेश में बड़े स्तर पर स्मार्ट मीटर लगाने की योजना शुरू की थी. इसका उद्देश्य रियल-टाइम खपत की जानकारी, ऑनलाइन बिलिंग और बिजली चोरी पर रोक लगाना था. करीब 70 लाख घरों में स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए गए और नए कनेक्शन पर इसे अनिवार्य किया गया. इस व्यवस्था में उपभोक्ता पहले रिचार्ज करता था और फिर बिजली का उपयोग करता था। हालांकि, जैसे ही स्मार्ट प्रीपेड मीटर के बिल आने शुरू हुए, उपभोक्ताओं को लगा कि उनसे ज्यादा वसूली हो रही है. कई जिलों में शिकायतें बढ़ीं और ज्यादा बिल आने के आरोप लगे।

बिजली कटने की शिकायतों के बाद बवाल

बैलेंस खत्म होते ही बिजली कटने की शिकायतें भी तेजी से सामने आई. उपभोक्ताओं का कहना था कि बैलेंस निगेटिव होते ही बिजली काट दी जाती है और भुगतान के बाद भी 24 से 72 घंटे तक आपूर्ति बहाल नहीं होती. कई जगह लोगों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए मीटर उखाड़कर फेंक दिए. उपभोक्ताओं का आरोप था कि जहां पहले महीने का बिल करीब 600 रुपये आता था, वहीं अब हर हफ्ते इतना खर्च हो रहा है।

जनाक्रोश को देखते हुए सरकार ने अप्रैल में राहत देने की घोषणा की. इसके तहत बैलेंस खत्म होने पर अधिकतम तीन दिन या माइनस 200 रुपये तक बिजली न काटने

और पांच स्तर के स्स्स अलर्ट सिस्टम लागू करने का निर्णय लिया गया।

सरकार का बड़ा फैसला, पदले गये प्रीपेड मीटर

इसके बावजूद विरोध जारी रहने पर सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए प्रीपेड मीटर को पोस्टपेड मोड में बदलने की घोषणा कर दी. अब उपभोक्ता पहले की तरह बिजली इस्तेमाल करने के बाद बिल का भुगतान करेंगे. बकाया राशि को 10 किस्तों में जमा करने की सुविधा भी दी गई है. साथ ही, बिल हर महीने की 10 तारीख तक जारी होगा और भुगतान के लिए 15 दिन का समय मिलेगा।

सरकार ने प्रीपेड मीटर की अनिवार्यता भी खत्म कर दी है. नए कनेक्शन पोस्टपेड में भी दिए जा सकेंगे और पहले से लगे प्रीपेड मीटर को भी पोस्टपेड में बदला जाएगा. करीब 70 लाख घरों में लागू इस व्यवस्था से 3 से 4 करोड़ लोग प्रभावित हो रहे थे. प्रीपेड स्मार्ट मीटर का मुद्दा इतना गरमाया कि योगी सरकार को लोगों की नाराजगी का डर सताने लगा. इस साल के अंत तक राज्य में विधानसभा चुनाव का ऐलान होने हैं. ऐसे में योगी सरकार ने लोगों की नाराजगी को समाप्त करने फैसला किया. हालांकि अब देखना होगा कि योगी सरकार ने स्मार्ट मीटर का फैसला तो वापस ले लिया है, लेकिन लोगों में प्रीपेड स्मार्ट मीटर को लेकर जो संशय और आशंका है, वह दूर कर पाती है या नहीं।

VIPहाउस में चोरी से हड़कंप, मंत्री के घर से लाखों नहीं, 1.13 करोड़ के गहने पार...

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कर्नाटक बेंगलुरु में चोरों ने एक मंत्री के घर को निशाना बनाया और 1.13 करोड़ रुपये के गहने पार कर दिए. पुलिस ने मिला जानकारी के मुताबिक, आरोपियों ने एक बार नहीं, बल्कि कई बार चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया. आरोपी बार मंत्री के घर पर चोरी की वारदात को अंजाम देते थे लेकिन वो किसी की नजर में नहीं आते थे. मंत्री ने को जब शक हुआ तो उन्होंने पुलिस में शिकायत दी, जिसके बाद पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. आरोपियों के पास से 1.13 करोड़ रुपये के चोरी किए गए गहने बरामद किए हैं। शिवाजीनगर पुलिस ने मंत्री जमीर अहमद खान के घर से करोड़ों रुपये के सोने के आभूषण चुराने वाले दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है. गिरफ्तार आरोपियों के नाम सैयद आमिर और आमिर अहमद हैं. पिछले एक साल से छावनी के पास स्थित मंत्री जमीर के घर से 1.13 करोड़ रुपये के सोने के आभूषण चरणबद्ध तरीके से चोरी हो रहे थे. बाद में, जमीर अहमद की मां की शिकायत पर, शिवाजीनगर पुलिस ने जांच की और दोनों को गिरफ्तार कर लिया. पता चला है कि उन्होंने यात्रा व्यवसाय में हुए नुकसान के कारण यह अपराध किया।

मंत्री के घर से 1.13 करोड़ रुपये के गहने चोरी

उन्होंने चोरी किए गए 1.13 करोड़ रुपये के सोने के आभूषण गिरवी रखकर धन जुटाया था और लाभ कमाने के लिए अचल संपत्ति में निवेश करने की योजना बनाई थी. हालांकि, जब उन्होंने फोन का जवाब नहीं दिया, तो दोनों पर संदेह पैदा हुआ और पुलिस की जांच के बाद अपराध का खुलासा हुआ. आरोपियों ने माना की उन्होंने ने ही, चोरी का वारदात को अंजाम दिया था और उन पर किसी को शक ना हो इसके लिए वो कई बार में चोरी की वारदात को अंजाम दिया।

दो आरोपी गिरफ्तार

पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने चोरी वारदात को कबूल किया है. आरोपियों ने कहा कि उन्हें एक बिजनेस में घाटा हुआ था, जिसके बाद वो चोरी की घटनाओं को अंजाम देकर घाटे को पूरा करने का प्रयास कर रहे थे. उन्होंने कई बार में 1.13 करोड़ रुपये की चोरी की और उसे गिरवी रखकर पैसे हासिल किए. पैसे को इनवेस्ट कर मुनाफा कमाने की फिराक में थे।

टीवीके की लहर के बीच तमिलनाडु में BJP की करारी हार, खाते में आई सिर्फ एक सीट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। तमिलनाडु में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश में जुटी भारतीय जनता पार्टी को बड़ा झटका लगा है। एआईएडीएमके के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के तहत 27 सीटों पर चुनाव लड़ने के बावजूद पार्टी सिर्फ एक सीट जीतने में कामयाब रही। बीजेपी ने अप्रैल 2025 में एआईएडीएमके के साथ गठबंधन किया और 2026 के विधानसभा चुनावों में 2021 की तुलना में अधिक सीटों के साथ प्रवेश किया। 2024 के लोकसभा चुनावों में अपने बेहतर प्रदर्शन और प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों में वरिष्ठ नेताओं की तैनाती के बल पर पार्टी को उम्मीद थी कि वह अपने संगठनात्मक बल को चुनावी लाभ में तब्दील कर पाएगी, हालांकि यह रणनीति जमीनी स्तर पर कारगर साबित नहीं हुई। इस चुनाव में नैनार नागेन्द्रन, एल. मुरुगन, तमिलिसाई सौंदराजन और वनथी श्रीनिवासन सहित कई प्रमुख नेताओं को हार का सामना करना पड़ा है। उनकी हार ने पार्टी के भीतर आंतरिक समीक्षा को तेज कर दिया है और नेतृत्व रणनीति तथा चुनाव प्रचार के क्रियान्वयन पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पार्टी के सहयोगी दल भी चुनावी प्रभाव डालने में विफल रहे। जी.के. वासन के नेतृत्व वाली तमिल मानिला कांग्रेस (मूपानार) गठबंधन व्यवस्था के तहत लड़ी गई सभी पांच सीटों पर हार गई। अन्य छोटे सहयोगी दल भी अपनी उपस्थिति को जीत में तब्दील नहीं कर सके, जो गठबंधन की वोट हस्तांतरण प्रणाली की व्यापक विफलता को दर्शाता है। बीजेपी के खराब प्रदर्शन का एक महत्वपूर्ण कारण अभिनेता-राजनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) का उदय था, जिसने पारंपरिक मतदान पैटर्न को बाधित कर दिया।

टीवीके ने मांगा समर्थन, प्रदेश कांग्रेस करेगी फैसला... बोले के.सी वेणुगोपाल

● तमिलनाडु में सरकार बनाने की कवायद तेज

● तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में टीवीके 108 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, लेकिन बहुमत के आंकड़े (118) से दूर रह गई।

● सरकार बनाने के लिए टीवीके ने कांग्रेस से समर्थन मांगा है।

● कांग्रेस ने अपनी राज्य इकाई को धर्मनिरपेक्ष सरकार और भाजपा हस्तक्षेप को रोकने की शर्त के साथ इस अनुरोध पर फैसला लेने का निर्देश दिया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि विजय की टीवीके ने उनसे समर्थन के लिए संपर्क किया है. उन्होंने कहा कि राज्य कांग्रेस नेताओं को विजय के आग्रह पर फैसला लेने का निर्देश दिया गया है. केसी वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा है कि टीवीके अध्यक्ष थिरु विजय ने तमिलनाडु में सरकार बनाने के लिए इंडियन नेशनल कांग्रेस से सपोर्ट मांगा है. उन्होंने अपने पॉलिटिकल मिशन में पेरुमथलाइवर कामराज से भी प्रेरणा लेने की बात कही है. इस बीच, विजय को टीवीके विधायक दल का नेता चुना गया है। कांग्रेस ने साफ किया है कि तमिलनाडु में जनादेश एक धर्मनिरपेक्ष सरकार के लिए है, जो संविधान की पूरी तरह से रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है. कांग्रेस का पक्का इरादा है कि भाजपा और उसके प्रॉक्सी किसी भी तरह से तमिलनाडु सरकार न चलाएं।

प्रदेश कांग्रेस लेगी अंतिम फैसला

उन्होंने आगे लिखा, इसलिए, कांग्रेस नेतृत्व ने तमिलनाडु प्रदेश कांग्रेस को चुनावी नतीजों में दिखाई देने वाली राज्य की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए थिरु विजय की रिक्वेस्ट पर आखिरी फैसला लेने का निर्देश दिया है।

हालांकि टीवीके सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, लेकिन वे आधी सीटें भी

पार नहीं कर पाई. 234 सदस्यों वाली तमिलनाडु विधानसभा में सिंपल मेजॉरिटी के लिए 118 सीटों की जरूरत है. टीवीके ने 108 सीटें जीतीं, जो लगभग 10 सीटों से कम थीं।

डीएम के के नेतृत्व वाले अलायंस को 73 सीटें मिलीं. डीएम के ने 59 सीटों पर जीत हासिल की. कांग्रेस ने जिन 28 सीटों पर चुनाव लड़ा था, उनमें से पांच पर जीत हासिल की. वीसीक, सीपीआई और सीपीआई (एम) ने दो-दो सीटें जीतीं।

तमिलनाडु में सरकार बनाने की कवायद तेज

इससे पहले दिन में, वीसीके प्रेसिडेंट थोल थिरुमावलवन ने कहा कि पार्टी ने विजय को सपोर्ट देने पर कोई फैसला नहीं लिया है. उन्होंने कहा कि ऐसा कोई भी कदम लेफ्ट के साथियों से सलाह-मशविरा करके ही उठाया जाएगा। डीएमडीके नेता, प्रेमलता विजयकांत ने भी विजय से कोई वादा करने से इनकार दिया, और कहा कि पार्टी डीएमके की लीडरशिप वाले सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस (एसपीए) में बने रहने का इरादा रखती है. इस बीच, लेफ्ट पार्टियों ने कहा कि वे समय आने पर फैसला करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

कप्तानगंज में हत्या का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार, एक अब भी फरार

बस्ती। बस्ती जिले के थाना कप्तानगंज पुलिस, एसओजी व सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई में हत्या की घटना का सफल अनावरण करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार घटना में शामिल अभियुक्तों में से शिवम गुप्ता एवं ऋषभ मिश्रा उर्फ राज मिश्रा को फरेंदा सेंगर बगीचे के पास से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में सामने आया कि मृतक के साथ पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चलते 02 मई 2026 को आरोपियों ने योजना बनाकर मृतक को वाहन में बैठाकर सुनसान स्थान पर ले जाकर उसकी हत्या कर दी और शव को सड़क किनारे फेंक दिया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त चाकू, पिकअप वाहन, खून से सने कपड़े तथा एक मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार घटना में एक अन्य आरोपी भी शामिल था, जिसकी तलाश जारी है और जल्द गिरफ्तारी की बात कही जा रही है। इस संबंध में थाना कप्तानगंज पर मुकदमा दर्ज कर धारा 103(1) बीएनएस, 3(5)/238 बीएनएस व 4/25 आर्म्स एक्ट के तहत विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सेवानिवृत्त शिक्षकों या वॉलंटियरों से बच्चे पढ़ेंगे क, ख, ग

ललितपुर। बीएसए कार्यालय द्वारा जारी पत्र के अनुसार जिले में शिक्षा की मुख्यधारा से वंचित बच्चों के लिए विशेष प्रशिक्षकों की भर्ती की जा रही है। महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक के निर्देशों के क्रम में शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए यह प्रक्रिया शुरू की गई है। इस योजना के अंतर्गत 07-14 आयु वर्ग के ऐसे आउट ऑफ स्कूल बच्चों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिनका स्कूलों में नामांकन हो चुका है। इन पदों पर सेवानिवृत्त अध्यापकों या वालंटियर (स्वयंसेवकों) का चयन किया जाएगा। यह नियुक्ति उन विद्यालयों में की जाएगी जहां आउट ऑफ स्कूल बच्चों की संख्या 5 से अधिक है। चयन प्रक्रिया विद्यालय स्तर पर गठित समिति के माध्यम से संपन्न होगी और यह नियुक्तियां 31 मार्च 2027 तक के लिए पूरी तरह से अस्थायी होंगी। आंकड़ों की बात करें तो जनपद के 5 विकास खण्डों के कुल 14 विद्यालयों में प्रशिक्षकों के 14 पद सृजित किए गए हैं। इसमें विकास खण्ड बार के 04 विद्यालयों में 04 पद, बिरधा के 04 विद्यालयों में 04 पद, मड़ावरा के 03 विद्यालयों में 03 पद, महरौनी के 01 विद्यालय में 01 पद और तालबेहट के 02 विद्यालयों में 02 पदों पर चयन होना है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रणवीर सिंह ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी विस्तृत दिशा-निर्देशों और चयनित स्कूलों की सूची के लिए संबंधित खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय या बीएसए कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने सभी खण्ड शिक्षा अधिकारियों को इस सूचना को नोटिस बोर्ड पर चस्पा करने और ग्राम पंचायतों तक पहुँचाने के निर्देश दिए हैं।

माटीकला कारीगरों के लिए खुशखबरी

» 40 विद्युत चालित चाकों का होगा वितरण

» 15 मई तक करें आवेदन, प्रजापति समाज के पात्र अभ्यर्थियों को मिलेगा लाभ

ललितपुर। उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड द्वारा माटीकला से जुड़े पारंपरिक कारीगरों और शिल्पियों के लिए महत्वपूर्ण पहल की गई है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत माटीकला टूल्स-किट्स वितरण योजना के तहत जिले में प्रजापति समाज (कुम्हार वर्ग) के पात्र अभ्यर्थियों को 40 विद्युत चालित चाक वितरित किए जाएंगे। जिला ग्रामोद्योग कार्यालय से जारी पत्र के अनुसार, योजना का उद्देश्य माटीकला व्यवसाय से जुड़े कारीगरों को आधुनिक संसाधन उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना और पारंपरिक रोजगार को बढ़ावा देना है। योजना के तहत माटीकला कार्य से जुड़े पारंपरिक कारीगर, शिल्पी तथा इस कार्य में रुचि रखने वाले इच्छुक अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया 28 अप्रैल 2026 से शुरू हो चुकी है, जो 15 मई 2026 तक चलेगी। इच्छुक अभ्यर्थी माटीकला बोर्ड के अधिकृत पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन के बाद आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी जिला ग्रामोद्योग कार्यालय स्टेशन रोड में जमा करनी होगी। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी वीरेन्द्र कुमार ने पात्र अभ्यर्थियों से समय रहते आवेदन कर योजना का लाभ उठाने की अपील की है। अधिक जानकारी के लिए जिला ग्रामोद्योग कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

ग्राम पंचायत चन्द्रपलिया में सुबह आनलाइन व शाम को आफलाइन मजदूरों की लग रही हाजिरी

● जिले में बना चर्चा का विषय

महिला मेट सुमन की लापरवाही से मनरेगा एक्ट की खुलेआम उड़ रही धज्जियां

● सचिव, टी ए/जेई व मनरेगा एपीओ के आंख में धूल झोंक कर ग्राम प्रधान मिथिलेश सिंह कर रही फर्जीवाड़ा

● सचिव, टीए (जेई) व एपीओ मनरेगा ग्राम पंचायत चन्द्रपलिया में चल रहे मनरेगा फर्जीवाड़ा मामले में बने अंजान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। जिले केजिलाधिकारी कृत्तिका ज्योत्सना व मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल के कड़े निर्देश के बाद भी ग्राम पंचायतों में मनरेगा फर्जीवाड़ा रुकने का नाम नहीं ले रहा है और खंड विकास अधिकारियों को गुमराह करके सचिव, तकनीकी सहायक/जेई व मनरेगा एपीओ ग्राम पंचायतों में बड़े पैमाने पर मनरेगा फर्जीवाड़ा कराने में सफल दिखाई दे रहे हैं। ग्राम पंचायत चन्द्रपलिया में कागजों तक मनरेगा कार्य सीमित दिखाई दे रहा है क्योंकि प्रतिदिन कागज में मनरेगा मजदूर कार्य कर रहे हैं लेकिन धरातल पर ना तो कोई मनरेगा मजदूर कार्य कर रहा है और न ही कोई तालाब खुदाई कार्य चल रहा है। महिला मेट सुमन की मनमानी से खुलेआम मनरेगा एक्ट की धज्जियां उड़ती दिखाई दे रही है। महिला मेट सुमन उलूल जुलूल मनरेगा मजदूरों का पुराना फोटो मनरेगा ऑनलाइन साइड पर अपलोड करके धीरे-धीरे मनरेगा मस्टर रोल पूर्ण कर रही है।

ग्राम पंचायत चन्द्रपलिया में बड़े पैमाने पर चल रहे मनरेगा फर्जीवाड़ा मामले में सचिव, तकनीकी सहायक/जेई व मनरेगा एपीओ अंजान बने हुए हैं। ग्राम प्रधान मिथिलेश सिंह के कहने पर महिला मेट सुमन सुबह मनरेगा मजदूरों की आनलाइन हाजिरी व शाम को आफलाइन अर्थात् पुराना फोटो अपलोड करके फर्जी ऑनलाइन मस्टर रोल पूर्ण किया जा रहा है।

आपको बताते चलें कि विकासखंड विक्रमजोत के अन्तर्गत ग्राम पंचायत चन्द्रपलिया में तालाब खुदाई के नाम उच्च अधिकारियों को गुमराह करके सरकारी धन हड़पने का खेल जारी है। रोजगार सेवक शिव कुमार सिंह ने बातचीत में बताया कि ग्राम पंचायत चन्द्रपलिया में चल रहे मनरेगा कार्य के बारे में हमें कुछ जानकारी है महिला मेट सुमन मनरेगा मजदूरों की फर्जी हाजिरी लगाकर वाह-वाही लूट रही है इन्हें ग्राम पंचायत चन्द्रपलिया के विकास कार्यों से कोई लेन देन नही है। सचिव श्याम प्रकाश भारती शासनादेश को ताख पर रख कर अपने हिसाब से मनरेगा मजदूरों की फर्जी हाजिरी लगवा है।

शासनादेश के अनुसार मनरेगा कार्यों में दोनों टाइम अर्थात् सुबह शाम आनलाइन मनरेगा मजदूरों की हाजिरी लगाने का निर्देश जारी है जबकि ग्राम पंचायत चन्द्रपलिया में सुबह आनलाइन व शाम को आफलाइन हाजिरी लगाने पर जिम्मेदार अधिकारियों पर बड़ा सवाल खड़ा हो रहा है। अब देखना यह है सुबह आनलाइन व शाम को आफलाइन हाजिरी लगवाने वाले सचिव श्याम प्रकाश भारती के खिलाफ क्या कार्रवाई होती है?

गिरार पुलिस ने तीन वारंटियों को किया गिरफ्तार

चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई, न्यायालय में किया पेश

ललितपुर। उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा वांछित एवं वारंटी अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना गिरार पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन वारंटियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों को नियमानुसार संबंधित न्यायालय में पेश किया गया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह तथा क्षेत्राधिकारी मड़ावरा के.के. मिश्रा के पर्यवेक्षण में की गई। थाना गिरार पुलिस ने गिरफ्तार किए गए वारंटियों में ग्राम सकरा निवासी राजेश कुमार पुत्र हरपाल सिंह, ग्राम किशनपुरा निवासी राजा बाबू उर्फ सूर्य प्रताप पुत्र जसरथ तथा थाना गिरार के ग्राम पीड़ार निवासी बाबूलाल अहिरवार पुत्र पर्रा अहिरवार शामिल हैं। पुलिस ने तीनों वारंटियों को 5 मई 2026 को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया। यह कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक हरिशंकर के नेतृत्व में थाना गिरार पुलिस टीम द्वारा की गई।

शांति, प्रगति और सुरक्षा के मार्ग पर जनता की मुहर-भाजपा नेता नितेश शर्मा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के भाजपा नेता नितेश शर्मा ने बताया पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा नेता नितेश शर्मा ने कहा कि यह परिणाम विकास, सुशासन और जनता के अटूट विश्वास की स्पष्ट जीत है। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों पर जनता की मजबूत मुहर बताया। नितेश शर्मा ने कहा कि असम की जनता ने एक बार फिर शांति, प्रगति और सुरक्षा के मार्ग को चुना है। वहींपश्चिम बंगाल द्य में मिली सफलता यह दर्शाती है कि समाज का हर वर्ग भाजपा की समावेशी राजनीति के साथ खड़ा है। पुदुच्चेरी में एनडीए की जीत को उन्होंने सुशासन और स्थायित्व की विजय बताया।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में केंद्र शासित प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा। नितेश शर्मा ने आगे कहा कि यह परिणाम विपक्ष की नकारात्मक राजनीति का करारा जवाब है और 'अंत्योदय' व 'सबका साथ, सबका विकास' के संकल्प की जीत है। उन्होंने पश्चिम बंगाल, असम और पादुच्चेरीकी जागरूक जनता का आभार व्यक्त करते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं के समर्पण की सराहना की। अंत में उन्होंने कहा कि भाजपा जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने और निरंतर सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है, तथा तमिलनाडु, और केरलम में भी पार्टी अपनी विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगी।

मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना' के अन्तर्गत पात्र व्यक्तियों ऋण के लिए किया आमंत्रित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में, उ0 प्र0 माटीकला बोर्ड द्वारा 'मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना' के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु जपनद-बस्ती के शहरी/ग्रामीण क्षेत्र के नवयुवक/नवयुवतियों को माटीकला (कुम्हारी) से सम्बन्धि व्यवसायिक गतिविधियां, यथा-खिलौना निर्माण, घरेलू उपयोग के उत्पाद (प्रेषर कुकर, घड़ा, सुराही, जग, कुल्हड़, गिलास, कटोरी, अचारदानी, कप प्लेट, डोंगे इत्यादि) सजावटी वस्तुएं(गुलदस्ता, गार्डन पॉटर्स, बोन्साई पॉटर्स, बोनसाई पॉटर्स, लैम्प इत्यादि) के माध्यम से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए ऋण आवेदन पत्रों की मांग की जा रही है। उक्त जानकारी देते हुए जिला ग्रामोद्योग अधिकारी एल0 बी0 सिंह ने बताया कि इस योजना के अन्तर्गत आवदेक की उम्र 18 से 55 वर्ष तक होनी चाहिए। उन्होने बताया कि इस योजना में परम्परागत अभ्यर्थियों को रूपये 10.00 लाख तक के परियोजना लागत पर बैंक से ऋण उपलब्ध कराये जाने का प्राविधान है। परियोजना लागत में कार्यषील पूँजी को छोड़कर पूँजीगत ऋण पर 25 प्रतिषत मार्जिन मनी अनुदान (सब्सिडी) राज्य सरकार द्वार अनुमन्य है। स्वरोजगार हेतु इच्छुक लाभार्थी जिला ग्रामोद्योग कार्यालय निकट विकास भवन परिसर बस्ती से सम्पर्क कर आवष्यक जानकारी प्राप्त कर अपना ऑनलााईन आवेदन उ0प्र0 माटीकला बोर्ड के पोर्टल upmatikalaboard.in पर कर सकते है। कार्यालय में आनलाईन आवदेन फार्म की हार्ड कापी जमा करते समय स्वयं का पासपोर्ट साईज एक फोटो, आधार, जाति, निवास, शैक्षिक/तकनीकी योग्यता का प्रमाण पत्र, राषन कार्ड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट व बैंक पासबुक की छाया प्रति जमा करना अनिवार्य होगा। उन्होने बताया कि आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि-30 मई 2026 है। लाभार्थियों का चयन स्कोर कार्ड के आधार पर किया जायेगा। उपरोक्त के अतिरिक्त जो लोग माटीकला के कारीगर है, उनके परिवारों के चिन्हांकन का कार्य भी विभाग द्वारा किया जा रहा है। अतः माटीकला के षिल्पकार/कारीगर विभाग में अपना पंजीकरण कराकर उ0प्र0 माटीकला बोर्ड की योजनाओं का लाभ उठा सकते है। अधिक जानकारी हेतु मो0 नं0-7239005969, एंव 9044610496, पर सम्पर्क कर सकते है।

फर्जी मेडिकल स्टोर' के आरोप निराधार

पचपेड़वा (बलरामपुर): हाल ही में प्रकाशित खबर 'फर्जी मेडिकल स्टोर पर सवाल, बिना डिग्री इलाज का आरोप' को लेकर संबंधित पाल मेडिकल स्टोर एवं क्लीनिक के संचालक ने कड़ा खंडन जारी किया है। उन्होंने इसे पूरी तरह भ्रामक, एकपक्षीय और तथ्यों से परे बताया है। संचालक के अनुसार उनका प्रतिष्ठान विधिवत पंजीकृत है तथा सभी आवश्यक नियमों का पालन किया जा रहा है। दवाओं का वितरण अधिकृत लाइसेंस के तहत किया जाता है और किसी भी प्रकार की अवैध या प्रतिबंधित दवाओं के उपयोग का आरोप पूरी तरह निराधार है। 'बिना डिग्री इलाज' के आरोप पर भी उन्होंने स्पष्ट किया कि वे किसी प्रकार का अवैध इलाज नहीं करते, बल्कि केवल अनुमन्य सेवाएं ही प्रदान की जाती हैं और जरूरत पड़ने पर मरीजों को योग्य चिकित्सकों के पास भेजा जाता है। खबर में लगाए गए 'राजनीतिक संरक्षण' जैसे आरोपों को भी संचालक ने मनगढ़ंत बताया और कहा कि बिना किसी प्रमाण के इस प्रकार की खबर प्रकाशित करना दुर्भाग्यपूर्ण है, जिससे प्रतिष्ठान की छवि धूमिल करने का प्रयास किया गया है। संचालक ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि सच्चाई सामने आने पर सभी आरोप स्वतः निरस्त हो जाएंगे। साथ ही उन्होंने आम जनता से अपील की है कि अफवाहों पर ध्यान न दें और सत्यापित जानकारी पर ही विश्वास करें।

अमेठी में शिक्षामित्र सम्मान एवं मानदेय वितरण समारोह का भव्य आयोजन

● भाजपा जिला अध्यक्ष सुधांशु शुक्ला तथा जनप्रतिनिधि व डीएम एसपी सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी गण रहे मौजूद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत जनपद के परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षामित्रों के सम्मान एवं बढ़े हुए मानदेय वितरण के शुभारंभ हेतु जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गोरखपुर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शिक्षामित्रों का मानदेय 10,000 से बढ़ाकर 18,000 किए जाने संबंधी कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी देखा गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि, विधायक गौरीगंज राकेश प्रताप सिंह, जिलाधिकारी संजय चौहान, पुलिस अधीक्षक सरवणन टी, मुख्य विकास अधिकारी पूजा साहू, भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संजय तिवारी तथा जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. राजेश कुमार द्विवेदी द्वारा दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। इस दौरान कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय संग्रामपुर एवं कंपोजिट विद्यालय पचेहरी की छात्राओं ने सरस्वती वंदना एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संजय तिवारी ने कहा कि शिक्षामित्र परिषदीय विद्यालयों की रीढ़ हैं और नामांकन बढ़ाने, बच्चों को निपुण बनाने तथा विद्यालयों को समाज से जोड़ने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा मानदेय वृद्धि, कैशलेस चिकित्सा एवं मूल विद्यालय में स्थानांतरण जैसी सुविधाएं शिक्षामित्रों के योगदान का सम्मान हैं। जिलाधिकारी संजय चौहान ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षामित्रों को समय-समय पर विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्व दिए जाते हैं, जिनका वे पूरी निष्ठा से निर्वहन करते हैं। उन्होंने मानदेय वृद्धि पर सभी शिक्षामित्रों को बधाई देते हुए भविष्य में भी समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया। भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला ने मुख्यमंत्री की जनकल्याणकारी नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा एवं शिक्षकों के हित में निरंतर कार्य कर रही है। वहीं विधायक राकेश प्रताप सिंह ने भी शिक्षामित्रों के योगदान की प्रशंसा करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि ने शिक्षामित्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि सरकार द्वारा उन्हें आगे भी सम्मानित किया जाता रहेगा। समारोह के दौरान अतिथियों ने प्रत्येक विकास क्षेत्र से आए शिक्षामित्रों को अंगवस्त्र एवं माल्यार्पण कर सम्मानित किया तथा प्रतीक स्वरूप 18,000 के बढ़े हुए मानदेय की चेक वितरित की। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में बेसिक शिक्षा विभाग की विभिन्न नवाचारी गतिविधियों–लर्निंग बाय डूइंग, महिला सशक्तिकरण, रूम टू रीड, इको क्लब, किचन गार्डन, विज्ञान एवं गणित प्रदर्शनी, समेकित शिक्षा, बालिका शिक्षा एवं स्कूल चलो अभियान–से संबंधित प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया गया, जिसकी आगंतुकों ने सराहना की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रमेश सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला समन्वयक (प्रशिक्षण) गोविंद शुक्ला सहित अन्य अधिकारी, शिक्षक एवं विभिन्न विकास क्षेत्रों से आए शिक्षामित्र बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बंगाल विजय में अमेठी की आशा बाजपेई की सक्रियता बनी मिसाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की मजबूती और विस्तार के लिए देशभर के कार्यकर्ताओं ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी। इसी क्रम में अमेठी महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष एवं जिला मंत्री आशा बाजपेई ने भी उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने बंगाल में रहकर मातृ शक्तियों को जागृत करने का व्यापक अभियान चलाया। आशा बाजपेई ने घर-घर जाकर महिलाओं से संपर्क स्थापित किया और उन्हें भाजपा की नीतियों, सिद्धांतों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उनके प्रयासों से बड़ी संख्या में महिलाएं पार्टी से जुड़ीं और भाजपा के प्रति विश्वास प्रकट किया। उन्होंने महिलाओं को सामाजिक एवं राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से संवाद और जनसंपर्क को प्राथमिकता दी।

इस दौरान उन्होंने अमेठी की पूर्व सांसद एवं केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के साथ भी पश्चिम बंगाल में प्रचार-प्रसार किया। दोनों नेताओं की संयुक्त सक्रियता ने वहां के चुनावी माहौल में नई ऊर्जा का संचार किया।अमेठी में भी आशा बाजपेई लगातार महिला सशक्तिकरण के लिए कार्यरत हैं। वे समय-समय पर मातृ शक्तियों को जागरूक कर उन्हें पार्टी की विचारधारा से जोड़ने का कार्य करती रहती हैं। उनकी निष्ठा, समर्पण और संगठन के प्रति प्रतिबद्धता उन्हें एक मजबूत महिला नेतृत्व के रूप में स्थापित करती है।स्थानीय कार्यकर्ताओं का मानना है कि आशा बाजपेई की मेहनत और सक्रियता का लाभ न केवल बंगाल में मिला, बल्कि अमेठी में भी संगठन को मजबूती प्रदान हुई है। पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा लगन और मेहनत को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी अमेठी में उन्हें मेन बॉडी में मंत्री का दायित्व दिया गया है।

एफ्ट्रोनिक्स सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड में चयनित हुए पॉलिटेक्निक छात्र

ललितपुर। गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक के छात्रों ने कैम्पस प्लेसमेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए बड़ी उपलब्धि हासिल की है। प्रतिष्ठित कम्पनी द्वारा आयोजित चयन प्रक्रिया में संस्थान के छात्रों का चयन किया गया है, जिससे कॉलेज परिवार में खुशी का माहौल है। कॉलेज प्रशासन ने बताया कि कंपनी ने तकनीकी दक्षता, साक्षात्कार एवं अन्य चयन प्रक्रियाओं के आधार पर छात्रों का चयन किया। चयनित अभ्यर्थियों को कंपनी में बेहतर कैरियर अवसर मिलने जा रहे हैं। संस्थान प्राचार्य एवं शिक्षकों ने चयनित छात्रों को लेकर हर्ष जताया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी और तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में संस्थान की गुणवत्ता को दर्शाती है। कॉलेज प्रशासन ने बताया कि कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से विद्यार्थियों को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना संस्थान की प्राथमिकताओं में शामिल है। चयनित छात्रों की इस सफलता पर सहपाठियों और अभिभावकों ने भी प्रसन्नता व्यक्त की।

ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत बाजार शुकुल पुलिस की बड़ी कार्रवाई, तमंचा व जिंदा कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शुकुल बाजार, अमेठी। जनपद के थाना बाजार शुकुल पुलिस ने अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान 'ऑपरेशन चक्रव्यूह' के तहत एक सराहनीय कार्रवाई करते हुए एक अभियुक्त को अवैध एक तमंचे के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे इस अभियान के क्रम में पुलिस टीम ने जलाली पूर्वांचल एक्सप्रेसवे अंडरपास के पास से अभियुक्त अखिलेश कुमार यादव (उम्र लगभग 24 वर्ष) निवासी ग्राम जलाली, थाना बाजार शुकुल को दबोच लिया।तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक देशी तमंचा और 12 बोर का एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध हथियारों के खिलाफ पुलिस की सख्ती का स्पष्ट संदेश गया है। स्थानीय लोगों ने भी इस कार्रवाई की सराहना करते हुए पुलिस की तत्परता और सक्रियता को सराहा है।थाना बाजार शुकुल के थानाध्यक्ष विवेक वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है और उसे माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क और प्रतिबद्ध है।पुलिस की इस कार्रवाई को अपराध नियंत्रण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। लगातार चलाए जा रहे अभियान और त्वरित कार्रवाई से अपराधियों में भय का माहौल है, वहीं आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत हो रही है। बाजार शुकुल पुलिस की यह पहल कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक सकारात्मक प्रयास के रूप में देखी जा रही है।

एनडीए की ऐतिहासिक जीत पर उतरौला , पचपेड़वा, में जश्न, चौराहों तक दिखा उत्साह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उतरौला (बलरामपुर) असम, पश्चिम बंगाल और पांडुचेरी के विधानसभा चुनावों में एनडीए की ऐतिहासिक सफलता के बाद उतरौला नगर में भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक विजयोत्सव मनाया। भाजपा कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में सैकड़ों कार्यकर्ताओं और समर्थकों की भागीदारी रही, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल बन गया। कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा जिला उपाध्यक्ष देवानंद गुप्ता तथा विधायक राम प्रताप वर्मा के पुत्र शशांक वर्मा ने किया। भाजपा कार्यालय परिसर में कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों की धुन पर नृत्य कर खुशी का इजहार किया और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी। इसके बाद नेताओं के नेतृत्व में एक भव्य विजय जुलूस निकाला गया, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए श्यामा प्रसाद मुखर्जी चौराहे तक पहुंचा। जुलूस में कार्यकर्ताओं की जोरदार नारेबाजी और उत्साह ने पूरे क्षेत्र को उत्सवमय बना दिया। राहगीरों और स्थानीय नागरिकों ने भी इस खुशी में भागीदारी निभाई।

इस अवसर पर देवानंद गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री के नेतृत्व में चल रही जनकल्याणकारी योजनाओं, सुशासन और विकास कार्यों पर जनता की स्पष्ट मुहर है। उन्होंने कहा कि देश की जनता ने एक बार फिर यह साबित किया है कि वह पारदर्शिता, स्थिरता और मजबूत नेतृत्व के साथ खड़ी है। उन्होंने आगे कहा कि यह जीत केवल एक राजनीतिक दल की नहीं, बल्कि देश के हर उस नागरिक की जीत है, जो विकास और प्रगति की सोच रखता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे इसी उत्साह के साथ जनता के बीच जाकर सरकार की योजनाओं को प्रभावी ढंग से पहुंचाएं और संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत करें। विजयोत्सव में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कृष्ण कुमार, महेश कुमार, ददन मिश्रा, अमरनाथ वर्मा, राम अचल वर्मा, गन्ना चेयरमैन तोताराम वर्मा, अमरचंद गुप्ता, रोहित गुप्ता, फणींद्र कुमार गुप्ता, बबलू श्रीवास्तव, सभासद ओमप्रकाश गुप्ता, पूर्व सभासद रूपेश कुमार गुप्ता, राजकुमार गुप्ता सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे। भाजपा कार्यालय से शुरू हुआ यह विजयोत्सव देर तक चर्चा का विषय बना रहा और पूरे नगर में उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला।

हीट वेव पर जागरूकता के लिए छात्रों की अनोखी पहल, पोस्टरों में दिखा संदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उतरौला (बलरामपुर) भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान के बीच हीट वेव से बचाव को लेकर जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से उतरौला बाजार स्थित टाइनी टाट्स इंटर कॉलेज, अस्पताल रोड में एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम विद्यालय के डायरेक्टर सैफ अली के दिशा-निर्देशन में तथा शिक्षक अयाज अहमद की देखरेख में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी कल्पनाशीलता को रंगों के माध्यम से प्रस्तुत किया। बच्चों द्वारा बनाए गए पोस्टरों में हीट वेव से बचाव के उपाय, जैसे धूप में निकलते समय सिर को ढकना, पर्याप्त मात्रा में पानी पीना, दोपहर के समय अनावश्यक बाहर न निकलना, हल्के और सूती कपड़े पहनना तथा लू लगने पर प्राथमिक उपचार जैसे महत्वपूर्ण संदेशों को प्रभावी ढंग से दर्शाया गया। इन चित्रों में न केवल कलात्मकता झलक रही थी, बल्कि सामाजिक सरोकार और जागरूकता का गहरा संदेश भी समाहित था। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य मनीष कुमार सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में हीट वेव एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बनती जा रही है। ऐसे में बच्चों के माध्यम से समाज को जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां छात्रों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ उन्हें सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति भी सजग बनाती हैं।

वहीं विद्यालय के डायरेक्टर सैफ अली ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों को जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों के प्रति भी जागरूक करना जरूरी है। उन्होंने बच्चों की सराहना करते हुए कहा कि उनके द्वारा बनाए गए पोस्टर न केवल विद्यालय, बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि वे बच्चों को इस भीषण गर्मी में सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक सावधानियां अपनाएं। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित किया गया तथा सभी प्रतिभागियों की सराहना की गई। यह प्रतियोगिता न केवल एक शैक्षणिक गतिविधि रही, बल्कि हीट वेव जैसी गंभीर समस्या के प्रति जागरूकता फैलाने का एक सशक्त माध्यम भी बनी। विद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम ने बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों के बीच सकारात्मक संदेश प्रसारित किया और सभी को सतर्क एवं सजग रहने की प्रेरणा दी।

संक्षिप्त खबरें

गंगा एक्सप्रेसवे की धंसी सर्विस रोड पर हादसा, बाइक से गिरकर महिला गंभीर

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के उमरामऊ गांव के निकट गंगा एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर मंगलवार को एक और दर्दनाक हादसा हो गया। सड़क के धंसे हिस्से की वजह से बाइक अनियंत्रित हो गई और उस पर सवार महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। जानकारी के अनुसार, गंगापुर बरस गांव निवासी रामरति (50) पत्नी छेदीलाल अपने बेटे हेमराज (26) और तीन वर्षीय नाती दिव्यांशु के साथ बाइक से जा रही थीं। उमरामऊ गांव के पास सर्विस लेन पर सड़क का एक हिस्सा धंसा हुआ है। जैसे ही बाइक उस हिस्से पर पहुंची, अचानक उछल गई और रामरति संतुलन खो बैठीं। इससे वह सड़क पर गिर पड़ीं और गंभीर रूप से घायल हो गईं। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए राहगीरों की मदद से घायल महिला को यूपीडा की एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि सर्विस रोड पर कई जगह सड़क धंसी हुई है, जिससे आए दिन हादसे हो रहे हैं। रविवार को भी इसी स्थान पर धंसे हिस्से में फंसकर बाइक सवार दो सगे भाई गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इसके बावजूद अब तक समस्या का समाधान नहीं किया गया है, जिससे लोगों में रोष व्याप्त है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का प्रयागराज आगमन कल

ब्यूरो प्रयागराज- मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ कल दिनांक 6 मई, 2026 को पूर्वाहन 11:25 बजे प्रयागराज आएंगे। तत्पश्चात मुख्यमंत्री जी न्यू कैंट में आयोजित नॉर्थ टेक सिंपोजियम-2026 कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। मुख्यमंत्री अपराह्न 12:40 बजे प्रयागराज से लखनऊ के लिए प्रस्थान करेंगे।

सुपौल में जनगणना 2027 की तैयारियों पर जोर, डीएम ने दिए सख्त निर्देश

मकान सूचीकरण कार्य की समीक्षा, समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निष्पादन पर बल जिलाधिकारी- सह- प्रधान जनगणना अधिकारी, सुपौल की अध्यक्षता में मंगलवार को अपराह्न 4:00 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनगणना 2027 के प्रथम चरण (मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना) के सफल संचालन को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी चार्ज जनगणना अधिकारी (ग्रामीण एवं शहरी) तथा विभिन्न प्रखंडों के वरीय पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक के दौरान 2 मई से 31 मई 2026 तक चलने वाले प्रथम चरण के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी चार्ज जनगणना अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में प्रगणकों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करें और आवंटित हाउस लिस्टिंग ब्लॉक (HLB) में प्रतिदिन मकान सूचीकरण कार्य कराएं। साथ ही पर्यवेक्षकों द्वारा कार्यों का सतत अनुश्रवण सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने सभी क्षेत्रों में शीघ्र कार्य प्रारंभ कराने पर जोर देते हुए प्रखंडों के वरीय पदाधिकारियों को नियमित क्षेत्र भ्रमण कर जनगणना कार्यों की निगरानी करने तथा चार्ज अधिकारियों के कार्यों की लगातार समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनगणना कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इसे समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से संपन्न करना सुनिश्चित किया जाए।

माटीकला शिल्पकारों को मिलेगा निःशुल्क विद्युत चाक, 31 मई तक करें आवेदन

भदोही। उ0प्र0 माटीकला बोर्ड द्वारा संचालित 'माटीकला टूल्स किट्स वितरण योजना' के तहत जिले के माटीकला शिल्पकारों को निःशुल्क विद्युत चलित चाक वितरित किया जाएगा। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी यू.पी. सिंह ने बताया कि योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार को बढ़ावा देना और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। उन्होंने बताया कि 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग के इच्छुक लाभार्थी 31 मई 2026 तक आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, रमनगरा सिंह, ज्ञानपुर (भदोही) में संपर्क किया जा सकता है।

अवैध जब्ती और जल्दबाज़ी में नीलामी पर राज्य सरकार को झटका- इलाहाबाद हाईकोर्ट

● इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कम-से-कम 2 लाख मुआवज़े का आदेश दिया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कथित गौ-तस्करी के अप्रमाणित आरोप में वाहन जब्त कर जल्दबाज़ी में नीलाम करने पर उत्तर प्रदेश सरकार को फटकार लगाते हुए वाहन स्वामी को कम-से-कम 2 लाख रुपये मुआवज़ा देने का आदेश दिया। अदालत ने जब्ती और ज़ब्ती से जुड़े आदेश रद्द करते हुए कहा कि राज्य की कार्रवाई मनमानी, अवैध और कानून के विपरीत थी। जस्टिस संदीप जैन ने कहा कि यदि राज्य सरकार वाहन वापस नहीं कर सकती तो उसे वाहन स्वामी को अतिरिक्त 4 लाख रुपये वाहन मूल्य के रूप में देने होंगे। मामले के अनुसार 8 सितंबर 2024 को चंदौली जिले में पुलिस ने याचिकाकर्ता चंद्रभान कुमार के व्यावसायिक वाहन को कथित गौ-तस्करी की सूचना पर रोका था। वाहन से 10 जीवित गोवंश बरामद होने का दावा करते हुए पुलिस ने उत्तर प्रदेश गोवध निवारण अधिनियम, 1955 तथा पशु क्रूरता निवारण कानून के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी। जिलाधिकारी ने यह कहते हुए वाहन जब्त कर लिया कि गोवंश को वध के लिए बिहार ले जाया जा रहा था, जबकि वाहन बिहार सीमा के निकट पकड़ा गया। बाद में आयुक्त ने भी जब्ती आदेश बरकरार रखा। इसी दौरान, अपील लंबित रहते हुए प्रशासन ने वाहन की नीलामी मात्र 85 हजार रुपये में कर दी जबकि याचिकाकर्ता के अनुसार वाहन का बाजार मूल्य 7 लाख रुपये से अधिक था। हाईकोर्ट ने कहा कि उत्तर प्रदेश के भीतर गोवंश के परिवहन के लिए किसी परमिट की आवश्यकता नहीं है और केवल बिहार सीमा के निकट वाहन पकड़े जाने से यह मान लेना कि पशुओं को वध हेतु बाहर ले जाया जा रहा था उचित नहीं है। अदालत ने टिप्पणी की, 'संदेह चाहे कितना भी प्रबल हो, वह कानूनी प्रमाण का स्थान नहीं ले सकता।' अदालत ने यह भी कहा कि कार्यवाही लंबित रहते वाहन की नीलामी करना और वह भी इतनी कम कीमत पर प्रशासन की स्पष्ट मनमानी को दर्शाता है। हाईकोर्ट ने माना कि इससे याचिकाकर्ता को गंभीर आर्थिक नुकसान हुआ, क्योंकि वाहन उसकी आजीविका का मुख्य साधन है। पशुओं के प्रति क्रूरता के आरोपों पर भी अदालत ने कहा कि अधिकारियों ने ऐसा कोई ठोस निष्कर्ष दर्ज नहीं किया, जिससे यह साबित हो कि पशुओं को ऐसी शारीरिक चोट पहुंची थी, जिससे उनके जीवन को खतरा है। हाईकोर्ट ने आदेश दिया कि राज्य सरकार जब्ती की तारीख से वाहन वापसी तक 15 हजार रुपये प्रतिमाह आर्थिक क्षति के रूप में और 20 हजार रुपये मानसिक पीड़ा व उत्पीड़न के लिए अदा करे। यदि वाहन वापस नहीं किया जाता है तो सरकार को 4 लाख रुपये वाहन मूल्य के अतिरिक्त अधिकतम 12 माह की अवधि तक मासिक क्षतिपूर्ति भी देनी होगी। अदालत ने राज्य सरकार को यह स्वतंत्रता भी दी कि वह यह राशि उन अधिकारियों से वसूल सकती है, जिन्होंने मनमानी कार्रवाई को मंजूरी दी थी।

उद्यान मंत्री ने नवीन उपमंडी स्थल का उद्घाटन किया

● विभिन्न योजनाओं का किया लोकार्पण/ शिलान्यास

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रायबरेली:- प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने आज जनपद रायबरेली के किसानों की सेवा के क्रम में दो बड़ी मंडिया ऊंचाहार और सतांव एवं मंडी व जिला पंचायत द्वारा लगभग 50 करोड़ की लागत से 150 परियोजनाओं जो कि निर्मित/ निर्माणाधीन है सड़कों के लोकार्पण/ शिलान्यास किया गया। उद्यान मंत्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि ऊंचाहार और सतांव मंडी के बन जाने से जो किसान 40-40 व 50-50 किलोमीटर तक अपनी उपज को विक्रय करने के लिए ले जाते थे उन्हें अब 2 से 3 किलोमीटर में ही क्रय विक्रय स्थल उपलब्ध हो गया। उन्होंने कहा कि हरचंदपुर विधानसभा की 100 से अधिक सड़कों के लोकार्पण एवं शिलान्यास से देवतुल्य जनता की समस्याओं का उन गांव में समाधान हुआ है जहां सड़कों के निर्माण हुए। ज्येष्ठ माह के प्रथम मंगल को मंडी परिषद सतांव में सुंदरकांड एवं संगीतमय पाठ का आयोजन सम्पन्न हुआ। तदुपरांत उपस्थित लोगों द्वारा प्रसाद ग्रहण किया गया। इस अवसर पर मा0 मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें बेहतर विपणन सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। नवीन उपमंडी स्थल के प्रारंभ होने से स्थानीय किसानों को अपनी उपज के विक्रय के लिए सुलभ और व्यवस्थित मंच मिलेगा, जिससे उन्हें उचित मूल्य प्राप्त होगा और बिचौलियों पर निर्भरता कम होगी। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा संचालित विभिन्न विकास योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा रहा है। आज जिन योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया है, उनसे क्षेत्र के समग्र विकास को नई दिशा मिलेगी तथा आमजन को बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी। इस मौके पर जिलाध्यक्ष बुद्धिलाल पासी, पूर्व विधायक राकेश सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष दिलीप यादव, सुशील शर्मा, सुरेंद्र दाढ़ी, विनोद वाजपेई, पप्पू लोहिया, मंडी परिषद के मुख्य अभियंता एवं उपनिदेशक सहित बड़ी संख्या में जनमानस उपस्थित रहे।

बंगाल में भाजपा की जीत सनातन परंपरा की जीतः पूर्व विधायक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की जीत पर क्षेत्र के पूर्व विधायक सुरेंद्र बहादुर सिंह ने खुशी जताई। उन्होंने इसे सनातन परंपरा की जीत बताया। कहा कि यह परिणाम जनता के विश्वास को दर्शाता है। पूर्व विधायक ने कहा कि पश्चिम बंगाल की राजनीति हमेशा से महत्वपूर्ण रही है। आजादी के बाद भी यहां की भूमिका अहम रही है। यहां के लोगों ने देश की एकता और अखंडता को मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि हाल के चुनाव परिणामों ने बड़ा संदेश दिया है। जनता बदलाव चाहती है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने ही हिंदुत्व की एकता के लिए काम किया। अन्य दल इस दिशा में पीछे रहे। सुरेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि यह जीत केवल राजनीतिक नहीं है। यह विचार और विश्वास की जीत है। उन्होंने कहा कि सही दिशा में प्रयास हों तो पूरे देश में भी बदलाव संभव है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की। कहा कि उनके मार्गदर्शन में यह जीत संभव हुई। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की जीत पश्चिम बंगाल में सुशासन और विकास की दिशा में सकारात्मक संकेत है। पूर्व विधायक ने पश्चिम बंगाल के मतदाताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जनता ने लोकतंत्र को मजबूत किया है। साथ ही उम्मीद जताई कि आगे भी लोकतांत्रिक परंपराएं और सशक्त होंगी। उन्होंने कहा कि यह परिणाम भविष्य के लिए नई दिशा दिखाता है। जनता के विश्वास को बनाए रखना सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

सहारा विद्याश्रम में जिला प्रशासन का छापा

स्वतंत्र प्रभात ब्रेकिंग न्यूज़

बेतिया। बैरिया प्रखंड स्थित खुशी टोला के सहारा विद्याश्रम में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आज 5मई मंगलवार करीब 11बजे छापेमारी की। एसडीएम विकास कुमार के नेतृत्व में टीम ने पाया कि लाइसेंस रद्द होने के बावजूद केंद्र अवैध रूप से संचालित हो रहा था। यहां 15 लोगों को जबरन रखा गया था, जिन्हें मारपीट कर डराया जाता था। रेस्क्यू लोगों ने बताया कि उन्हें पटना के महावीर मंदिर और अन्य रेलवे स्टेशनों से लाया गया था। जांच में रजिस्टर गड़बड़ी, बिजली चोरी, बिना प्रिस्क्रिप्शन दवाइयों का उपयोग और फर्जी नर्स की मौजूदगी सामने आई। मौके से लाठी-डंडे भी बरामद हुए। सभी को सुरक्षित 'उमंग' केंद्र भेज दिया गया है।

हनुमान गढ़ी मंदिर में जेष्ठ माह के प्रथम बड़े मंगल पर हुआ विशाल भंडारे का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंजः रायबरेली रोड स्थित हनुमान गढ़ी मंदिर परिसर में जेष्ठ माह के प्रथम बड़े मंगल के अवसर पर इस वर्ष भी भव्य धार्मिक आयोजन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन अनुराग अग्रहरि के नेतृत्व में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और जनप्रतिनिधियों की सहभागिता देखने को मिली। कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत सुंदरकाण्ड पाठ से हुई, जिसके पश्चात हवन-पूजन संपन्न कराया गया। धार्मिक अनुष्ठानों के पूर्ण होने के बाद श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का शुभारंभ किया गया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक राजाराम त्यागी ने कहा कि बड़े मंगल का पर्व सेवा, समर्पण और आस्था का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों से समाज में एकता और सद्भाव का संदेश प्रसारित होता है। उन्होंने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं। वहीं, नगर अध्यक्ष प्रतिनिधि एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रभात साहू ने अपने संबोधन में कहा कि हनुमान जी की कृपा से ही इस प्रकार के सेवा कार्य निरंतर संपन्न होते हैं। उन्होंने कहा कि बड़े मंगल पर भंडारा आयोजित करना केवल परंपरा ही नहीं, बल्कि समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने सभी भक्तों से सेवा भाव बनाए रखने और सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम में लक्ष्मी शंकर श्रीवास्तव, पहरेमऊ भाजपा मंडल अध्यक्ष सुशील सिंह, समय बहादुर, ज्ञानप्रकाश जायसवाल, नामित सभासद सूर्य प्रकाश वर्मा, विजय धीमान, धनश्याम चौरसिया, दयाशंकर सिंह, भाजपा नेता अवधेश मिश्रा, अशोक वर्मा, एमपी सिंह गैस एजेंसी, अभिषेक पाण्डेय, राजू मौर्य, एसएमआई रोहित द्विवेदी, शौरभ, बृजेश प्रताप सिंह, पुनीत सिंह, राघवेन्द्र सिंह, राजेश प्रताप सिंह, शिवबरन साहू, सुधीर साहू सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। पूरे आयोजन के दौरान हनुमान भक्तों ने सेवा भाव से व्यवस्थाएं संभालीं और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण में सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम का वातावरण भक्तिमय एवं उत्साहपूर्ण रहा।

UAPA के तहत ज़मानत देने से मना करने का आधार सिर्फ़ इस्लामिक सेमिनार में हिस्सा लेना नहीं हो सकता

● हाईकोर्ट ने तीन लोगों को किया रिहा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (UAPA) के तहत आरोपी तीन लोगों को ज़मानत दी। कोर्ट ने कहा कि इस्लामिक साहित्य पर किसी सेमिनार में सिर्फ़ हिस्सा लेना ही,UAPAके तहत ज़मानत पर रोक लगाने वाले प्रावधानों के तहत अपने आप में कोई अपराध नहीं है। जस्टिस विवेक अग्रवाल और जस्टिस रत्नेश चंद्र सिंह बिसेन की डिवीज़न बेंच ने कहा कि सेमिनार में हिस्सा लेने के अलावा, अभियोजन पक्ष आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के गंभीर आरोपों के समर्थन में कोई भी प्रथम दृष्टया सबूत पेश नहीं कर पाया। बेंच ने कहाः 'वर्नन (उपर्युक्त) मामले में माननीय सुप्रीम कोर्ट के फ़ैसले के अनुसार, जैसा कि ऊपर बताया गया, UAPA Act, 1967 के अध्याय IV और अध्याय VI के तहत सूचीबद्ध अपराधों को करने की साज़िश का कोई भी विश्वसनीय मामला नहीं बनता। इसलिए सिर्फ़ सेमिनार में हिस्सा लेना ही UAPA Act की ज़मानत पर रोक लगाने वाली धाराओं के तहत अपने आप में कोई अपराध नहीं हो सकता। हमारी सुविचारित राय है कि अपीलकर्ताओं को ज़मानत दी जा सकती है, क्योंकि यह बात मानी हुई है कि मुक़दमे में अभी काफ़ी समय लगेगा।' आरोपी लोगों ने स्पेशल NIA कोर्ट के उस आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया था, जिसमें उनकी ज़मानत अर्ज़ियां खारिज की गई थीं। आरोपी लोगों ने दलील दी कि अभियोजन पक्ष द्वारा जुटाए गए सबूत नाकाफ़ी हैं और उन पर लगाए गए आरोप ज़्यादातर अटकलों पर आधारित हैं। NIA के वकील ने इन अर्ज़ियों का विरोध करते हुए दावा किया कि CrPC की धारा 161 और 164 के तहत दर्ज गवाहों के बयान यह दिखाते हैं कि आरोपी लोग कट्टरपंथी विचारधारा वाले थे और आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की ओर झुकाव रखते थे। वकील ने आगे कहा कि कुछ सामग्री बरामद की गई, जिसमें इस्लामिक साहित्य की फ़ोटोकॉपी भी शामिल थी, जो उनकी कथित मानसिकता और इरादे को दर्शाती है। बेंच ने सुप्रीम कोर्ट के वर्नन बनाम महाराष्ट्र राज्य (2023) मामले पर भरोसा करते हुए कहा कि बिना पुष्टि वाले या कमज़ोर सबूत, जिनमें बिना हस्ताक्षर वाले दस्तावेज़ या तीसरे पक्ष के बीच हुए संवाद शामिल हैं, UAPA के सख़्त प्रावधानों के तहत किसी का दोष साबित करने या ज़मानत देने से मना करने का उचित आधार नहीं बन सकते।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि सिर्फ़ साहित्य अपने पास रखना—भले ही वह हिंसा को प्रेरित करता हो या उसका प्रचार करता हो—अपने आप में न तो गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 2002 की धारा 15 के अर्थ के तहत 'आतंकवादी कृत्य' माना जाएगा, और न ही इस अधिनियम के अध्याय IV और VI के तहत कोई अन्य अपराध। धारा 15 आतंकवादी कृत्य को ऐसे किसी भी काम के रूप में परिभाषित करती है, जो भारत की एकता, अखंडता, सुरक्षा, संप्रभुता या आर्थिक स्थिरता को खतरे में डालने और लोगों में दहशत फैलाने के इरादे से किया गया हो।

ज्येष्ठ माह के प्रथम बड़े मंगल में सुन्दर काण्ड पाठ एवं विशाल भंडारे का हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महाराजगंज रायबरेली। हैदरगढ़ रोड कस्बा स्थित महावीर स्टडी इस्टेट सीनियर सेकेण्ड्री कालेज में प्रधानाचार्य कमल बाजपेयी ने बच्चों को बताया कि मान्यताओं के अनुसार हनुमान जी एवं प्रभु श्री राम पहली बार ज्येष्ठ मास के मंगलवार के दिन मिले थे। अतः ज्येष्ठ मास के सभी पड़ने वाले मंगलवार में हनुमान जी की पूजा-अर्चना एवं भंडारे में प्रसाद वितरण किया जाता है। अध्यापकों तथा कुछ बच्चों ने मिलकर मैनेजर अवधेश बहादुर सिंह के साथ सस्वर सुन्दर काण्ड का पाठ किया। तथा आरती के बाद कालेज गेट पर सभी अध्यापक, बच्चों एवं राहगीरों को मालपुआ चना, पूड़ी शब्जी तथा रूहआफजा शरबत का प्रसाद मैनेजर अवधेश बहादुर सिंह एवं प्रधानाचार्य कमल बाजपेयी एवं प्रधानाचार्य राजा चंद्रचूड़ इण्टर कालेज तथा स्टाफ ने अपने हाथों से वितरित किया। सभी के लिए ईश्वर सो मंगल कामना की।

कवन सो काज कठिन जग माही। जो नहि होइ तात तुम्ह पाही।।

सर्व शक्तिमान हनुमान जी सभी का भला करें। इस अवसर पर उप प्रधानाचार्य राजीव मिश्र अनिमेष मिश्र एकाउन्टेन्ट सुरेन्द्र प्राजापति मंजू सिंह, सरिता मिश्रा, अमित सिंह, नीरू बाजपेई अनुपम सिंह, लक्ष्मी सिंह, साधना सिंह, शालिनी सिंह, ज्योति सिंह रूचि सिंह, राजमणि सिंह पिंकी, गरिमा, आलोक जी हर्षित कौर शिवांक मिश्र, शिवशंकर अविका, राज किशोर पाल, अमरेन्द्र प्रजापती अवनीश सिंह सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

एटीएम बदलकर युवक के खाते से 49 हजार पार, पुलिस जांच में जुटी

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के पूरे कालिकाबक्स मजरे ऐहार गांव निवासी एक युवक के साथ एटीएम बदलकर ठगी हो गई। अज्ञात लोगों ने उसके खाते से 49 हजार रुपये निकाल लिए। मोबाइल पर मैसेज आने के बाद पीड़ित को धोखाधड़ी की जानकारी हुई। उसने पुलिस को तहरीर दी है। कलिका बक्स का पुरवा मजरे ऐहार गांव निवासी कमलेश कुमार ने बताया कि वह एक मई को आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना के गेट नंबर 3 के सामने स्थित एटीएम बूथ पर रुपये निकालने गया था। पहले उसने कुछ पैसे निकाले इसके बाद जब वह 10 हजार रुपये निकालने लगा तो मशीन से पैसे नहीं निकले। पीड़ित ने बताया कि कुछ देर बाद उसके मोबाइल पर मैसेज आया। इसमें पांच बार में उसके खाते से कुल 49 हजार रुपये निकलने की जानकारी मिली। पीड़ित ने आशंका जताई है कि एटीएम बूथ पर उसके पीछे खड़े एक अज्ञात व्यक्ति ने उसका कार्ड बदल लिया। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में है और जांच की जा रही है।

प्रशिक्षण केंद्र का पुलिस अधीक्षक ने किया औचक निरीक्षण

बेतिया। 05 मई, मंगलवार को पुलिस अधीक्षक, पश्चिम चंपारण, बेतिया द्वारा बेतिया पुलिस केंद्र स्थित पुलिस प्रशिक्षण केंद्र का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षु सिपाहियों की उपस्थिति, अनुशासन, प्रशिक्षण की गुणवत्ता तथा उपलब्ध सुविधाओं का गहन अवलोकन किया गया।पुलिस अधीक्षक ने प्रशिक्षण व्यवस्था पर संतोष व्यक्त करते हुए प्रशिक्षुओं को कर्तव्यनिष्ठ, अनुशासित एवं जनहित के प्रति संवेदनशील पुलिसकर्मी बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान एवं कौशल भविष्य में उनके कार्य निष्पादन की गुणवत्ता को निर्धारित करेगा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रशिक्षुओं को शारीरिक दक्षता, विधि-व्यवस्था बनाए रखने की तकनीक, आधुनिक पुलिसिंग, तथा आमजन के साथ बेहतर संवाद स्थापित करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही, प्रशिक्षण केंद्र के पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्रशिक्षण को और अधिक प्रभावी एवं व्यवहारिक बनाया जाए, ताकि प्रशिक्षु सिपाही वास्तविक परिस्थितियों में दक्षतापूर्वक अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें।

असम-बंगाल में जनादेश की 'चोरी'

● भारतीय लोकतंत्र को 'नष्ट' करने के क्ष्क्ककके मिशन में उसका बड़ा कदम हैः राहुल गांधी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दावा किया कि असम और पश्चिम बंगाल में 'जनादेश की चोरी' देश के लोकतंत्र को नष्ट करने के भारतीय जनता पार्टी के 'मिशन' के तहत उठाया गया बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि यह बात कांग्रेस के 'कुछ लोगों' और उन दूसरे लोगों को अच्छी तरह समझने की जरूरत है जो पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की हार से खुश हो रहे हैं। BJP पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में 206 सीटें जीतकर पहली बार सरकार बनाने जा रही है। उसने असम में जीत की हैट्रिक लगाई है। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'कांग्रेस में कुछ लोग और अन्य लोग टीएमसी की हार पर खुश हो रहे हैं। उन्हें यह स्पष्ट रूप से समझने की जरूरत है कि असम और बंगाल के जनादेश की चोरी भारतीय लोकतंत्र को नष्ट करने के अपने मिशन में भाजपा का एक बड़ा कदम है।

' उन्होंने कहा, 'क्षुद्र राजनीति को किनारे रखें, यह किसी एक पार्टी या दूसरी पार्टी के बारे में नहीं है, यह भारत के बारे में है।' पश्चिम बंगाल की निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को दावा किया था कि पश्चिम बंगाल में भाजपा ने 100 सीटों की 'लूट की है। 'राहुल गांधी ने उनके दावे का समर्थन किया था और आरोप लगाया था कि निर्वाचन आयोग की मदद से BJP ने असम और पश्चिम बंगाल में चुनाव की चोरी की है।

मौजूद ही नहीं जो कानून, उसी के तहत दे दिया तलाक

● इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट का आदेश रद्द किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बांदा फैमिली कोर्ट द्वारा पारित तलाक डिक्री रद्द करते हुए कड़ी टिप्पणी की कि अदालत ने ऐसे कानून के तहत तलाक दिया, जिसका अस्तित्व ही नहीं है। हाईकोर्ट ने संबंधित न्यायिक अधिकारी के फैसले को अत्यंत लापरवाह और अनौपचारिक बताते हुए उसकी कार्यप्रणाली पर नाराज़गी जताई। जस्टिस अतुल श्रीधरन और जस्टिस विवेक सारन की खंडपीठ ने यह आदेश पति की अपील पर पारित किया, जिसने जनवरी 2026 में फैमिली कोर्ट द्वारा पत्नी को दिए गए तलाक आदेश को चुनौती दी थी। मामले में पत्नी ने अपनी याचिका मुस्लिम स्त्री विवाह विच्छेद अधिनियम, 1986 के तहत दायर की थी जबकि ऐसा कोई कानून अस्तित्व में ही नहीं है। हाईकोर्ट ने कहा कि संभवतः याचिका में मुस्लिम विवाह विघटन अधिनियम, 1939 का उल्लेख होना चाहिए, जो मुस्लिम महिलाओं को तलाक मांगने का अधिकार देता है। अदालत ने कहा कि केवल याचिका में गलत कानून का उल्लेख होने से आदेश स्वतः अवैध नहीं हो जाता, यदि ट्रायल कोर्ट सही कानून के तहत अधिकार प्रयोग करे। हालांकि, इस मामले में फैमिली कोर्ट ने स्वयं अपने पूरे निर्णय में बार-बार उसी गैर-मौजूद कानून का उल्लेख किया और उसी के तहत राहत भी प्रदान की। हाईकोर्ट ने कहा, 'यह सुनिश्चित करना अदालत का दायित्व है कि जिस कानून का वह उल्लेख कर रही है, वह वास्तव में अस्तित्व में हो। केवल याचिका में हुई त्रुटि ट्रायल कोर्ट को वही गलती दोहराने का अधिकार नहीं देती।' खंडपीठ ने कहा कि अस्तित्वहीन कानून के आधार पर दिया गया निर्णय विधि और तथ्य दोनों की दृष्टि से दोषपूर्ण है। इसी आधार पर हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट का आदेश रद्द करते हुए मामला पुनः उसी अदालत को भेज दिया और निर्देश दिया कि वह सही कानूनी प्रावधानों के तहत नया निर्णय पारित करे। अदालत ने स्पष्ट किया कि नए सिरे से पूरा ट्रायल नहीं होगा और फैमिली कोर्ट उपलब्ध साक्ष्यों व रिकॉर्ड के आधार पर ही निर्णय दे सकती है, जब तक उसे अतिरिक्त साक्ष्य की आवश्यकता न लगे। हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट को तीन माह के भीतर नया फैसला देने का निर्देश दिया।

परिवर्तन की बयार और सत्ता के बदलते समीकरण

वर्तमान विधानसभा चुनावों के परिणाम केवल सत्ता के हस्तांतरण की कहानी नहीं कहते, बल्कि वे भारतीय लोकतंत्र के विकसित होते स्वरूप का एक जीवंत दस्तावेज हैं। भारत के राजनीतिक मानचित्र पर पूरब से दक्षिण तक जो लहर दिखाई दी है, उसने स्थापित मान्यताओं को ध्वस्त करते हुए एक नई वैचारिक धरातल तैयार की है। पश्चिम बंगाल से लेकर तमिलनाडु और केरल से लेकर असम तक, मतदाताओं ने जिस प्रकार का विवेक प्रदर्शित किया है, वह यह स्पष्ट करता है कि अब भारतीय राजनीति केवल प्रतीकों के सहारे नहीं, बल्कि ठोस परिणामों और नए विकल्पों के आकर्षण पर आधारित हो चुकी है। इन चुनावों में सबसे चौंकाने वाला और ऐतिहासिक परिवर्तन पश्चिम बंगाल की धरती पर देखा गया। भारतीय जनता पार्टी ने यहाँ पहली बार पूर्ण बहुमत प्राप्त कर राज्य में अपनी सरकार बनाने की स्थिति हासिल की है। यह परिवर्तन साधारण नहीं है क्योंकि इसने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले लगभग 15 वर्ष लंबे शासन का अंत कर दिया है। बंगाल की राजनीति, जो दशकों तक वामपंथी और फिर तृणमूल कांग्रेस के इर्द-गिर्द घूमती रही, अब एक बिल्कुल नई दिशा में मुड़ गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यहाँ सत्ता-विरोधी लहर के साथ-साथ सांस्कृतिक और संगठनात्मक बदलाव की जो प्रक्रिया वर्षों से चल रही थी, उसने 2026 में अपना पूर्ण स्वरूप प्राप्त कर लिया। यह जीत केवल एक राज्य की जीत नहीं है, बल्कि इसे पूर्वी भारत में एक बड़ी राष्ट्रीय विचारधारा के विस्तार के रूप में देखा जा रहा है। बंगाल के मतदाताओं ने इस बार भ्रष्टाचार और प्रशासनिक जड़ता के विरुद्ध विकास और नई कार्यसंस्कृति को प्राथमिकता दी है। तृणमूल कांग्रेस के लिए यह एक बड़ा झटका है क्योंकि उनकी पकड़ न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में कमजोर हुई, बल्कि शहरी मध्यम वर्ग ने भी इस बार परिवर्तन के पक्ष में मतदान किया।

दक्षिण की ओर रुख करें तो तमिलनाडु ने पूरे देश को अपनी राजनीतिक परिपक्वता और नए नेतृत्व के प्रति उत्साह से विस्मित कर दिया है। अभिनेता विजय की नवगठित पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम ने अपने पहले ही चुनाव में जो प्रदर्शन किया है, वह किसी चमत्कार से कम नहीं है। तमिलनाडु की राजनीति दशकों से द्रविड़ मुनेत्र कझगम और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कझगम जैसी दो पारंपरिक पार्टियों के वर्चस्व में बंधी हुई थी। विजय की पार्टी ने इस द्विपक्षीय चक्र को तोड़कर स्वयं को एक सशक्त विकल्प के रूप में स्थापित किया। आंकड़ों की दृष्टि से देखें तो उनकी पार्टी ने 100 से अधिक सीटों पर अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराई है, जिससे वह राज्य की राजनीति में केवल तीसरी ताकत नहीं, बल्कि एक नई धुरी बनती दिख रही है। यह परिणाम इस बात का संकेत है कि तमिलनाडु का युवा वर्ग अब पुरानी द्रविड़ राजनीति के पारंपरिक ढांचों से बाहर निकलकर कुछ नया और आधुनिक देख रहा है। विजय ने अपनी रैलियों में जिस तरह से सामाजिक न्याय और सुशासन की बात की, उसने युवाओं और पहली बार मतदान करने वाले नागरिकों को गहराई से प्रभावित किया। यह बदलाव आने वाले समय में दक्षिण भारत की पूरी राजनीति को प्रभावित करने की क्षमता रखता है।

केरल में भी इस बार परिवर्तन की परंपरा अक्षुण्ण रही। संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा यानी यूडीएफ ने 10 वर्ष के अंतराल के बाद सत्ता में वापसी की है। पिछले चुनाव में वामपंथी लोकतांत्रिक मोर्चा यानी एलडीएफ ने लगातार दूसरी बार सरकार बनाकर जो इतिहास रचा था, उसे इस बार मतदाताओं ने दोहराने नहीं दिया। केरल के चुनावी इतिहास में यह देखा गया है कि जनता प्रायः हर 5 वर्ष में सरकार बदल देती है, परंतु पिछले कार्यकाल में इस परंपरा के टूटने के बाद यह माना जा रहा था कि वामपंथ की जड़ें और गहरी हो गई हैं। लेकिन 2026 के परिणामों ने सिद्ध कर दिया कि प्रशासनिक थकान और सत्ता के प्रति असंतोष किसी भी शासन के लिए घातक हो सकता है। यूडीएफ की इस जीत में कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन ने अपनी पुरानी ताकत को फिर से संकलित किया। अल्पसंख्यकों और बहुसंख्यक समुदाय के बीच एक नए प्रकार के संतुलन और विकास के वादों ने यूडीएफ को पुनः सत्ता की दहलीज तक पहुँचाया। वामपंथी दलों के लिए यह आत्ममंथन का समय है क्योंकि उनका यह गढ़ अब ढह चुका है।

असम की स्थिति इन तीनों राज्यों से बिल्कुल भिन्न रही। यहाँ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने लगातार तीसरी बार सरकार बनाने की दिशा में जीत दर्ज कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में भाजपा ने अपनी पकड़ न केवल बनाए रखी, बल्कि उसे और अधिक मजबूत किया। असम का यह परिणाम स्थिरता की मांग को दर्शाता है। जहाँ अन्य राज्यों में परिवर्तन की लहर थी, वहीं असम के मतदाताओं ने मौजूदा नेतृत्व की नीतियों और सुरक्षा संबंधी दृष्टिकोण पर अपना विश्वास जताया। विकास कार्यों की गति और सीमावर्ती मुद्दों पर सरकार की सक्रियता ने जनता के बीच एक सकारात्मक संदेश भेजा। भाजपा के लिए असम पूर्वोत्तर भारत का वह प्रवेश द्वार बना हुआ है, जहाँ से उसकी नीतियां पूरे क्षेत्र को प्रभावित कर रही हैं। यह जीत यह भी दर्शाती है कि यदि नेतृत्व सक्रिय हो और विकास के जमीनी कार्य दिख रहे हों, तो सत्ता-विरोधी लहर का प्रभाव कम किया जा सकता है।

राष्ट्रीय स्तर पर यदि इन चार राज्यों के परिणामों का निचोड़ निकाला जाए, तो कई महत्वपूर्ण संकेत मिलते हैं। मतदाताओं ने इस बार 'परिवर्तन' को एक अनिवार्य आवश्यकता के रूप में देखा है। यह प्रवृत्ति उन राज्यों में अधिक स्पष्ट रही जहाँ सत्ता लंबे समय से एक ही दल के पास थी। भारतीय मतदाता अब बहुत अधिक गतिशील हो गया है। वह केवल पुराने संबंधों या भावनाओं के आधार पर वोट नहीं दे रहा, बल्कि वह परिणामों की समीक्षा कर रहा है। नए नेतृत्व और विकल्पों के लिए खुलापन इस चुनाव की सबसे बड़ी विशेषता रही। तमिलनाडु में विजय की पार्टी का उदय इसका सबसे सटीक उदाहरण है। वहीं दूसरी ओर, जहाँ स्थिरता और सुरक्षा का अनुभव हुआ, वहाँ मतदाताओं ने यथास्थिति को बनाए रखने में संकोच नहीं किया, जैसा कि असम में देखा गया। क्षेत्रीय दलों और राष्ट्रीय दलों के बीच का संतुलन भी बदल रहा है। जहाँ बंगाल में राष्ट्रीय दल ने क्षेत्रीय शक्ति को विस्थापित किया, वहीं तमिलनाडु में एक नई क्षेत्रीय शक्ति ने राष्ट्रीय स्तर के गठबंधनों को चुनौती दी।

इन चुनावों का एक और महत्वपूर्ण पहलू महिलाओं और युवाओं की भागीदारी रही। सभी राज्यों में मतदान प्रतिशत में वृद्धि देखी गई, जो लोकतंत्र की मजबूती का प्रतीक है। डेटा के अनुसार, पश्चिम बंगाल में महिला मतदाताओं का झुकाव इस बार निर्णायक साबित हुआ, जिन्होंने सुरक्षा और रोजगार के मुद्दों पर अधिक ध्यान दिया। केरल में शिक्षित युवाओं ने भ्रष्टाचार के मुद्दों पर वामपंथ के विरुद्ध मतदान किया। तमिलनाडु में सिनेमाई लोकप्रियता का राजनीतिक प्रभाव एक बार फिर सिद्ध हुआ, लेकिन इस बार इसके पीछे एक व्यवस्थित संगठन और नीतिगत ढांचा भी मौजूद था। यह चुनाव यह भी स्पष्ट करते हैं कि भारत की राजनीति अब अधिक गतिशील और प्रतिस्पर्धात्मक हो रही है। अब कोई भी राजनीतिक किला अभेद्य नहीं रह गया है। मतदाताओं की आकांक्षाएं बढ़ रही हैं और वे अब शासन से जवाबदेही की मांग कर रहे हैं।

निष्कर्ष के रूप में यह कहा जा सकता है कि 2026 के ये चुनाव परिणाम आने वाले 2029 के आम चुनावों के लिए एक बड़ी आधारभूमि तैयार कर रहे हैं। इन परिणामों ने यह संदेश दिया है कि भारतीय राजनीति में नए चेहरों और नए विचारों के लिए पर्याप्त स्थान है। क्षेत्रीय अस्मिता और राष्ट्रीय आकांक्षाओं के बीच एक नया सामंजस्य बनता दिख रहा है। बंगाल की जीत भाजपा के लिए एक बड़ी वैचारिक विजय है, जबकि तमिलनाडु में विजय का उदय द्रविड़ राजनीति के भविष्य पर प्रश्नचिह्न लगाता है। केरल और असम के परिणाम बताते हैं कि सुशासन और विकल्प की उपलब्धता ही सत्ता की कुंजी है। यह संपूर्ण प्रक्रिया भारतीय लोकतंत्र की उस जीवंतता को दर्शाती है, जिसमें जनता ही अंतिम निर्णायक है और उसकी चुप्पी में ही सबसे बड़े परिवर्तन के बीज छिपे होते हैं। 2026 का यह साल भारतीय राजनीतिक इतिहास में एक बड़े प्रस्थान बिंदु के रूप में याद किया जाएगा, जिसने पुराने दिग्गजों को विश्राम दिया और नए नायकों को मंच प्रदान किया।

महेन्द्र तिवारी

बड़ा मंगल है मंगल करेंगे प्रभु.....

संपादक/लेखकः राजीव शुक्ला

ज्येष्ठ की प्रचंड गर्मी में भी जब शहर की गलियाँ प्रसाद की महक से भर जाती हैं और हनुमान जी के भजनों से वातावरण गूंज उठता है, तब समझ लीजिए कि बड़ा मंगल आ गया है। यह कोई सामान्य मंगलवार नहीं, बल्कि हनुमान भक्ति और सेवा का पावन उत्सव है। रामायण की पावन कथा के अनुसार, ज्येष्ठ मास के मंगलवार को ही भगवान श्री राम की हनुमान जी से प्रथम भेंट हुई थी। इसी पावनता के कारण पूरे ज्येष्ठ मास के मंगलवार विशेष माने जाते हैं और लखनऊ में इसे 'बड़ा मंगल' के नाम से मनाया जाता है।

अवध की धरती पर इस परंपरा की नींव नवाबी काल में पड़ी। किंवदंती है कि नवाब की बेगम को स्वप्न में हनुमान जी के दर्शन हुए। पुत्र की बीमारी से मुक्ति के बाद कृतज्ञता स्वरूप अलीगंज के प्राचीन हनुमान मंदिर का नवीनीकरण कराया गया और पूरे शहर में गुड़-धनिया, पूड़ी-सब्जी तथा शरबत का भंडारा शुरू हुआ। तब से यह परंपरा निरंतर चली आ रही है।

अलीगंज के पुराने और नए हनुमान मंदिर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ से गुलजार रहते हैं। सैकड़ों भंडारे लगते हैं। गर्मी के इन दिनों में राहगीरों को ठंडा शरबत और पौष्टिक भोजन पहुँचाना हनुमान भक्ति का सबसे सुंदर रूप बन गया है। भक्त 'हनुमान चालीसा' का पाठ करते हैं, 'जय श्री राम' के नारे लगाते हैं और प्रभु की कृपा प्राप्त करते हैं।

बड़ा मंगल है, मंगल करेंगे प्रभु...

यह न सिर्फ एक पंक्ति है, बल्कि संकल्प है। इस पावन अवसर पर हमें हनुमान जी की तरह निर्भय, बलवान और निष्काम सेवा भाव से जीवन जीने का संकल्प लेना चाहिए। भक्ति के साथ-साथ मानव सेवा भी करें, कष्ट में पड़ों की मदद करें और प्रभु की कृपा से अपना तथा समाज का मंगल करें। लखनऊ का बड़ा मंगल न सिर्फ शहर की आस्था है, बल्कि समूचे उत्तर भारत में हनुमान भक्ति की जीवंत परंपरा का प्रतीक है।

जय हनुमान। जय श्री राम।

हर मिनट उजड़ते ग्यारह फुटबॉल मैदान जितने जंगल- मानव विकास या विनाश?

जल, जंगल और जमीन–प्रकृति के ये तीनों आधार स्तंभ समस्त जीव-जगत के जीवन की धुरी हैं। किंतु विडंबना यह है कि आधुनिक और शिक्षित मानव ने अपने तथाकथित विकास की अंधी दौड़ में इन्हीं आधारों का निर्मम दोहन किया है। जंगलों की बलि देकर खड़ी की जा रही विकास यात्रा आज भी अनवरत जारी है, और इसके दुष्परिणाम अब स्पष्ट रूप से सामने आने लगे हैं। वनों के अंधाधुंध विनाश ने न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया को भीषण तापमान वृद्धि के संकट में धकेल दिया है। एक चौंकाने वाला तथ्य यह है कि हर मिनट लगभग ग्यारह फुटबॉल मैदान के बराबर जंगल नष्ट किए जा रहे हैं। यह आंकड़ा भले ही अविश्वसनीय लगे, लेकिन यही आज की कठोर सच्चाई है, जिसे अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

मेरीलैंड विश्वविद्यालय की 'ग्लोबल लैंड एनालिसिस एंड डिस्कवरी लैब' की रिपोर्ट के अनुसार, प्रतिवर्ष लगभग 43 हजार वर्ग किलोमीटर जंगल समाप्त हो जाते हैं–जो कि डेनमार्क जैसे देश के बराबर क्षेत्रफल है। यह आंकड़ा न केवल चिंताजनक है, बल्कि पूरी मानवता के लिए चेतावनी भी है। सन् 2021 में आयोजित जलवायु शिखर सम्मेलन में 100 से अधिक देशों ने वनों की कटाई पर रोक लगाने का संकल्प लिया था। दुर्भाग्यवश, इस संकल्प को गिने-चुने देशों ने ही गंभीरता से निभाया। परिणामस्वरूप, प्रकृति का संतुलन लगातार बिगड़ता जा रहा है।आज बढ़ता तापमान, असमय बाढ़, भूस्खलन, और पेयजल संकट ये सभी प्रकृति के असंतुलन के प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। हिमालयी क्षेत्रों में, जहाँ कभी पंखे की आवश्यकता नहीं पड़ती थी, आज वहाँ एयर कंडीशनर की मांग बढ़ रही है। यह परिवर्तन केवल जीवनशैली का नहीं, बल्कि जलवायु संकट का स्पष्ट संकेत है।

भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश के लिए वनों का संरक्षण एक बड़ी चुनौती बन चुका है। हर वर्ष बढ़ती गर्मी और प्राकृतिक आपदाएँ इस संकट को और गहरा कर रही हैं। ऐसे में आवश्यक है कि केंद्र और राज्य सरकारें कठोर कानून बनाएं और हर नागरिक की जिम्मेदारी तय करें। यदि वनों का विनाश इसी गति से जारी रहा, तो आने वाले दो दशकों में मानव अस्तित्व पर गंभीर संकट मंडरा सकता है। अतः समय की मांग है कि हम सभी वृक्षारोपण को जन-आंदोलन बनाएं और ईमानदारी से जंगलों के पुनर्निर्माण में योगदान दें। प्रकृति का संरक्षण ही मानवता का संरक्षण है।

अरविंद रावल

पुणे का कलंकः समाज की संवेदनहीनता का सबसे काला अध्याय

[जब सुरक्षा केवल वादा रह जाए और डर स्थायी सच्चाई बन जाए]

[कानून के बावजूद असुरक्षित जीवनः व्यवस्था पर उठते गंभीर प्रश्न]

मानवता को झकझोर देने वाली यह घटना समाज की संवेदनहीनता को उजागर करती है। पुणे के भोर तहसील के नासरापुर गांव में 1 मई 2026 को घटी यह घटना केवल अपराध नहीं, बल्कि गहरी मानवीय त्रासदी है। लगभग चार वर्ष की मासूम बच्ची, जो गर्मी की छुट्टियों में नानी के घर आई थी, उसे भोजन या बछड़ा दिखाने के लालच में पशुशाला में ले जाया गया। 65 वर्षीय व्यक्ति ने बेरहमी से अत्याचार कर पत्थर से सिर कुचलकर हत्या की और शव को गोबर के ढेर में छिपा दिया। सीसीटीवी कैमरों ने सच सामने ला दिया, फिर भी प्रश्न है कि ऐसी घटनाएँ क्यों बढ़ रही हैं। क्या हमारी सुरक्षा व्यवस्था और सामाजिक चेतना इतनी कमजोर हो चुकी है कि बच्चों की रक्षा भी सुनिश्चित नहीं? यह घटना केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे समाज की गंभीर विफलता का प्रमाण है। आरोपी पर पहले भी यौन अपराध के मामले दर्ज थे, जिससे अपराधियों के बढ़ते हौसले और पुलिस-न्याय व्यवस्था की कमियों पर सवाल और गहरे होते हैं।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के हालिया आंकड़ों के अनुसार महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध अपराधों में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। विभिन्न रिपोर्टों और उपलब्ध जानकारियों से भी स्पष्ट होता है कि अनेक क्षेत्रों में स्थिति दिन-प्रतिदिन अधिक गंभीर और असुरक्षित होती जा रही है। जो स्थान कभी सुरक्षित माने जाते थे, वे अब अपराध और असुरक्षा के नए केंद्र बनते जा रहे हैं। समस्या केवल कानूनों की मौजूदगी नहीं, बल्कि उनके कमजोर क्रियान्वयन और प्रभावी निगरानी के अभाव में छिपी है। यदि एक मासूम बच्ची अपने ही घर के आसपास सुरक्षित नहीं है, तो यह पूरे सुरक्षा तंत्र पर गंभीर प्रश्नचिह्न है। अपराधियों के बढ़ते हौसले का एक बड़ा कारण समाज की उदासीनता भी है, जो समय रहते चेतावनी संकेतों को नजरअंदाज कर देती है।

व्यवस्था में गहरे सुधार के बिना ऐसी घटनाओं पर रोक संभव नहीं। पुलिस व्यवस्था और न्याय प्रणाली में ठोस, प्रभावी बदलाव आवश्यक हैं। विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन हुआ है और मुख्यमंत्री ने फास्ट-ट्रैक ट्रायल व कठोर सजा की घोषणा की है, लेकिन ये कदम केवल तात्कालिक प्रतिक्रिया तक सीमित नहीं रहने चाहिए। बाल यौन अपराध संरक्षण कानून के अंतर्गत लंबित मामलों की अधिक संख्या और दोषसिद्धि की कम दर व्यवस्था की कमजोरियों को स्पष्ट करती है। प्रत्येक जिले में 24 घंटे सक्रिय बाल संरक्षण इकाइयों की स्थापना अनिवार्य होनी चाहिए। गाँवों और शहरों में निगरानी कैमरों का व्यापक नेटवर्क विकसित किया जाए तथा महिला पुलिस की पर्याप्त तैनाती सुनिश्चित की जाए। न्याय प्रक्रिया को तेज, पारदर्शी और प्रभावी बनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

सुरक्षा की वास्तविक नींव समाज की जागरूकता और सक्रिय भागीदारी पर ही टिकी होती है। केवल कानून या प्रशासन के भरोसे सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा सकती, जब तक समाज स्वयं सजग न हो। बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा सामूहिक जिम्मेदारी है। स्कूलों, आंगनवाड़ियों और खेल स्थलों को पूर्ण सुरक्षा क्षेत्र घोषित कर कठोर निगरानी आवश्यक है। अभिभावकों के लिए नियमित जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए ताकि वे संभावित खतरों को पहचान सकें। स्थानीय समुदायों में सतर्कता समूह बनाए जाने चाहिए जो संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत सूचना दें। बच्चों को आत्मरक्षा और सुरक्षित व्यवहार की शिक्षा देना भी अत्यंत आवश्यक है। जब तक समाज सक्रिय भागीदारी नहीं निभाएगा, तब तक केवल कानून व्यवस्था पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा।

सबसे बड़ी और गहरी चुनौती आज भी हमारी जड़ जमाई हुई मानसिकता है, जो वर्षों से बदली नहीं है। कई बार पीड़ित को ही प्रश्नों के घेरे में खड़ा कर दिया जाता है और पुरानी सोच से प्रभावित प्रतिक्रियाएँ दी जाती हैं। यह धारणा बदलनी होगी कि खतरा केवल अजनबियों से होता है, जबकि वास्तविकता यह है कि कई बार परिचित और भरोसेमंद लोग ही अपराधी बन जाते हैं। शिक्षा प्रणाली में लिंग संवेदनशीलता, सहमति का सम्मान और नैतिक मूल्यों को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाना चाहिए। मीडिया को भी अत्यंत जिम्मेदारी से कार्य करना होगा ताकि ऐसी घटनाओं को सनसनी के रूप में प्रस्तुत न किया जाए। दोषियों के लिए कठोरतम दंड पर गंभीर सामाजिक और कानूनी मंथन आवश्यक है।

बदलते समय में सुरक्षा को मजबूत करने की कुंजी आधुनिक तकनीक के प्रभावी और व्यापक उपयोग में निहित है। एआई आधारित उन्नत निगरानी प्रणाली, बच्चों के लिए सुरक्षित पहनने योग्य उपकरण और स्थान आधारित सुरक्षा तंत्र को बड़े स्तर पर लागू किया जाना चाहिए। महिला सहायता केंद्रों को अधिक सशक्त, प्रभावी और त्वरित प्रतिक्रिया देने योग्य बनाया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों तक तकनीकी सुरक्षा सुविधाओं का विस्तार भी आवश्यक है, ताकि गाँव और शहर के बीच सुरक्षा की खाई कम हो सके। साथ ही यह सुनिश्चित करना होगा कि तकनीक का उपयोग केवल सुरक्षा के उद्देश्य से हो और उसका किसी भी रूप में दुरुपयोग न हो। तकनीक तभी वास्तविक रूप से सार्थक है, जब वह अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी सुरक्षा पहुँचा सके।

किसी भी राष्ट्र की पहचान उसकी मासूम और कमजोर जिंदगियों की सुरक्षा से होती है। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा केवल योजना नहीं, बल्कि राष्ट्र की नैतिक जिम्मेदारी है। इस घटना ने स्पष्ट किया कि दोषी अक्सर परिचित होता है और बार-बार जेल से छूटने वाले अपराधी समाज के लिए बड़ा खतरा हैं। पुणे की मासूम बच्ची यह कठोर सच याद दिलाती है कि विकास तभी सार्थक है, जब जीवन सुरक्षित हो। यदि आने वाली पीढ़ियाँ भय में जीने को मजबूर होंगी, तो विकास के दावे अधूरे रह जाएँगे। समाज, प्रशासन और परिवार–सभी को मिलकर सुरक्षित वातावरण बनाना होगा। नागरिकों की सतर्कता, कानून का कठोर पालन और न्याय व्यवस्था की सक्रियता ही समाधान दे सकती है। यह समय केवल सहानुभूति का नहीं, बल्कि ठोस और निरंतर कार्रवाई का है। अगर अब भी नहीं जागे, तो कल और कितनी मासूम चीखें दब जाएँगी?

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

मेष– कल का दिन आपके लिए मिश्रित परिणाम लेकर आएगा। कार्यक्षेत्र में थोड़ी चुनौतियां आ सकती हैं, लेकिन आपकी मेहनत और आत्मविश्वास से आप उन्हें पार कर लेंगे। आर्थिक मामलों में सावधानी रखें। परिवार का सहयोग मिलेगा, जिससे मन हल्का रहेगा।

वृषभ– कल आपको धन लाभ के अच्छे संकेत मिल रहे हैं। कोई पुराना निवेश फायदा दे सकता है। नौकरी या व्यापार में प्रगति होगी। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मिथुन– कल का दिन व्यस्तता भरा रहेगा। काम का दबाव बढ़ सकता है, लेकिन आपकी सूझबूझ से सब ठीक रहेगा। मित्रों से सहयोग मिलेगा। खर्चों पर नियंत्रण रखें।

कर्क– कल आप भावनात्मक रूप से थोड़ा कमजोर महसूस कर सकते हैं। परिवार के साथ समय बिताना बेहतर रहेगा। कार्यक्षेत्र में सामान्य दिन रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह – कल आपका आत्मविश्वास चरम पर रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता और सम्मान मिलेगा। नए अवसर प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

कन्या– कल मेहनत का पूरा फल मिलेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। छात्रों के लिए दिन अच्छा रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

तुला– कल का दिन संतुलित रहेगा। रिश्तों में मधुरता आएगी। किसी यात्रा के योग बन सकते हैं। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक– कल कुछ तनावपूर्ण स्थितियां बन सकती हैं। धैर्य और समझदारी से काम लें। धन लाभ के अवसर मिलेंगे, लेकिन खर्च भी बढ़ सकते हैं।

धनु– कल भाग्य आपका साथ देगा। करियर में सफलता और नई उपलब्धियां मिल सकती हैं। परिवार के साथ अच्छा समय बितेगा।

मकर– कल काम का दबाव रहेगा, लेकिन आप सफलता प्राप्त करेंगे। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ– कल नए विचार और योजनाएं सफल होंगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक लाभ के योग हैं।

मीन– कल मानसिक शांति बनी रहेगी। आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी। परिवार के साथ समय अच्छा बीतेगा। करियर में शांति और स्थिरता बनी रहेगी।

प्रजातंत्र, वैचारिक स्वतंत्रता ही उसकी आत्मा और वास्तविक स्वरूप

प्रजातंत्र केवल शासन प्रणाली नहीं, बल्कि नागरिकों और समाज की स्वतंत्र अभिव्यक्ति का जीवंत मंच है। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसकी सेना या अर्थव्यवस्था से पहले उसके विचारों की स्वतंत्रता और सामाजिक चेतना में निहित होती है। जब नागरिक बिना भय के सोच सकते हैं, बोल सकते हैं और अपने विचार साझा कर सकते हैं, तभी एक सशक्त, प्रगतिशील और जीवंत लोकतंत्र का निर्माण होता है। हर देश में ऐसे चिंतनशील व्यक्तियों और समूहों का होना आवश्यक है, जो राष्ट्रहित, लोकतांत्रिक मूल्यों और विकास के सिद्धांतों को नई ऊर्जा प्रदान करें। संस्कृति, संस्कार और वैचारिक परिपक्वता के बिना कोई भी राष्ट्र वैश्विक मंच पर स्थायी प्रगति नहीं कर सकता। विचार केवल शब्द नहीं होते, वे समाज की दिशा और दशा तय करने वाली शक्तियाँ होते हैं।

व्यक्तिगत वैचारिक अभिव्यक्ति भारत जैसे गणतांत्रिक देश की मूल आत्मा है। विचार और सिद्धांत मनुष्य की अंतःप्रज्ञा का प्रतिबिंब होते हैं। यदि इन विचारों के प्रवाह को रोका जाए, तो यह केवल अभिव्यक्ति का दमन नहीं, बल्कि व्यक्ति की अंतरात्मा को आहत करना होता है। इतिहास साक्षी है कि जब भी विचारों को दबाने का प्रयास हुआ, उन्होंने और अधिक तीव्र होकर समाज में परिवर्तन की लहर पैदा की। प्राचीन यूनान के महान दार्शनिक सुकरात इसका सजीव उदाहरण हैं। साधारण रूप-रंग के बावजूद उनके विचारों में अद्भुत मौलिकता और जनजागरण की शक्ति थी। राजसत्ता ने उनके विचारों को खतरा मानकर उन्हें मृत्युदंड दे दिया, परंतु विष का प्याला पीने के बाद भी उनके विचार अमर हो गए। आज भी उनकी शिक्षाएं मानवता को दिशा प्रदान करती हैं।

इसी प्रकार अब्राहम लिंकन ने दास प्रथा के विरुद्ध जो विचार प्रस्तुत किए, वे उस समय अत्यंत क्रांतिकारी थे। उन्होंने कहा कि दास भी मनुष्य हैं और उन्हें समान अधिकार मिलना चाहिए। उनके इन विचारों ने समाज की अंतरात्मा को झकझोर दिया। यद्यपि उन्हें अपनी जान गंवानी पड़ी, पर उनके विचारों ने दास प्रथा के अंत की नींव रखी और मानवाधिकारों की नई परिभाषा गढ़ी।

स्वामी विवेकानंद के शब्द हम जो सोचते हैं, वही बन जाते हैं आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। उनके अनुसार विचार ही मनुष्य का निर्माण करते हैं, वही उसे महान या दुष्ट बनाते हैं। व्यक्ति का अस्तित्व उसके विचारों से ही परिभाषित होता है। भौतिक शरीर भले ही नष्ट हो जाए, पर विचारों की शक्ति और प्रभाव कालातीत होते हैं। आज के डिजिटल युग में यह विषय और अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। सोशल मीडिया, सूचना प्रौद्योगिकी और वैश्विक संवाद के माध्यमों ने विचारों के प्रसार को तीव्र और व्यापक बना दिया है। एक व्यक्ति का विचार अब कुछ ही क्षणों में लाखों लोगों तक पहुँच सकता है। यही कारण है कि विचार अब केवल व्यक्तिगत नहीं रहते, वे जनांदोलन का रूप धारण कर सकते हैं।.इतिहास में फ्रांसीसी क्रांति इसका सशक्त उदाहरण है, जहाँ जनमानस में जागृत विचारों ने राजसत्ता की जड़ों को हिला दिया। इसी प्रकार भारत का स्वतंत्रता संग्राम भी विचारों और सिद्धांतों की शक्ति का परिणाम था, जहाँ लाखों लोगों ने एक साझा विचारधारा के तहत संघर्ष किया। हालाँकि, विश्व के कुछ देशों में आज भी विचारों की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाए जाते हैं। अभिव्यक्ति के माध्यमों को नियंत्रित कर वैचारिक प्रवाह को सीमित करने का प्रयास किया जाता है। यह न केवल लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है, बल्कि मानवाधिकारों का भी उल्लंघन है। विचारों को कैद नहीं किया जा सकता वे स्वभावतः स्वतंत्र, गतिशील और अजेय होते हैं।

यह शाश्वत सत्य है कि व्यक्ति को दबाया जा सकता है, पर विचारों को नहीं। विचार एक से दूसरे व्यक्ति तक पहुँचते हुए और अधिक सशक्त होते जाते हैं। जब एक विचार जनमानस में उतर जाता है, तो वह अकेले व्यक्ति का नहीं रह जाता, बल्कि सामूहिक चेतना का हिस्सा बन जाता है। यही वह क्षण होता है, जब परिवर्तन की शुरुआत होती है और युग निर्माण का मार्ग प्रशस्त होता है। अतः किसी भी स्वस्थ और सशक्त राष्ट्र के लिए आवश्यक है कि वह अपने नागरिकों को विचारों की स्वतंत्रता प्रदान करे, उन्हें नवीनता और उत्कृष्टता के लिए प्रेरित करे। क्योंकि विचार ही वह शक्ति हैं, जो समाज को दिशा देते हैं, राष्ट्र को ऊँचाइयों तक ले जाते हैं और मानवता को आगे बढ़ाते हैं।

संजीव ठाकुर

कविता

हवा की गुनगुन में
अनकहे गीत की परछाई।
जैसे कोई बूढ़ा पेड़
धीरे-धीरे याद करता हो
अपने बचपन की हरियाली।

बांसुरी की धुन
दूर कहीं नहीं,
यहीं पास
चरवाहे के होंठों पर नहीं,
बल्कि हमारे भीतर
धीरे से बजती है
जब हम चुप होते ।

बहता पानी
पत्थरों से टकराकर
शोर नहीं करता,
वह समझाता
कि रुकना भी एक तरह की थकान
और बहना ही
जीवन की सबसे सच्ची राह।

इन सबके बीच
जीवन कहीं लिखा नहीं जाता,
वह बस सुनाई देता
हवा की गुनगुन में,
बांसुरी की अनदेखी धुन में,
और पानी के कलरव में।

हम अक्सर
शहर के कोलाहल में
उसे खो देते
और फिर खोजते
किसी बड़ी उपलब्धि में,
जबकि वह तो
एक पत्ते के हिलने भर में था।

प्रकृति का यह संगीत
किसी मंच पर नहीं बजता,
न ही इसे कोई साधता
यह स्वयं लय लिए होता
जैसे सुबह का उजाला,
जैसे सांझ की थकान।

और शायद
जीवन भी कुछ ऐसा ही
जब हम उसे पकड़ना छोड़ देते
वह धीरे से
हमारे भीतर
बसने लगता है।

संजीव ठाकुर

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उमान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254 Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

बीएड परीक्षा के दौरान पकड़ाया नकलची

देवरिया। बाबा राघवदास स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मंगलवार से बीएड द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षाएं शुरू हो गई। पहले दिन 'स्कूल मैनेजमेंट एंड लीडरशिप विषय की परीक्षा आयोजित की गई। इस परीक्षा के लिए जनपद के नौ महाविद्यालयों का केंद्र बीआरडी पीजी कॉलेज को बनाया गया है। 1 से 4 बजे तक चली परीक्षा में कुल 761 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें 738 उपस्थित रहे जबकि 23 अनुपस्थित रहे। परीक्षा के दौरान सख्ती बरतते हुए महाविद्यालय प्रशासन की आंतरिक उड़ाका टीम ने संघन जांच की। इसी दौरान बाबू कैलाश प्रसाद महाविद्यालय, देवरिया के एक छात्र को अनुचित साधन का प्रयोग करते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य एवं केंद्राध्यक्ष प्रो. प्रताप नारायण सिंह के निर्देशन में पकड़े गए छात्र के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की गई। उड़ाका दल का नेतृत्व मुख्य नियंता प्रो. रजनीश कुमार और प्रो. हरिशंकर गोविन्द राव ने किया। परीक्षा शांतिपूर्ण और कड़ी निगरानी में संपन्न कराई गई।

07 को आयेंगी महिला आयोग की सदस्य, करेंगी महिलाओं की जनसुनवाई

गोण्डा। उ.प्र. राज्य महिला आयोग की सदस्य एकता सिंह आगामी 07 मई को जनपद में आ रही है। सर्वप्रथम वह सर्किट हाउस गोण्डा में अपरान्ह् 11:00 बजे से महिला सम्बन्धी शिकायतों की जनसुनवाई करेंगी। उसके बाद महिला सम्बन्धी अपराधों व योजनाओं के सम्बन्ध में अधिकारियों के साथ बैठक करेंगी। यह जानकारी देते हुए जिला प्रोबेशन अधिकारी संतोष कुमार सोनी ने अपील किया है कि पीड़ित महिलाएं ससमय उपस्थित होकर अपनी समस्याओं से सम्बन्धित शिकायत प्रस्तुत कर सकती हैं।

केरलम में कांग्रेस की जीत को लेकर कांग्रेसियों में जश्न का माहौल

लालगंज, प्रतापगढ़। केरलम में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ गठबंधन की शानदार जीत के साथ चार राज्यों में पार्टी की सरकार बनने को लेकर मंगलवार को कांग्रेसी गढ़ रामपुरखास में जश्न का माहौल दिखा। बैठक कर पार्टी कार्यकर्ताओं ने राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी तथा विधायक मोना के नेतृत्व में पार्टी संगठन को सशक्त बनाए जाने का सामूहिक संकल्प लिया। इसके बाद कार्यकर्ता पार्टी के झण्डे व बैनर के साथ कैम्प कार्यालय से भारी तादात में जोश के साथ स्थानीय इंदिरा चौक पहुंचे। यहां चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी तथा पूर्व प्रमुख सुरेन्द्र सिंह ददन के संयुक्त नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। वहीं चौक पर एक दूसरे का मुंह मीठा कराकर कार्यकर्ताओं को खुशियां साझा करते देखा गया। यहां हुई सभा में पार्टी कार्यकर्ताओं में केरलम में सरकार बनने की खुशी चहकती दिखी। वहीं पश्चिम बंगाल में इस बार खाता खुलने के साथ केरलम की जीत को कांग्रेस की चार राज्यों में सरकार होने की भी खुशी कार्यकर्ताओं का जोश बढ़ाए दिखी। बैठक की अध्यक्षता चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी व संचालन मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने किया।

वन स्टॉप सेंटर को कौमी एकता सेवा समिति ने भेंट की वाशिंग मशीन

घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं की सुविधा के लिए जनहित में की पहल

ललितपुर। कौमी एकता सेवा समिति द्वारा समाजसेवा की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए वन स्टॉप सेंटर में पीड़ित महिलाओं की सुविधा के लिए एक वाशिंग मशीन भेंट की गई। यह मशीन प्रोबेशन अधिकारी के माध्यम से जनहित में उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बुविसे प्रमुख हरीश कपूर टीटू उपस्थित रहे। संस्था अध्यक्ष परवेज पठान ने बताया कि वन स्टॉप सेंटर में घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाएं अस्थायी रूप से लगभग पांच दिनों तक निवास करती हैं। इस दौरान उनके कपड़े एवं बिस्तरों की चादर धोने में काफी परेशानी होती थी। महिलाओं की इसी असुविधा को ध्यान में रखते हुए समिति ने वाशिंग मशीन उपलब्ध कराने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि संस्था आगे भी जरूरतमंदों की सहायता के लिए इसी तरह सामाजिक कार्य करती रहेगी। इस अवसर पर लक्ष्मी नारायण विश्वकर्मा आचार्य, तेजस्व, राजकुमार कुशवाहा, अमर सिंह, मकबूल राइन, जय कुमार तमियां सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में वन स्टॉप सेंटर प्रशासन ने संस्था के इस सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

गोरखपुरः गैंगस्टर एक्ट में बड़ी कार्रवाईः पिपराइच पुलिस ने दंपती को दबोचा, ऑपरेशन 'वज्र' के तहत शिकंजा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। जनपद में संगठित अपराध के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत पिपराइच पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। ऑपरेशन वज्र के तहत कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने गैंगस्टर एक्ट से जुड़े एक अभियुक्त और एक अभियुक्ता को गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई से क्षेत्र में अपराधियों के बीच हड़कंप मच गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक उत्तरी के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी चौरी-चौरा के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक पिपराइच के नेतृत्व में टीम सक्रिय थी। इसी दौरान थाना पिपराइच में दर्ज मु0अ0सं0 880/2025, जो कि उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की गंभीर धाराओं से संबंधित है, में वांछित चल रहे अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान मुरलीधर चौहान पुत्र रामभवन चौहान निवासी जंगल अहमद अली शाह टोला, शाहपुर टोला थाना पिपराइच के रूप में हुई है। वहीं, अभियुक्ता रीमा चौहान पत्नी सरवन चौहान, निवासी वही, को भी पुलिस ने हिरासत में लिया है। दोनों पर पूर्व में भी धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश और धमकी जैसी धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं, जिससे इनके आपराधिक नेटवर्क की गंभीरता उजागर होती है। पुलिस के अनुसार मुरलीधर चौहान पर वर्ष 2024 में दर्ज दो अलग-अलग मामलों में धारा 406, 420, 504, 506 तथा 120बी के तहत मुकदमे दर्ज हैं। इसके अतिरिक्त, वर्तमान गैंगस्टर एक्ट का मामला भी उसी आपराधिक श्रृंखला का हिस्सा है। अभियुक्ता रीमा चौहान भी इन मामलों में सह-अभियुक्ता रही है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि दोनों मिलकर संगठित रूप से आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहे थे।

गिरफ्तारी टीम में वरिष्ठ उपनिरीक्षक अनीश कुमार सिंह, उपनिरीक्षक राहुल दूबे, कांस्टेबल सुनील यादव, कांस्टेबल इम्तियाज अंसारी, महिला कांस्टेबल बीनू सिंह तथा रिंकू यादव शामिल रहे। टीम की तत्परता और सटीक सूचना के आधार पर यह सफलता संभव हो सकी। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जिले में संगठित अपराध के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा।

गोलाबाजार में कांग्रेस की रणनीतिक बैठकः 2027 चुनाव की तैयारी पर मंथन, संगठन मजबूत करने पर जोर

गोलाबाजार, गोरखपुर। गोला ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक मंगलवार को कैंप कार्यालय पर आयोजित की गई, जिसमें वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में पांच राज्यों के हालिया विधानसभा चुनावों के परिणामों का विश्लेषण करते हुए आगामी विधानसभा चुनाव 2027 की रणनीति पर गहन विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान कार्यकर्ताओं ने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने पर विशेष जोर दिया। बूथ स्तर को सशक्त बनाने के साथ-साथ मंडल कमेटियों को सक्रिय और प्रभावी बनाने की रणनीति तैयार की गई। इसी क्रम में अशोक कुमार मिश्रा को मंडल अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई और उन्हें जल्द से जल्द अपनी कार्यकारिणी गठित कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। बैठक में नगर अध्यक्ष सतीश कुमार उमर, चंद्र मोहन पांडेय, मनोज मिश्रा, अशोक कुमार मिश्रा, राजेंद्र कनौजिया, राकेश कुमार यादव सहित कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

देवरिया क्लब में शिक्षामित्र सम्मान समारोह, बढ़े मानदेय का वितरण

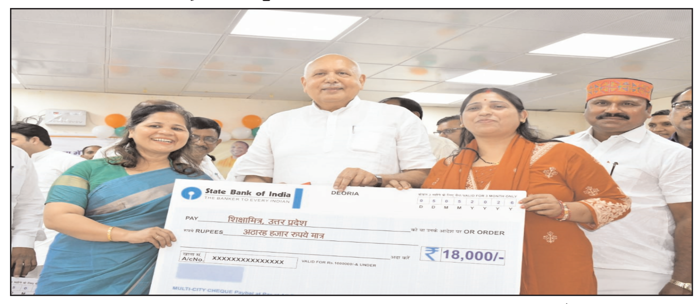

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरियाः देवरिया क्लब में मंगलवार को शिक्षामित्र सम्मान एवं बढ़े मानदेय वितरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन हुआ। इस दौरान शिक्षामित्रों को सम्मानित करते हुए प्रतीकात्मक चेक वितरित किए गए। कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संबोधन का लाइव प्रसारण भी किया गया, जिसे उपस्थित लोगों ने उत्साहपूर्वक सुना। मुख्य अतिथि कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि शिक्षामित्र ग्रामीण शिक्षा व्यवस्था की मजबूत नींव हैं। सीमित संसाधनों में भी उन्होंने शिक्षा की अलख जगाई है, जो सराहनीय है। सरकार उनके हितों के प्रति प्रतिबद्ध है और मानदेय वृद्धि उसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

सदर विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षामित्र बच्चों के भविष्य निर्माण में अहम भूमिका निभा रहे हैं। मानदेय वृद्धि उनके समर्पण और योगदान का सम्मान है। बरहज विधायक दीपक मिश्र ने कहा कि शिक्षामित्रों ने प्राथमिक शिक्षा को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों को विद्यालय से जोड़ने में उनकी भूमिका सराहनीय रही है।

रामपुर कारखाना विधायक सुरेंद्र चौरसिया ने कहा कि शिक्षामित्रों ने जमीनी स्तर पर उत्कृष्ट कार्य किया है और बुनियादी शिक्षा की मजबूत नींव रखने में उनका योगदान अहम है। नगर पालिका अध्यक्ष अलका सिंह ने बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने में शिक्षामित्रों की भूमिका को विशेष रूप से महत्वपूर्ण बताया। वहीं मुख्य विकास अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षामित्र शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता फैलाने में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल सिंह ने कहा कि शिक्षामित्रों ने विपरीत परिस्थितियों में भी शिक्षा व्यवस्था को निरंतर बनाए रखा, जो अनुकरणीय है। कार्यक्रम में छात्रों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गई, जिन्होंने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर शंकर सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

विधानसभा क्षेत्र गौरा के अंतर्गत छपिया मंदिर मार्ग से नेवादा सम्पर्क मार्ग का विधायक ने किया शिलान्यास

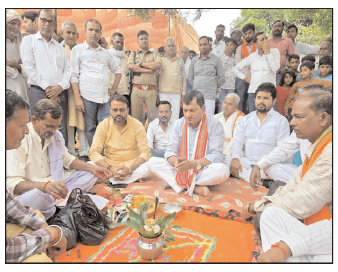

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मनकापुर गोण्डाः विधानसभा क्षेत्र गौरा के अंतर्गत छपिया मंदिर मार्ग से नेवादा संपर्क मार्ग की लागत लगभग 63 लाख है बहुप्रतीक्षित निर्माण कार्य का शिलान्यास प्रभात कुमार वर्मा जी द्वारा बतौर मुख्य अतिथि के रूप में विधि-विधान के साथ पूजन-अर्चन कर शुभारंभ किया गया।विधायक जी ने इस अवसर पर कहा कि यह सम्पर्क मार्ग का निर्माण लगभग 63 लाख की लागत से बनेगा।यह मार्ग क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा, जिससे स्थानीय नागरिकों को आवागमन में सुविधा के साथ-साथ क्षेत्रीय प्रगति को नई गति मिलेगी।इस गरिमामय अवसर पर जिला पंचायत सदस्य बृजेश प्रताप नारायण सिंह, अवर अभियंता दिनेश मल्ल, पूर्व प्रधान विद्याराम वर्मा, प्रधान दुर्गा शर्मा, प्रधान भूपेश मिश्रा, पूर्व प्रधान सालिक राम वर्मा, प्रधान जय राम वर्मा, प्रधान जक्शन तिवारी, पूर्व प्रधान बच्चा सिंह, अभिमन्यु पटेल, प्रधान सुनील वर्मा, मंडल महामंत्री राजन सिंह, प्रधान इरशाद अहमद, प्रधान विनोद वर्मा, परशुराम वर्मा, राकेश पाण्डेय, विनय वर्मा, शिव कुमार पटेल, चन्द्रभान सिंह, जयधर द्विवेदी, रामदीन वर्मा, विनोद कुमार, दयाशंकर पाण्डेय सहित अनेक सम्मानित प्रधानगण एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

शादी का झांसा देकर शोषण का आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

कोंच(जालौन)- कस्बे की एक युवती को शादी का झांसा देकर शोषण करने के आरोप में वांछित चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। कस्बे के तिलक नगर निवासी विशाल यादव के खिलाफ एक युवती ने कोतवाली कोंच में गंभीर आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई थी। युवती का आरोप था कि आरोपी ने उसे शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और बाद में शादी से इंकार कर दिया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए कोतवाली के अतिरिक्त निरीक्षक अरुण कुमार यादव ने मंगलवार को आरोपी विशाल यादव को सागर चौकी के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ धारा 69, 351(2) के तहत मामला दर्ज था और वह घटना के बाद से फरार चल रहा था। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

बंगाल चुनाव में प्रचंड बहुमत पर बोली ब्लॉक प्रमुख अंशु सिह

● विकास की राजनीति पर जनता की मोहर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी गोरखपुर खजनी तहसील क्षेत्र में स्थित ब्लाक खजनी के ब्लॉक प्रमुख अंशु सिंह ने बंगाल चुनाव में मिली प्रचंड जीत को लेकर अपनी प्रक्रिया देते हुए लोकतंत्र की मजबूती और विकास की राजनीति की जीत बताया उन्होंने कहा कि जनता अब केवल वादो से संतुष्ट नहीं बल्कि धरातल पर काम देखने के बाद ही अपना समर्थन देती है ब्लॉक प्रमुख ने कहा कि बंगाल की जनता ने अपने मत के जरिए यह स्पष्ट कर दिया है कि वह स्थिर और विकास उन्मुख सरकार चाहती है उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि भ्रम फैलाना और नकारात्मक राजनीति करने वालों को जनता ने पूरी तरह से खारिज कर दिया है उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि किसानों गरीबों और युवाओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुंच रहा है यही कारण है कि लोगों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है और चुनावी परिणाम में इसका असर साफ दिख रहा है ब्लॉक प्रमुख ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से आगे कहा कि बंगाल की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी माननीय केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री के साथ भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व पर पूर्ण विश्वास जताते हुए अभूतपुर जनादेश दिया है यह विजय केवल एक राजनीतिक सफलता नहीं बल्कि विकास सुशासन और राष्ट्र प्रथम

की भावना की जीत है असम और पांडिचेरी में भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी यह जनता के विश्वास का प्रमाण है अंत में कहा कि पश्चिम बंगाल की देवतुली जनता का हृदय से आभार एवं सभी कार्यकर्ताओं नेताओं को इस ऐतिहासिक विजय पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

शिक्षामित्रों का सम्मान, गोरखपुर में भव्य समारोह

● गोरखपुरः 10 हजार से 18 हजार हुआ मानदेय

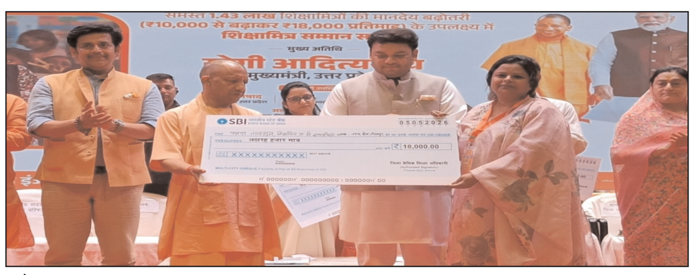

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। प्रदेश के लाखों शिक्षामित्रों के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित बड़ी राहत आखिरकार साकार हो गई। बेसिक शिक्षा विभाग के तहत कार्यरत करीब 1,43,000 शिक्षामित्रों का मानदेय 10,000 रुपये से बढ़ाकर 18,000 रुपये प्रतिमाह किए जाने के उपलक्ष्य में गोरखपुर स्थित बाबा गम्भीर नाथ प्रेक्षागृह में भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और शिक्षामित्रों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षामित्रों, शिक्षा विभाग के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। सभागार तालियों की गूंज और उत्साह से भर गया जब मुख्यमंत्री ने मंच से शिक्षामित्रों के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है और शिक्षामित्र इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उनका मानदेय बढ़ाना केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि उनके समर्पण और परिश्रम का सम्मान भी है।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार का उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के साथ-साथ शिक्षकों और शिक्षामित्रों का मनोबल बढ़ाना है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी शिक्षामित्रों के हितों को ध्यान में रखते हुए सकारात्मक निर्णय लिए जाते रहेंगे। इस घोषणा के बाद शिक्षामित्रों में खुशी की लहर दौड़ गई और उन्होंने सरकार के प्रति आभार जताया। सम्मान समारोह के दौरान चयनित शिक्षामित्रों को मंच पर बुलाकर अंगवस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कई शिक्षामित्रों ने इसे अपने जीवन का यादगार क्षण बताया और कहा कि वर्षों के संघर्ष के बाद यह निर्णय उनके लिए बड़ी राहत लेकर आया है।

कानून को खुली चुनौती, अमरमणि त्रिपाठी मामले की सुनवाई आज, कोर्ट में अपहरण-गैंगस्टर केस की सुनवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज । कानून को खुली चुनौती का मामला साफ तौर पर दिखाई दें रहा है। कोर्ट ने जिसे फरार घोषित किया। वह अमरमणि त्रिपाठी अब महराजगंज में दिखाई दे रहें है। कोर्ट से फरार घोषित होने के बाद भी महाराजगंज के नौतनवा और फरेंदा विधानसभा क्षेत्रो खुलेआम जनसभाएं किया जा रहा है, लेकिन पुलिस के हाथ बंधे हुए हैं। बताते चलें कि ईसी एक्ट कोर्ट में 6 मई को अमरमणि के खिलाफ अपहरण और गैंगस्टर केस में सुनवाई है। कोर्ट ने वादिनी और गवाह PW12 व PW13 को तलब किया है। मगर सबसे बड़ा सवाल यह है कि कानून को चुनौती दे रहे इस अपराधी को पुलिस गिरफ्तार क्यों नहीं कर रही।

धरना प्रदर्शन की कोशिश नाकाम

30 अप्रैल को अमरमणि त्रिपाठी के लड़के अमन मणि ने नौतनवा तहसील में धरना प्रदर्शन की घोषणा की थी। चर्चा थी कि इस धरने में कोर्ट द्वारा फरार घोषित अमरमणि भी शामिल होंगे। लेकिन प्रशासन ने कानून व्यवस्था का हवाला देकर अनुमति नहीं दी। सवाल उठता है कि जिस व्यक्ति को प्रशासन धरने में शामिल होने से रोक रहा है, उसे खुलेआम घूमने से क्यों नहीं रोक पा रहा।

पुलिस की शह पर घूम रहा अपराधी?

स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। जनता पूछ रही है कि जब अमरमणि त्रिपाठी नौतनवा-फरेंदा में दिनदहाड़े कार्यक्रम कर रहें है तो पुलिस सो क्यों रही है। आरोप लग रहे हैं कि राजनीतिक संरक्षण के चलते पुलिस उसे गिरफ्तार नहीं कर रही। फरार घोषित अपराधी का इस तरह कानून को चुनौती देना पूरे सिस्टम का मजाक है। सामाजिक संगठनों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द गिरफ्तारी नहीं हुई तो बड़ा आंदोलन होगा। लोगों का कहना है कि पुलिस चाहे तो 24 घंटे में गिरफ्तार कर सकती है, लेकिन इरादे की कमी साफ दिख रही है।

कोर्ट भी सख्त, पुलिस बेपरवाह

स्पेशल केस नंबर 2/2022 FTC-II बस्ती में चल रहा है। 4 अप्रैल को गवाह अरुण का बयान हुआ। 17 अप्रैल को अरुण के हाजिर न होने पर 6 मई की तारीख लगी। यह केस 21 सितंबर 2020 के आदेश से ईसी एक्ट कोर्ट से ट्रांसफर हुआ था। कोर्ट लगातार सम्मन जारी कर रही है, गवाही करा रही है। लेकिन पुलिस एक फरार घोषित अपराधी को नहीं पकड़ पा रही। आज की सुनवाई में कोर्ट पुलिस से जरूर पूछेगी कि कानून को चुनौती दे रहा कोर्ट द्वारा घोषित अमरमणि त्रिपाठी अब तक सलाखों के पीछे क्यों नहीं हैं। जनता भी जवाब मांग रही है।

3.5 किलो गांजा के साथ तीन युवक गिरफ्तार

देवरिया। जनपद में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 3 किलो 500 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया। पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर के निर्देशन में कोतवाली पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस टीम ने रेलवे माल गोदाम के पास संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर तीनों आरोपियों कार्तिक पाण्डेय उर्फ अथर्व पाण्डेय, नीरज यादव और सन्नी यादव को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उनके पास से अवैध गांजा बरामद हुआ। इस संबंध में कोतवाली में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्तों में कार्तिक पाण्डेय पर पूर्व में कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं, जबकि अन्य दोनों के खिलाफ भी पहले से मामले दर्ज हैं। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक शुभम पाठक, उपनिरीक्षक रविंद्र नाथ चौबे सहित कई पुलिसकर्मी शामिल रहे। क्षेत्राधिकारी नगर संजय रेड्डी ने बताया कि जनपद में नशा तस्करी के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

यक्ष एप के प्रभावी उपयोग से पुलिस को मिली बड़ी सफलता, विदेशी शराब के तस्करी में हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

● ठूठीबारी पुलिस व एसएसबी की संयुक्त टीम द्वारा इंडो-नेपाल बॉर्डर पर चेकिंग के दौरान 450 शीशी अवैध नेपाली शराब बरामद

दोअभियुक्त भी गिरफ्तार, यक्ष ऐप के प्रभावी उपयोग से मिली सफलता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज। पुलिस अधीक्षक शक्ति मोहन अवस्थी के निर्देशन में जनपद में भारत-नेपाल सीमा पर अवैध तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक महराजगंज के पर्यवेक्षण में, थाना ठूठीबारी पुलिस व एसएसबी द्वारा दिनांक 05.05.2026 को 450 शीशी अवैध नेपाली शराब के साथ 02 शातिर तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। मंगलवार को थानाध्यक्ष ठूठीबारी अमित सिंह के नेतृत्व में गठित टीम उ0नि0 रमेश पुरी मय हमराह व स्स्क्र 22वीं बटालियन ठूठीबारी के सहायक उपनिरीक्षक संजय घोष मय टीम के साथ इण्डो-नेपाल सीमा पर सायं सघन चेकिंग के दौरान दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ एवं सत्यापन के दौरान दूसरे अभियुक्त की पहचान यक्ष ऐप के माध्यम से की गई। यक्ष ऐप पर चेक करने पर ज्ञात हुआ कि उक्त अभियुक्त थाना का एचएस नंबर 15क्र (हिस्ट्रीशीटर) भी है, जिससे उसकी आपराधिक प्रवृत्ति की पुष्टि हुई। इस प्रकार अपराधियों की गिरफ्तारी में

पुलिस द्वारा यक्ष ऐप का प्रभावी उपयोग किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्त को पहचान

बिन्दु हरिजन पुत्र चन्नर, निवासी गणेशपुर, थाना भुजहवा, जिला नवलपरासी (नेपाल), उम्र 28 वर्ष, शिक्षा 05वीं पास और गोविन्द रौनियार पुत्र विश्वनाथ रौनियार, निवासी गड़ौरा बाजार, थाना ठूठीबारी, जनपद महराजगंज, उम्र 36 वर्ष, शिक्षा 10वीं पास **बरामदगी का विवरण-** 03 बोरा व 04 गत्ता में कुल 450 शीशी अवैध नेपाली शराब (किसमिस सौंफ ब्रांड)

01 अदद साइकिल (इस्तेमाल में) गिरफ्तारी एवं बरामदगी के आधार पर थाना ठूठीबारी पर मु0अ0सं0 61/2026 धारा 60/63 उ0प्र0 आबकारी अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

बरामदगी करने वाली पुलिस टीम- उ0नि0 रमेश पुरी, का0 मनोहर यादव, का0 वैभव यादव, सहायक उ0नि0 संजय घोष, SSB22वीं वाहिनी, आरक्षी चन्दन मिश्रा,आरक्षी राजेश प्रजापति, SSB 22वीं बटालियन मौजूद रहे।

भाजपा की जीत पर गौरा बरहज में जश्न, कार्यकर्ताओं ने मनाई खुशी

देवरिया। पश्चिम बंगाल, असम एवं पुडुचेरी में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत के उपलक्ष्य में नगर पालिका परिषद गौरा बरहज में हर्षोल्लास के साथ जश्न मनाया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने पटाखे फोड़े तथा एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी। कार्यकर्ताओं ने इस जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व, विकासोन्मुखी नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को दिया। वहीं गृह मंत्री अमित शाह की रणनीति और संगठनात्मक क्षमता को भी जीत में अहम बताया गया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सुशासन और कानून-व्यवस्था मॉडल की चर्चा को भी कार्यकर्ताओं ने जनता के विश्वास को मजबूत करने वाला कारक बताया। नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता जायसवाल, अध्यक्ष प्रतिनिधि श्याम जायसवाल, उपाध्यक्ष आशुतोष तिवारी, विजय सिंह सहित सभासद धर्मवीर सिंह, सतेंद्र यादव, शुभम निषाद, उमेश यादव, रामभवन सोनकर समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि यह जीत कार्यकर्ताओं के परिश्रम और जनता के अटूट विश्वास का परिणाम है, जो देश में विकास और सुशासन की दिशा को और मजबूत करेगी।

शक्तिनगर पुलिस को मिली सफलता, 01 गांजा तस्कर गिरफ्तार

● 01 किलो 200 ग्राम अवैध गांजा बरामद, तस्करों के हौसले पस्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शक्तिनगर/सोनभद्र- पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक सतेन्द्र राय, थाना शक्तिनगर के नेतृत्व में थाना शक्तिनगर पुलिस द्वारा उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की गई।दिनांक 04.05.2026 को प्रभारी चौकी बीना उ0नि0 अजय कुमार श्रीवास्तव मय पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर भैरवा रेलवे लाइन के पास घेराबंदी कर एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा गया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 01 किलो 200 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में अभियुक्त बीजेंद्र कुमार गुप्ता पुत्र लाला गुप्ता निवासी - बरवानी, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र द्वारा उक्त गांजा को बिक्री हेतु ले जाना स्वीकार किया गया। उक्त बरामदगी व गिरफ्तारी के संबंध में थाना शक्तिनगर पर मु0अ0सं0-86/2026 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

अभियुक्त का आपराधिक इतिहास- मु0अ0सं0-306/2001 धारा 498, 304क्र भा0द0वि0 व 3/4 डीपी एक्ट थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र।वांछित अभियुक्ता- क्रांति देवी पत्नी शिवशंकर निवासी - ग्राम जमसीला, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र। गिरफ्तार करने वाली टीम में उ0नि0 अजय कुमार श्रीवास्तव, प्रभारी चौकी बीना, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र, का0 सत्यम कुमार सरोज शामिल रहे। जनपद पुलिस ने स्पष्ट किया कि अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी है तथा ऐसे अपराधों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

राम नगर ब्लॉक के शलभ शर्मा बने अध्यक्ष अमरीश मिश्रा बने मंत्री

बरेली। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जनपद बरेली की जिला इकाई द्वारा मंगलवार को जिला अध्यक्ष जितेंद्र गंगवार की अध्यक्षता में रामनगर की ब्लॉक इकाई का गठन किया गया।बैठक में जिले के समस्त पदाधिकारी उपस्थित रहे।रामनगर के ब्लॉक प्रभारी,जिला मीडिया प्रभारी आदित्य शर्मा द्वारा रामनगर की टीम गठन की कार्यवाही की गई। नवनियुक्त ब्लॉक इकाई में ब्लॉक अध्यक्ष शलभ शर्मा,ब्लॉक मंत्री अंबरीष मिश्रा,ब्लॉक कोषाध्यक्ष सुरेशकुमार,उपाध्यक्ष शुभम,संगठन मंत्री मुनेंद्र , ताजीम अहमद ,राकेश रहे।ब्लॉक अध्यक्ष शलभ शर्मा द्वारा बताया गया कि शिक्षकों का शोषण किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और शिक्षकों को सम्मान दिलाया जाएगा। जिला मंत्री गिरजेश कुमार द्वारा सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण कराई गई एवं संगठन की रीति नीति के बारे में बताया गया। बैठक में जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष देवेंद्र गंगवार,जिला उपाध्यक्ष अरविंद गंगवार एवं गौरव गुप्ता,ब्लॉक अध्यक्ष अरविंद चौधरी ,ब्लॉक मंत्री अजय कुमार,शेरगढ़ के कोषाध्यक्ष पंकज कुमार,अंकित गुप्ता,अनुभव शर्मा,राहुल सिंह,अमित गंगवार आदि लोग रहे।

बाबा गौरी शंकर मंदिर के विकास के लिए 59.82 लाख स्वीकृत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक स्वतंत्र प्रभात www.swatantraprabhat.com जो लिखेगा, वही टिकेगा
ब्रेकिंग न्यूज़

बेहजम क्षेत्र स्थित पौराणिक बाबा गौरी शंकर मंदिर के विकास और सौंदर्यीकरण के लिए 59.82 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इस परियोजना के तहत होने वाले निर्माण कार्यों की पैमाइश के लिए मंगलवार को पर्यटन विभाग की टीम मंदिर परिसर पहुंची। कस्ता विधायक सौरभ सिंह सोनू के प्रयासों से शासन द्वारा यह राशि स्वीकृत की गई है। इस धनराशि से मंदिर परिसर में कई महत्वपूर्ण विकास कार्य कराए जाएंगे।पर्यटन विभाग के जूनियर इंजीनियर सौरभ शुक्ला ने मंगलवार को मंदिर परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न निर्माण स्थलों की पैमाइश कर यह तय किया कि कौन-कौन से विकास कार्य किस स्थान पर कराए जाएंगे।जूनियर इंजीनियर सौरभ शुक्ला के अनुसार, परियोजना में मंदिर परिसर में एक हॉल का निर्माण, इंटरलॉकिंग मार्ग, पेयजल पोस्ट, सोलर लाइटें और चबूतरे का नवीनीकरण शामिल है। इन कार्यों से मंदिर परिसर अधिक आकर्षक और सुविधायुक्त बनेगा।इस पूरी परियोजना को लगभग छह माह में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। सोलर लाइटों से मंदिर परिसर रात में भी रोशन रहेगा, जिससे श्रद्धालुओं को विशेष सुविधा मिलेगी।इस अवसर पर कस्बे के आदर्श मिश्रा और संजय दीक्षित ने विधायक सौरभ सिंह सोनू के प्रयासों की सराहना की। स्थानीय लोगों का मानना है कि मंदिर के विकास से क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा मिलेगी।

ज्येष्ठ माह के पहले बडे मंगल के अवसर पर विधायक अमन गिरि ने कराया विशाल भंडारा

गोला गोकर्णनाथ खीरी- जेस्ठ माह के पहले बडे मंगलवार के अवसर पर भाजपा विधायक अमन गिरि ने त्रिलोक गिरि मंदिर पर सुन्दर कांड के पाठ के पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया। इस अवसर पर गोला नगर के सहित पूरी गोला विधानसभा क्षेत्र के लोगो ने त्रिलोक गिरि मन्दिर पर पहुच कर भंडारे के प्रसाद को गृहण किया, इसके साथ ही उनके प्रतिनिधि ने बताया इस बार दो जेस्ठ के अवसर पर गोला नगर व आसपास के क्षेत्रो मे भी मंगलवार के दिन सुन्दर कान्ड के पाठ के पश्चात भंडारे का आयोजन किया जायेगा, गोला व नगर विधान सभा क्षेत्र की जनता से आग्रह कर सभी भंडारो मे पहुचने का आवाह्न किया गया है,इस अवसर पर विधायक के ताऊ जनार्दन गिरि,चाचा सपल्लू गिरि,अजय गिरि,मोन्टी भैया, कन्हैया गिरि, भोली गिरि,राजेश गिरि समस्त गिरि परिवार के अलावा गोला नगर के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री आवास के नाम पर भ्रष्टाचार का खेल

● ग्राम पंचायत भरिगवा मे , ग्राम प्रधान पर 10 हजार डकारने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

संसारपुर खीरी। प्रदेश सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति को ठेंगा दिखाते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रष्टाचार की जड़ें गहरी होती जा रही हैं। ताजा मामला लखीमपुर खीरी जिले के विकासखंड बांकेगंज से सामने आया है, जहाँ एक गरीब ग्रामीण ने ग्राम प्रधान पर प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने के नाम पर अवैध वसूली का गंभीर आरोप लगाया है। मामला ग्राम पंचायत पकरिया (मजरा भरिगवा) का है। यहाँ के निवासी सर्वेश कुमार पुत्र रामसागर ने तहसील स्तर पर आयोजित 'संपूर्ण समाधान दिवस' में एक शपथ पत्र प्रस्तुत कर प्रशासन को अपनी आपबीती सुनाई। सर्वेश के अनुसार, वह एक अत्यंत निर्धन परिवार से ताल्लुक रखता है और कच्चे जर्जर मकान में रहने को मजबूर है। सरकारी मानकों के अनुसार वह प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का पात्र लाभार्थी है।

अगस्त 2023 से न्याय की बाट जोह रहा पीड़ित

शपथ पत्र में लगाए गए आरोपों के मुताबिक, ग्राम प्रधान डालचंद (पुत्र बिहारी लाल) ने सर्वेश को आवास दिलाने का भरोसा दिया था। आरोप है कि इस काम के बदले प्रधान ने 5 अगस्त 2023 को पीड़ित से 10,000 की नकद धनराशि ली थी। पीड़ित का कहना है कि उसने यह रकम बड़ी मुश्किल से जोड़कर प्रधान को दी थी ताकि उसे और उसके परिवार को एक पक्का मकान मिल सके।

न ही आवास मिला, न ही पैसे लौटे

घटना के डेढ़ साल से अधिक समय बीत जाने के बाद भी सर्वेश को न तो आवास आवंटित हुआ और न ही प्रधान ने उसके पैसे वापस किए। पीड़ित का आरोप है कि जब भी वह अपनी रकम वापस मांगता है या आवास के बारे में पूछता है, तो प्रधान उसे टालमटोल कर भगा देते हैं। तंग आकर पीड़ित ने अब प्रशासन की शरण ली है और शपथ पत्र के माध्यम से न्याय की गुहार लगाई है।

प्रशासनिक रुख और अनसुना पक्ष

समाधान दिवस में मौजूद अधिकारियों ने मामले की गंभीरता को समझते हुए जांच के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं, तो संबंधित ग्राम प्रधान के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

ड्ड? 'इस पूरे प्रकरण पर जब आरोपी ग्राम प्रधान डालचंद का पक्ष जानने की कोशिश की गई, तो उनसे संपर्क नहीं हो सका। खबर लिखे जाने तक उनकी ओर से कोई स्पष्टीकरण या बयान सामने नहीं आया है।

गरीबों के हक पर कब तक पड़ेगा डाका

यह मामला सिर्फ 10,000 की ठगी का नहीं है, बल्कि सरकारी तंत्र में बैठे उन रसूखदारों की मानसिकता का है जो गरीबों के सिर से छत छीनने में भी परहेज नहीं करते। स्थानीय ग्रामीणों में इस घटना को लेकर काफी आक्रोश है और वे पारदर्शी जांच की मांग कर रहे हैं।

नवाबगंज में मृदा परीक्षण अभियान के अंतर्गत 'सचल मृदा परीक्षण वैन'किया गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/नवाबगंज ब्लॉक में आज मृदा परीक्षण अभियानके अंतर्गत सचल मृदा परीक्षण किया गया इसके दौरान 60 कृषकों को इसका लाभ हुआ। इस अत्याधुनिक लैब के जरिए किसानों के खेतों की मिट्टी की निःशुल्क जाँच सीधे परीक्षण वैन में की गई जिससे किसानों को निम्न लाभ मिलेंगे।

मौके पर जाँच: कर किसानों को अब दूर लैब जाने की जरूरत नहीं, मिट्टी का परीक्षण आज किसानों के द्वार पर हुआ।

मिट्टी की सेहत का हाल: मिट्टी में मौजूद पोषक तत्वों (नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश आदि) की सटीक जानकारी किसानों को मिली।

उर्वरकों की बचत: जाँच रिपोर्ट के आधार पर किसानों को बताया गया कि उतनी ही खाद डालें जितनी जरूरत है। इससे खेती की लागत कम होगी और पैदावार बढ़ेगी।मिट्टी स्वस्थ रहेगी, तभी किसान समृद्ध होगा ! कार्यक्रम में 60 मिट्टी के नमूनों की जांच की गई। कार्यक्रम के अंत में इफको बरेली से आय MDE सचिन कुमार द्वारा किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण किया गया।

12 हजार की रिश्वत लेते डीएफओ नार्थ खीरी का बाबू गिरफ्तार

● एंटी करप्शन टीम ने दबोचा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी- भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई सामने आई है। डीएफओ नार्थ खीरी कार्यालय में तैनात बाबू विक्रांत नेगी को 12 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है। कार्रवाई लखनऊ एंटी करप्शन टीम द्वारा की गई। जानकारी के अनुसार, आरोपी बाबू विक्रांत नेगी निवासी फॉरेस्ट कॉलोनी डीसी रोड लखीमपुर ने वनकर्मी इंदल सिंह से तबादला कराने के नाम पर 12 हजार रुपये की मांग की थी। बताया जा रहा है कि इंदल सिंह अपना तबादला दुधवा नेशनल पार्क से महेशपुर पोस्टिंग पर कराना चाहता था, जिसके लिए उसने डीएफओ नार्थ कार्यालय में आवेदन भी किया था। एंटी करप्शन टीम ने शिकायत मिलने के बाद जाल बिछाया और बिलोवी हाल के पास रिश्वत लेते समय आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। घटना के बाद वन विभाग में हड़कंप मच गया है। वहीं मामले में डीएफओ नार्थ कीर्ति चौधरी का कहना है कि ट्रांसफर संबंधी एप्लीकेशन उनके सामने नहीं आई थी। फिलहाल एंटी करप्शन टीम आरोपी से पूछताछ कर आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

तमिलनाडु में 'Thalapathy' का राज! विजय 7 मई को लेंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ

तमिलनाडु में एक बड़ा राजनीतिक बदलाव होने वाला है। तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके) के नेता विजय 7 मई को राज्य के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करेंगे। सूत्रों ने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में होने की संभावना है। विजय का राजनीतिक पदार्पण बेहद शानदार रहा है, क्योंकि टीवीके तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी और 234 सदस्यीय विधानसभा में से 108 सीटें जीतीं।

राजकीय कृषि बीज भंडार झाड़ियो में हुआ तब्दील नहीं हो रही सफाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/ विकासखंड भदपुरा मैं स्थित राजकीय कृषि बीज भंडार एवं कृषि रक्षा इकाई केंद्र के पास में ही बड़ी-बड़ी घास की झाड़ियां खड़ी है जिसमें मच्छर एवं जहरीले सर्प होने की संभावना से इनकार नहीं किया जाता ज्ञात रहे यहां पर किसानों का सर्वाधिक तौर पर आना-जाना रहता है इसलिए यहां पर साफ सफाई होना अति आवश्यक था। परंतु इस विभाग को विकासखंड कार्यालय से अलग छोड़ दिया गया है जिसके कारण यहां पर बड़ी-बड़ी झाड़ियां खड़ी हो गई है जिन्हें देखकर राजकीय कृषि बीज भंडार एवं कृषि रक्षा इकाई केदो पर जाने वाले कृषकों को झाड़ियां देखकर पसीने छूट जाते हैं। परंतु यहां पर सबसे आश्चर्य जनक बात यह है की किस तो अपनी समस्या के बाद वहां से चला जाता है परंतु इस पर कार्यरत कर्मचारी इसी भयानक झाड़ियां के मध्य बैठकर अपना कार्य करते हैं यदि इसकी सफाई ना करवाई गई तो किसी भी दिन बड़ी घटना घटित हो सकती है जबकि ब्लॉक कार्यालय पर प्रत्येक दिन सफाई कार्य होता है फर्क इतना है।

इधर अधिकारी गण रहते हैं इधर केवल कर्मचारी बैठते हैं इसलिए इधर कोई भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है जिसके चलते कृषकों से लेकर कार्यरत कर्मचारियों में है बना हुआ है किसी भी दिन कोई बड़ी घटना घटित ना हो जाए परंतु कर्मचारी कुछ कर भी तो नहीं सकते इसके तहत इस संकट के बीच में अपनी नौकरी चल रहे हैं किसानों ने इसे साफ करवाने की मांग की गई है ताकि यहां पर आने जाने वाले किसानों को किसी भी तरह के संकट का सामना करना ना पड़े।

इस बाबत सहायक विकास अधिकारी पंचायत अमित कुमार ने बताया इसकी सफाई करवा दी जाएगी अभी तक यह मामला संज्ञान में नहीं था।

वन रेंज मैलानी के अंतर्गत बीट जटपुरा और सलेमपुर बीट में भारी भ्रस्टाचार

● जटपुरा बीट के कंपार्टमेंट 08,व09 तथा सलेमपुर बीट के कंपार्टमेंट 10 11 की कुम्बिंग कराए जाने की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी- भले ही प्रदेश की योगी सरकार भ्रस्टाचार मुक्त उत्तर प्रदेश बनाने के बड़े-बड़े दावे और वादे कर रहीं हो और इसके लिए जीरो टोलरेंस की नीति लागू की हो पर जनपद खीरी में जीरो टॉलरेंस नीति का कोई असर पड़ता दिखाई नहीं पड़ रहा है।ताजा मामला दक्षिणी खीरी वन प्रभाग के अंतर्गत वन रेंज मैलानी की बीट जटपुरा और सलेमपुर का है जहां पर जमकर नियम कानून को धता बताकर जंगल की बेशकीमती लकड़ी का कटान कर जंगल का दोहन किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। सूत्र बताते हैं कि इस खेल में वन दरोगा और फॉरेस्ट गार्ड सहित वाचरो की भूमिका सवालों के घेरे में हैं।मिली जानकारी के अनुसार जटपुरा बीट के कंपार्टमेंट नंबर 8 और 9 तथा सलेमपुर बीट के अंतर्गत कंपार्टमेंट नंबर 10 और 11 में जमकर सागौन, तथा अन्य बेशकीमती लकड़ी का कटान कर बाहर ले जाने के आरोप क्षेत्र के लोगों द्वारा लगाए जा रहे हैं।ग्रामीणों का आरोप है कि प्रतिदिन 20 से 30 साइकिल निकालती है जो जंगल से लकड़ी ले जाकर बिक्री करते हैं लोगों की जुबानी सत्य माने तो एक साइकिल पर 4 से 05 कुंतल लकड़ी या यू कहे कि 04 से 05 बाजू की लकड़ी काट कर ले जाते हैं।कमोबेश यही हाल सलेमपुर बीट के कंपार्टमेंट 10 और 11 का हाल है। यह सारा खेल वन दरोगा और फॉरेस्ट गार्ड की मौन स्वीकृत और अप्रत्यक्ष संरक्षण में होने की बात सामने आई है।नाम न छापने की शर्त पर कई प्राइवेट वाचरो ने बताया कि जब वन दरोगा और फॉरेस्ट गार्ड अपना हिस्सा लेकर काम करवा रहे हैं तो मैं क्या कर सकता हूं मैं प्राइवेट आदमी कुछ भी कहूँगा तो रोजी-रोटी भी चली जाएगी। सूत्रों द्वारा बताए गए अनुसार प्रति साइकिल 500 रुपये वन दरोगा और फॉरेस्ट गार्ड द्वारा वसूला जाता है इसका एक भाग साहब को भेज दिया जाता है शेष का आपस में बंदर बाट कर लिया जाता है।प्रतिदिन सैकड़ों कुंतल लकड़ी जंगल से बाहर निकलती देखी जा सकती है। बताया तो यहां तक जाता है कि रात के अंधेरे में पिकप से भी भारी मात्रा में लकड़ी की चोरी का खेल किया जाता है। मिलीभगत के चलते कोई कार्रवाई न होने के चलते जंगल से लकड़ी चोरी का काला कारोबार बेखौफ फल फूल रहा है।आरोप है यदि जटपुरा के कंपार्टमेंट नंबर 8 और 9 तथा सलेमपुर बीट के अंतर्गत कंपार्टमेंट नंबर 10 और 11 की कर ली जाए कुम्बिंग तो जंगल में हो रहीं लकड़ी चोरी का बड़ा मामला खुलकर आएगा सामने और वन दरोगा, फॉरेस्ट गार्ड सहित जिम्मेदार अधिकारी/रेंज के अफसर की भी तय होगी जवाब देही और आएगी जांच की आंच।साथ ही जंगल में वन्य जीवों के पानी की व्यवस्था के लिए बनाए गए वाटर होल के नाम पर की जा रही धांधली का भी हो जाएगा पर्दाफाश।खबर सूत्रों पर आधारित है मैं इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं करता हूं।मामला जांच का विषय बना हुआ है। हर एक व्यक्ति की जुबान पर एक ही सबाल घर कर रहा है कि इतने व्यापक स्तर पर हो रहे इस काले कारोबार की भनक तक नहीं लगी ।संदेह पैदा करता है अब देखना है कि उपरोक्त मामले की निष्पक्ष जांच डी एफ. ओ खीरी द्वारा करवाई जाती हैं या फिर मामले को दफतर की फाइल में दफन कर दिया जाएगा ! क्या कहते है रेंजर मैलानी साजिद ने बताया कि सभी वाटर होल पर बोरिंग है लकड़ी कट बोले आज मामला सामने आया है जाच करवाई जायेगी !

डिजिटल जनगणना 2027: मितौली तहसील में प्रगणकों और सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मितौली खीरी। जनपद की तहसील मितौली में आगामी भारत की जनगणना 2027 की तैयारियाँ अब अंतिम चरण में हैं। जिला जनगणना अधिकारी नरेंद्र बहादुर सिंह के निर्देशानुसार और उप जिला जनगणना अधिकारी/एसडीएम मधुसूदन गुप्ता के कुशल नेतृत्व में सोमवार को प्रगणकों और सुपरवाइजरों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। तीन विकास खंडों के 1018 कर्मियों ने लिया हिस्सा चार्ज अधिकारी/तहसीलदार दिनेश कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रशिक्षण में तहसील के तीन विकास खंडों के कर्मियों ने प्रतिभाग किया।

पूरी तरह डिजिटल होगी जनगणना: HLO ऐप का होगा प्रयोग

तहसील नोडल फील्ड ट्रेनर सलीम अहमद ने बताया कि 23 अप्रैल से शुरू हुए इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य कर्मियों को 'डिजिटल जनगणना' के लिए तैयार करना है। इस बार कागजी कार्रवाई के बजाय HLO (House Listing Operations) ऐप के माध्यम से घर-घर जाकर डेटा संकलित किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान कर्मियों को ऐप सेटअप, सुरक्षा, डेटा का सुरक्षित संग्रह, भवन क्रमांकन, चिन्हांकन और दस्तावेज सत्यापन जैसे तकनीकी विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई।

दो चरणों में होगा कार्य, 07 मई से शुरू होगी 'स्व-गणना'

उप जिला अधिकारी मधुसूदन गुप्ता ने कर्मियों को निर्देशित करते हुए कहा कि, 'प्रत्येक प्रगणक क्षेत्रवासियों के घर तक पहुँचकर सटीक डेटा एकत्र करें, क्योंकि यह राष्ट्र निर्माण की नीति निर्धारण में सहायक होगा।' तहसीलदार दिनेश कुमार ने भी फील्ड में पूरी गंभीरता के साथ क्रियान्वयन करने पर जोर दिया। 07 मई से 21 मई 2026: नागरिक स्वयं भी अपना विवरण दर्ज कर सकेंगे (स्व-गणना कार्यक्रम)। 22 मई से 20 जून 2026: जनगणना का प्रथम चरण (मकानों की सूची बनाना व गणना) आयोजित होगा। इस सफल प्रशिक्षण के साथ ही तहसील मितौली में जनगणना 2027 के प्रथम चरण की जमीनी कार्रवाई का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

बड़े मंगल पर कछियानी खेड़ा हनुमान मंदिर में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, भंडारे में बांटा गया प्रसाद

तिलहर (शाहजहांपुर)। जेठ के प्रथम बड़े मंगल को मंदिरों में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा इस दौरान श्रद्धालुओं ने बालाजी महाराज की पूजा अर्चना कर परिवार की सुख शांति की कामना की। तिलहर शाहजहांपुर मार्ग पर हाईवे किनारे स्थित कछियानी खेड़ा हनुमान मंदिर में बड़े मंगल के अवसर पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पूरे दिन जयकारों से माहौल भक्तिमय बना रहा। दूर-दूर से पहुंचे श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर हनुमान जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर परिसर को विशेष रूप से सजाया गया था और सुरक्षा व व्यवस्था के भी पुख्ता इंतजाम किए गए थे। समाजसेवी श्याम गर्ग, सुरेंद्र गुप्ता, सुधीर गर्ग, विनीत रस्तोगी और शिखर अग्रवाल, अर्पित गर्ग सहित अन्य सहयोगियों ने श्रद्धालुओं को हलवा वितरित किया। इसके साथी तमाम लोगों ने सब्जी पूरी तथा शरबत के स्टाल लगाकर भंडारा आयोजित किया भंडारे में बच्चों, महिलाओं तथा बुजुर्गों ने प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर के महंत राम लखन गिरी ने बताया कि बड़े मंगल के दिन हनुमान जी के दर्शन का विशेष महत्व होता है, इसलिए हर वर्ष यहां बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं।

वन रेंज भीरा में भारी भ्रष्टाचार के आरोप

● भीरा रेंज की छेराशि बीट में धड़ल्ले से जारी मछली की शिकार, पाबंदी के बावजूद नदी का ठेका देकर लाखों का बंदरबांट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी- सुबह के मुखिया और जनपद खीरी में दक्षिणी खीरी बन प्रभाग की तेज तर्रार डीएफओ की लाख सख्ती के बाद भी भीरा रेंज में भ्रष्टाचार ने गहरी जड़े जमा रखी हैं। जो कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। मिली जानकारी के अनुसार सरकार के सख्त आदेशों और जीरो टरलेंस नीति लागू होने के बाद भी भीरा रेंज में भ्रष्टाचार रुकने का नाम ही नहीं ले रहा है। ताजा मामला भीरा रेंज के अंतर्गत छेराशि बीट का बताया जाता है जहां पर वन दरोगा और फॉरेस्ट गार्ड लतीफ खान द्वारा बंगाली ठेकेदार से मिली भगत करके मछली की शिकार करने का ठेका एक लाख रुपए में दे दिए जाने का मामला जन चर्चा का विषय बना है ।सूत्र बताते हैं कि लतीफ के आगे शासन प्रशासन के आदेश कोई मायने ही नहीं रखते हैं इतना ही नहीं क्षेराशि बीट के जंगल से जमकर कटान कर लकड़ी की तस्करी किए जाने का मामला प्रकाश में आया है ।सूत्रों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार 20 से 30 साइकिल रोजाना 5 से 6 कुंतल लकड़ी लाद कर ले जाती हैं नाम न छापने की शर्त पर विभागीय निचले स्तर के संविदा कर्मियों ने बताया जब वन दरोगा और फॉरेस्ट गार्ड 500 प्रति साइकिल वसूल कर छूट दिए हैं तो मैं कैसे रोक सकता हूं मैं कुछ कहूंगा तो मेरी तो रोटी भी बंद हो जाएगी ।एक वाचर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार छईराशि बीट के साथ-साथ पड़रिया, चक, और पलहनापुर में लकड़ी का जमकर कटान किया जाता है और रात के अंधेरे में पिकअप से माल पार कर दिया जाता है। काफी समय से भीरा रेंज में जमे फॉरेस्ट गार्ड लतीफ खान की पड़रिया और आसपास के फर्नीचर मालिकों से अच्छी सांठगांठ है और रात के अंधेरे में पिकअप से सागौन की कीमती लकड़ी को पार कर कर अपनी अपनी तिजोरी भरी जा रही है ।इस खेल में वन दरोगा और फॉरेस्ट गार्ड दोनों की मिली भगत सामने आई है। सूत्रों ने तो यहां तक बताया कि ऐसा नहीं है कि इस खेल की जानकारी भीरा रेंजर को नहीं है तय शुदा मिलते हिस्सा के चलते साहब जानकर भी अंजान बने हुए हैं ।बताया जाता है जो माल साइकिलों से जाता है वह तो जाता ही है साथ ही रात के अंधेरे में पिकअप से बेस कीमती लकड़ी का परिवहन किया जाता है ।यदि पड़रिया, छेराशि पलहनापुर चक आदि बीट की कुम्भीग करा ली जाए तो भारी भ्रष्टाचार सामने आएगा।हर बीट में सैकड़ो हजारों जड़े गवाही देंगी कि किस कदर जंगल को उजाडा जा रहा है। और कहां-कहां पर वाटर होल बने हैं किन-किन वाटर होलों पर बोरिंग है इसके साथ ही छेराशि बीट में कराई जा रही मछली की शिकार का भी खुलासा सामने आ जाएगा। लोगों का कहना है कि यदि कुंभींग हुई तो कई लोगों पर कार्रवाई की गाज गिरना तय है ।यहां पर सवाल यह पैदा होता है किसके आदेश से करवाई जा रही क्षेराशि बीट के अंतर्गत उल्ल नदी से शिकार किस सक्षम अधिकारी ने दिया नदी में शिकार करने का ठेका क्या शिकार करने वाले बंगाली ठेकेदार पर होगी कार्रवाई फिलहाल मामले की जन सूचना अधिकार से सूचना चाही गई है और मामले में संपूर्ण प्रकरण की लिखित शिकायत डी. एफ. ओ.दक्षिणी खीरी से कर भीरा रेंज की उपरोक्त बीट की कुबिंग कराए जाने की मांग किए जाने की बात सामने आई है।

तबादला नीति की आड़ में वनकर्मियों का 'खेल'

● एक ही जगह जम कर भ्रष्टाचार की जड़ें हुईं गहरी

दशकों से अंगद की तरह पैर जमाए बैठे हैं कर्मचारी; 2013 की नीति का लाभ उठाकर 'जुगाड़' तंत्र हुआ सक्रिय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला गोकर्णनाथ खीरी। उत्तर प्रदेश सरकार की तबादला नीति को धता बताते हुए वन विभाग, वन निगम और दुधवा नेशनल टाइगर रिजर्व के कर्मचारी एक बार फिर व्यवस्था का मजाक उड़ाने की तैयारी में हैं। ताजा मामला वर्ष 2013 की तबादला नीति को आधार बनाकर स्थानांतरण से बचने का है, जिसके लिए रसूखदार वनकर्मियों ने बड़े पैमाने पर 'जुगाड़' लगाना शुरू कर दिया है। यदि इस बार भी पारदर्शिता नहीं बरती गई, तो मामला हाईकोर्ट तक जाना तय माना जा रहा है।

पदोन्नति मिली पर नहीं बदला इलाका

हैरानी की बात यह है कि दक्षिण खीरी वन प्रभाग की शारदानगर, मोहम्मदी, मैगलगंज और गोला जैसी रेंजों में कई वनरक्षक ऐसे हैं जो वहीं तैनात रहकर वन दरोगा और फिर डिप्टी रेंजर बन गए। सेवा की शुरुआत से लेकर अब तक एक ही सेक्शन और जिले में जमे रहने के कारण इन कर्मचारियों के हौसले बुलंद हैं। बिना किसी डर के ये कर्मचारी न केवल मनमानी कर रहे हैं, बल्कि भ्रष्टाचार को भी खुला बढ़ावा दे रहे हैं।

काली कमाई और आय से अधिक संपत्ति का अंबार

सूत्रों की मानें तो इन वनकर्मियों ने लंबे समय तक एक ही स्थान पर टिके रहने के कारण अकूत काली संपत्ति अर्जित की है। अवैध वसूली और 'हिस्सा-बंटवारा' के चलते उच्चाधिकारियों का संरक्षण इन्हें प्राप्त है, जिसके कारण आज तक इनकी आय से अधिक संपत्ति की जांच नहीं की गई। वन निगम में तो स्थिति और भी भयावह है, जहां रसूख के दम पर नियम-कानूनों को ताक पर रख दिया गया है।

भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप: बिना लाइसेंस आरा मशीनें और रसायनों का खेल

खबर यह भी है कि कई वन प्रभागों में 'महाभ्रष्ट' अधिकारियों की साठगांठ से बिना लाइसेंस के आरा मशीनें धड़ल्ले से चल रही हैं। प्लाईवुड इकाइयों की आड़ में प्रतिबंधित रसायनों का इस्तेमाल धड़ल्ले से किया जा रहा है। मंडी वसूली और सेक्शन लेवल पर होने वाली अवैध उगाही ने विभाग की छवि को धूमिल कर दिया है। दुधवा नेशनल टाइगर पार्क और उत्तरी खीरी की सभी रेंजों में तैनात कर्मियों के सेवाकाल की सघन जांच हो। वर्षों से एक ही स्थान पर जमे कर्मचारियों का तत्काल प्रभाव से अंतर-जनपदीय स्थानांतरण किया जाए। काली कमाई से बनाई गई संपत्तियों की विजिलेंस जांच कराई जाए। विभागीय गलियारों में चर्चा है कि यदि शासन स्तर से इस 'सिंडिकेट' को नहीं तोड़ा गया, तो वन संपदा की लूट का यह सिलसिला कभी नहीं थमेगा। अब देखना यह है कि योगी सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति इन रसूखदार वनकर्मियों पर कितनी प्रभावी साबित होती है।

भारतीय जनता पार्टी की महत्वपूर्ण जीत पर बधाई दी

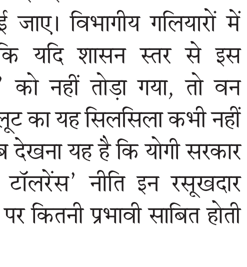

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महत्वपूर्ण जीत पर उसे बधाई दी। X पर एक पोस्ट में, मुख्यमंत्री योगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और जन कल्याणकारी नीतियों में निरंतर विश्वास के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्कृष्ट नेतृत्व और जन कल्याणकारी नीतियों में देशवासियों का अटूट विश्वास आज विधानसभा चुनावों के ऐतिहासिक परिणामों में एक बार फिर प्रतिबिंबित हुआ है। पश्चिम बंगाल में पहली बार, असम में लगातार तीसरी बार और पुडुचेरी में दूसरी बार भाजपा-एनडीए गठबंधन सरकार का गठन इसी असीम विश्वास का फल है।

संक्षिप्त खबरें

हाईवा के चार टायर चोरी

मिर्जापुर। अहरौरा थाना क्षेत्र में सक्रिय चोरों का हौसला दिन पर दिन बढ़ता जा रहा है। चोरों के द्वारा कभी स्कूल तो कभी बंद पड़े घर, मोटरसाइकिल, गाड़ियों का बैटरी सोलर प्लेट के चोरी का आए दिन खबर मिलता रहता है। लेकिन सोमवार के सुबह ट्रक ड्राइवर का होश उस समय पख्ता हो गया, जब उसके खड़े ट्रक के नीचे से चार टायर गायब हो गया। रविवार की रात्रि ट्रक ड्राइवर पहलवां ढाबा चितविश्राम पर अपनी गाड़ी खड़ा करके खाना खाकर सो गया सुबह होते ही जब वह हवा चेक करने गया तो उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। ट्रक के एक साइड के चार टायर चोरों द्वारा बोल्डर लगाकर खोल लिए गए थे। ड्राइवर के द्वारा गाड़ी मालिक को सूचित करते हुए अहरौरा थाने में तहरीर दीं गई। क्षेत्र के हौसला बुलंद चोर पुलिस प्रशासन के नाक की हड्डी बनी हुई है।

बैंक ऐप इंस्टॉल के नाम पर साइबर ठगी, पूर्व पुलिस उपाधीक्षक से 1.74 लाख रुपये उड़े

गोपीगंज। थाना क्षेत्र में साइबर ठगी का एक गंभीर मामला सामने आया है। ग्राम पुरवा निवासी पूर्व पुलिस उपाधीक्षक ब्रह्मदेव सिंह (बीडी सिंह) से अज्ञात साइबर ठगों ने 1,74,950 रुपये की ठगी कर ली। इस संबंध में पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 27 अप्रैल 2026 को पीड़ित के मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को बैंक ऑफ बड़ौदा मुख्यालय, मुंबई का अधिकारी बताते हुए बैंक का मोबाइल ऐप इंस्टॉल कराने की बात कही। विश्वास में लेकर उसने वीडियो कॉल के माध्यम से एक एपीके फाइल डाउनलोड करवाई, जिससे मोबाइल हैंग हो गया। इसके बाद 28, 29 और 30 अप्रैल के बीच ठगों ने पीड़ित के बैंक ऑफ बड़ौदा और एसबीआई खातों से फोनपे ऐप के जरिए कुल 9 ट्रांजेक्शन कर 1,74,950 रुपये निकाल लिए। जब पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ तो उन्होंने 30 अप्रैल को साइबर थाना ज्ञानपुर में शिकायत दर्ज कराई, जहां तत्काल कार्रवाई की गई। हालांकि तब तक अधिकांश राशि एटीएम के माध्यम से निकाली जा चुकी थी। जांच में सामने आया है कि ठगी की रकम विभिन्न खातों में ट्रांसफर की गई, जिनमें कुछ नाम इंदूरामा जंगाले, किकरनाथ और अन्य के बताए जा रहे हैं। मुख्य आरोपी अविनाश नाम से खुद को प्रस्तुत कर रहा था, जिसे इस गैंग का सरगना माना जा रहा है। साइबर थाना द्वारा मामला गोपीगंज थाना को स्थानांतरित कर दिया गया है, जहां पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस मोबाइल नंबर के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुटी है।

जिलाधिकारी ने बाल संरक्षण गृह का किया आकस्मिक निरीक्षण

मीरजापुर। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने आज मोर्चाघर स्थित जिला बाल संरक्षण गृह पहुंचकर आकस्मिक निरीक्षण किया। जिलाधिकारी द्वारा कक्षवार यथा-कार्यालय, स्टोर, खेल/म्यूजिक कक्ष, भोजनालय, शौचालय आदि भ्रमण कर विधिवत निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा पर्यवेक्षण गृह मे आवासित विधि विवादित किशोरो से बात चीत कर उन्हे दी जा रही स्वास्थ्य शिक्षा, दैनिक आहार, व्यवहारिक प्रशिक्षण, खेल कूद आदि मिल रही सुविधाओ के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि आवासित किशोरो को भोजन तालिका/मीनू के अनुसार भोजन समय से उपलब्ध कराया जाए तथा इनका नियमित स्वास्थ्य भी मुख्य चिकित्साधिकारी सम्पर्क कर समय-समय पर कराया जाए। जिलाधिकारी द्वारा कुछ किशोरो से उनके पठन पाठन के बारे में जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान पर्यवेक्षण गृह के रखरखाव साफ सफाई व्यवस्था पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि किशोरो हेतु संचालित सुधार गृह में इस तरह से शिक्षा प्रदान क जाए कि यह यहां से बाहर निकलकर समाज की मुख्य धारा से जुड़े सकें। निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष बाल संरक्षण गृह राम रक्षा पाण्डेय, जिला प्रोबेशन अधिकारी शक्ति त्रिपाठी, क्वार्डिनेटर/ महिला कल्याण अधिकारी पूजा मौर्या उपस्थित रही।

स्वस्थ रहने के लिए हाथों की स्वच्छता का रखें खास ख्याल

● विश्व हाथ स्वच्छता दिवस पर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिर्जापुर, 05 मई। विश्व हाथ स्वच्छता दिवस पर मंगलवार को जनपद की स्वास्थ्य इकाइयों, आंगनबाड़ी केन्द्रों, महिला आरोग्य समितियों और स्कूलों में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर हाथों की स्वच्छता के महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया। स्वास्थ्य विभाग के साथ ही शिक्षा व बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग (आईसीडीएस) के संयुक्त तत्वावधान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया व केनव्यू (KENVUE) के सहयोग से 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम के तहत आयोजित इन जागरूकता कार्यक्रमों में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, महिला आरोग्य समिति की सदस्यों, स्वास्थ्य कर्मियों, स्कूली बच्चों, अभिभावकों, शिक्षकों आदि ने भाग लिया।इसी क्रम में गुरु नानक इंटर कॉलेज आवास विकास कालोनी, रानी कर्णावती कंपोजिट विद्यालय लाल डिग्गी में उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं अध्यापकों को हाथों की स्वच्छता के महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया। इस दौरान विद्यालय की छात्र-छात्राओं को हाथ धोने के विभिन्न चरणों के बारे में बताया गया और अभ्यास भी कराया गया।नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र संगमोहाल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर बच्चों, महिलाओं एवं किशोरियों को स्वस्थ रहने के लिए हाथों की सही स्वच्छता के बारे में बताया गया। नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तारकापुर के अंतर्गत संकटमोचन में महिला आरोग्य समिति के माध्यम से हाथों को सही तरीके से धोने के बारे में बताया गया।

इस मौके पर पीएसआई इण्डिया के विष्णु प्रकाश मिश्रा ने बच्चों को बताया कि डायरिया समेत कई संक्रामक बीमारियों से बचने के लिए हाथों को धोना ही पर्याप्त नहीं होता बल्कि सही तरीके से हाथों को धोना जरूरी होता है। अर्चना मिश्रा ने SUMANK (सुमन-के) के बारे में बच्चों को सरल तरीके से समझाया ताकि वह इन छह चरणों को अपनाकर हाथों की सही स्वच्छता के लिए सक्षम बन सकें। यह छह चरण हैं - S (एस) -साबुन-पानी से झाग बनाने के बाद पहले सीधी हथेलियों को बारी-बारी से घिसें, (यू)- उल्टी तरफ हाथों को बारी-बारी से घिसें, रू (एम)- मुट्ठी बंदकर हाथों को अच्छी तरह घिसें, A (ए)- अंगूठों को अच्छी तरह से रगड़ें, N (एन) - नाखूनों को अच्छी तरह से साफ़ करें, K (के)- कलाइयों को भी ठीक से रगड़ें। इसका अभ्यास भी बच्चों से कराया गया। उन्होंने कहा कि इस तरह इन छह चरणों को अपनाकर डायरिया समेत कई संक्रामक बीमारियों को मात दिया जा सकता है। इसकी आदत बचपन से ही विकसित की जाए तो आगे चलकर भी यह सदा के लिए बनी रहती है। बच्चों की देखभाल से पहले, मरीजों की सेवा से पहले और बाद में, खाना बनाने या खाने से पहले, शौचालय का उपयोग करने के बाद, खांसने, छींकने या नाक साफ़ करने के बाद, कचरा उठाने या किसी गन्दी सतह को छूने के बाद, जानवरों या पालतू जानवरों को छूने के बाद हाथों को साबुन-पानी से कम से कम 20 सेकंड तक सही तरीके से अवश्य धोएं।इस अवसर पर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी. डॉ अजय कुमार, डॉ. गायत्री गुप्ता, डॉ. राहुल सिंह, शशि भूषण राय, धनंजय चतुर्वेदी, विंध्यवासिनी सिंह, नगरीय स्वास्थ्य समन्वयक पंकज कुमार, पीएसआई इंडिया के सीनियर मैनेजर अनिल द्विवेदी, क्षेत्र की आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

मानसिक स्वास्थ्य एवं महिला सुरक्षा विषय पर कार्यशाला आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनार, मीरजापुर। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी विश्राम सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय चुनार में मंगलवार को महाविद्यालय में छात्र मानसिक स्वास्थ्य समिति,मिशन शक्ति फेज 5.0 (द्वितीय चरण) एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षित परामर्शदाता से परामर्श, 24×7 सेवाएं संबंधी जानकारी एवं मानसिक स्वास्थ्य संबंधी देखभाल विषय एक कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा नामित परामर्शदाता अभिषेक कुमार सोनकर (साइकिएट्रिक सोशल वर्कर) एवं श्रीमती सुधा मिश्रा (कम्युनिटी नर्स) द्वारा महाविद्यालय के छात्र -छात्राओं को तनाव प्रबंधन,आत्म-हत्या नियंत्रण,अवसाद आदि विषय पर मार्गदर्शन एवं परामर्श प्रदान किया।उन्होंने बताया कि किसी भी मानसिक आपातकालीन सेवाओं के लिए टेलीमानस नंबर - 14416 या 1800-891-4416 पर परामर्श एवं समाधान प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम में प्रभारी प्राचार्य प्रोफेसर कुसुमलता ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य से सकारात्मक ऊर्जा मिलती है।

कार्यक्रम का संयोजन नोडल अधिकारी डॉ अवधेश सिंह यादव एवं संचालन डॉ रीता मिश्रा ने किया। इसी क्रम में महिला हेल्पडेस्क के माध्यम से छात्राओं की समस्याओं एवं प्रश्नों का समाधान किया गया। इस दौरान छात्राओं को विभिन्न महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर जैसे 1090, 112 एवं 108 के उपयोग तथा किन परिस्थितियों में इनका प्रयोग किया जाना चाहिए, इसकी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इसी क्रम में सोमवार को आयोजित महिला सुरक्षा विषयक निबंध प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा की गई,जिसमें प्रथम स्थान पायल गुप्ता एवं आकांक्षा सिंह,द्वितीय स्थान समीन नाज एवं प्रियंका प्रजापति,तृतीय स्थान प्राची सिंह ने प्राप्त किया।मिशन शक्ति कार्यक्रम का संचालन डॉ शेफालिका रॉय,डॉ शिखा तिवारी,डॉ विद्या सिंह के द्वारा किया गया।कार्यक्रम में 47 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इसी क्रम में सोमनाथभातखंडे उमंग कल्चरल क्लब द्वारा सोमनाथ पर्व पर आधारित गीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। समस्त कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो0 (डॉ0) कुसुम लता के द्वारा किया गया।इस दौरान महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ संकटा प्रसाद सोनकर,डॉ चंदन कुमार द्विवेदी,डॉ दीपक कुमार सिंह सहित शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

थाना ज्ञानपुर पुलिस को बड़ी सफलता, अंतर्जनपदीय गैंगस्टर गिरोह का आरोपी गिरफ्तार

भदोही। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना ज्ञानपुर पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक भदोही अभिनव त्यागी के निर्देशन में की गई कार्रवाई के दौरान अंतर्जनपदीय गैंगस्टर गिरोह से जुड़े एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह संगठित रूप से विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहा है। गिरोह का सरगना संतोष यादव निवासी गोपीगंज (भदोही) अपने साथियों ऊषा देवी (बिजनौर), आकाश गुप्ता (मेरठ) एवं रोहतास बाबरिया (राजस्थान) के साथ मिलकर अपराधों को अंजाम देता था। गिरोह पर आरोप है कि यह भोली-भाली लड़कियों को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने तथा उनके साथ गंभीर अपराध करने जैसी घटनाओं में शामिल रहा है। गिरोह के प्रभाव के कारण स्थानीय लोग इनके विरुद्ध शिकायत या गवाही देने से कतराते थे। इस संबंध में थाना ज्ञानपुर पर गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम, 1986 की धारा 3(1) के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया था। इसी क्रम में 05 मई 2026 को पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए आरोपी आकाश गुप्ता (31 वर्ष), निवासी ख्वाजमपुर माजरा, थाना रोहटा, जनपद मेरठ को मेरठ से गिरफ्तार कर लिया। आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

कालीन नगरी में धीमी पड़ी जल जीवन मिशन की रफ्तार, ग्रामीणों में नाराजगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना की रफ्तार कालीन नगरी में सुस्त पड़ती नजर आ रही है। कहीं पाइपलाइन बिछाकर अधूरा छोड़ दिया गया है तो कहीं बोरिंग का कार्य अभी तक पूरा नहीं हो सका। कई स्थानों पर पानी की टंकियों का निर्माण भी आधा-अधूरा पड़ा हुआ है, जिससे गांवों में पानी आपूर्ति के दावे खोखले साबित हो रहे हैं। बढ़ती जनसंख्या के साथ पेयजल संकट भी गहराता जा रहा है। हैंडपंप लगाए गए हैं, लेकिन कई क्षेत्रों में पानी में आर्सेनिक, आयरन और फ्लोराइड की अधिक मात्रा मिलने से लोगों में बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। ऐसे में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अगस्त 2019 में केंद्र सरकार द्वारा इस योजना की शुरुआत की गई थी, जिसके तहत हर ग्राम पंचायत में टंकियां बनाकर घर-घर नल से पानी पहुंचाना लक्ष्य है। हालांकि, जमीनी हकीकत इससे अलग दिख रही है। सुरियावां ब्लॉक के भात ललापुर गांव में 'हर घर नल' योजना अभी भी सपना बनी हुई है। ग्रामीणों के अनुसार, करीब तीन वर्षों पहले काम शुरू हुआ था, लेकिन आज तक न टंकी बन पाई और न ही सोलर पैनल लगाया जा सका। ग्रामीणों का कहना है कि जब भी इस संबंध में जिम्मेदारों से सवाल किया जाता है, तो केवल आश्वासन ही मिलता है। इससे लोगों में काफी नाराजगी है। गांव के रामचंद्र दुबे, प्रदीप दुबे, पप्पू दुबे और मनोज दुबे समेत अन्य ग्रामीणों ने जल्द से जल्द टंकी निर्माण पूरा कर पानी की आपूर्ति शुरू कराने की मांग की है।

जनगणना 2027 को लेकर जनसेवा केंद्र संचालकों का ऑनलाइन प्रशिक्षण, एडीएम ने दिए महत्वपूर्ण निर्देश

● डिजिटल जनगणना में ष्टस्ष्ट की अहम भूमिका, जूम प्रशिक्षण के जरिए बढ़ाई गई तकनीकी दक्षता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही:- जनगणना 2027 के अंतर्गत चल रहे प्रथम चरण 'मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना' कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से जनपद के जनसेवा केंद्र संचालकों को जूम के माध्यम से ऑनलाइन प्रशिक्षण प्रदान किया गया। यह प्रशिक्षण अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) कुंवर वीरेन्द्र मौर्य के निर्देशन में एनआईसी में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपर जिलाधिकारी ने बताया कि इस बार जनगणना प्रक्रिया को डिजिटल माध्यम से अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाया जा रहा है। जनसेवा केंद्र संचालकों की भूमिका इस प्रक्रिया में अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि वे आमजन को स्व-गणना (Self Enumeration) के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करेंगे। उन्होंने संचालकों से अपेक्षा की कि वे नागरिकों को निर्धारित पोर्टल पर सही एवं पूर्ण जानकारी दर्ज कराने में सहयोग करें। प्रशिक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों द्वारा जनगणना पोर्टल के संचालन, लॉगिन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों एवं पूछे जाने वाले प्रश्नों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

साथ ही, संभावित समस्याओं एवं उनके समाधान पर भी चर्चा की गई, ताकि कार्य के दौरान किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। अपर जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी जनसेवा केंद्र संचालक अपने-अपने क्षेत्रों में व्यापक जनजागरूकता फैलाएं और अधिक से अधिक लोगों को स्व-गणना के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसकी सफलता में सभी की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। इस अवसर पर जिला सूचना विज्ञान अधिकारी अभिषेक मिश्रा, ई डिस्ट्रिक मैनेजर आशुतोष श्रीवास्तव, एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कृषि उर्वरक केंद्र का औचक निरीक्षण

भदोही आज दिनांक 05 मई 2026 को संयुक्त कृषि निदेशक, विन्ध्याचल मण्डल अशोक उपाध्याय द्वारा जंगीगंज स्थित कृषि उर्वरक केंद्र का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उर्वरक भंडारण, अभिलेखों के संधारण एवं वितरण व्यवस्था की जांच की गई, जिसमें कुछ अनियमितताएं पाई गई। विशेष रूप से स्टॉक रजिस्टर अद्यतन न होने एवं निर्धारित मानकों का पूर्णतः पालन न करने की स्थिति सामने आई। उक्त अनियमितताओं को गंभीरता से लेते हुए जिला कृषि अधिकारी (ष्ठह्र), भदोही द्वारा संबंधित उर्वरक विक्रेता को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। नोटिस में निर्देशित किया गया है कि निर्धारित समयावधि में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें, अन्यथा नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि किसानों को गुणवत्तायुक्त उर्वरक समय पर एवं उचित मूल्य पर उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है तथा इस प्रकार के निरीक्षण आगे भी जारी रहेंगे।

रेल सेवाओं के सुधार को लेकर कांग्रेस का ज्ञापन, कई ट्रेनों के ठहराव की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जनपद में रेल सेवाओं एवं यात्री सुविधाओं के सुधार को लेकर चलाए जा रहे जनहित अभियान के अंतर्गत मंगलवार को जिला कांग्रेस कमेटी भदोही के नेतृत्व में भदोही एवं सुरियावां रेलवे स्टेशनों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया। इस दौरान संबंधित सीनियर डीआरएम को संबोधित ज्ञापन स्टेशन मास्टर भदोही को सौंपा गया। जिला अध्यक्ष वसीम अंसारी के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में कई महत्वपूर्ण मांगें रखी गईं। इसमें आनंद विहार-मालदा टाउन एक्सप्रेस, नई दिल्ली-मालदा टाउन एक्सप्रेस, पूर्वा एक्सप्रेस एवं वाराणसी-गांधीनगर कैपिटल एक्सप्रेस जैसी प्रमुख ट्रेनों के भदोही स्टेशन पर ठहराव की मांग की गई। साथ ही सुरियावां स्टेशन पर ट्रेन संख्या 15107/15108 के नियमित ठहराव एवं उसके विस्तार की मांग भी उठाई गई।

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि लखनऊ से जंघई होते हुए वाराणसी के लिए दोपहर 1 बजे से रात 9 बजे के बीच कोई सीधी ट्रेन उपलब्ध नहीं है, जिससे यात्रियों को भारी असुविधा होती है। इस रूट पर नई ट्रेन चलाने की मांग की गई। इसके अलावा सुरियावां रेलवे स्टेशन पर विद्युत आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था, मोढ़ स्टेशन पर बुंदेलखंड एक्सप्रेस के ठहराव तथा सुरियावां स्टेशन के सामुदायिक शौचालय को आम जनता के लिए शीघ्र खोलने की भी मांग शामिल रही।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोऑर्डिनेटर दयाशंकर पाण्डेय ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा जनता की आवाज बनकर उनके अधिकारों के लिए संघर्ष करती रही है और यह अभियान आम जन की समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है।

वहीं जिला अध्यक्ष वसीम अंसारी ने कहा कि जनपद की रेलवे समस्याओं के समाधान तक कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा। इस अवसर पर पंडित दीनानाथ दुबे, राजेश्वर दुबे, मुशीर इकबाल, मसूद आलम, सुबुक्तगीन अंसारी, शबाना खातून, अवधेश पाठक, जजलाल राय, शमशीर अहमद, सरफराज अहमद, नाजिम अली, अजय कुमार प्रजापति, स्वालेह अंसारी, ज़ाहिद अंसारी, गुलाबधर प्रजापति, शक्ति मिश्रा, विशाल गौतम, करन मौर्य, उदय गौतम, राजू गौतम, अनीश शेख, आजाद हुसैन, डॉ. महेंद्र यादव, श्लोक मिश्रा, उपेंद्र कुमार भारती, रामलाल गौतम, मोनीश अंसारी, आसमा बानो सहित अन्य लोग उपस्थित रहें।

विधान सभा चुनाव परिणामों में छिपा आर्थिक विकास का रोडमैप- डॉ चंदन कुमार द्विवेदी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनार, मीरजापुर। डॉ चंदन कुमार द्विवेदी असिस्टेंट प्रोफेसर अर्थशास्त्र राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय चुनार मिर्ज़ापुर ने पांच राज्यों के चुनावों पर अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी विधानसभा चुनावों के परिणाम केवल राजनीतिक बदलाव तक सीमित नहीं हैं,बल्कि इनके दूरगामी आर्थिक प्रभाव भी हो सकते हैं। इन राज्यों की राजनीतिक स्थिरता,नीतिगत दिशा और विकास के प्रति प्रतिबद्धता भारत को एक सशक्त आर्थिक शक्ति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। सबसे पहले,इन चुनाव परिणामों से जो स्पष्ट संकेत मिलता है, वह है राजनीतिक स्थिरता और जनादेश की स्पष्टता। जब किसी राज्य में स्थिर सरकार बनती है, तो निवेशकों का विश्वास बढ़ता है। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल जैसे औद्योगिक और वाणिज्यिक दृष्टि से महत्वपूर्ण राज्यों में स्थिर सरकारें उद्योग, निर्यात और रोजगार सृजन को गति दे सकती हैं। दूसरी ओर, असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र में राजनीतिक निरंतरता इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास, कनेक्टिविटी और पर्यटन को बढ़ावा दे सकती है। Act East Policy के तहत यह क्षेत्र भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार का द्वार बन सकता है,जिससे क्षेत्रीय असमानताओं में कमी आएगी। केरल और पुडुचेरी जैसे राज्यों में शिक्षा,स्वास्थ्य और मानव विकास सूचकांक पहले से ही बेहतर हैं।यदि नई सरकारें इन क्षेत्रों में सुधार को बनाए रखते हुए निवेश और स्टार्टअप संस्कृति को प्रोत्साहित करें, तो ये राज्य 'ह्यूमन कैपिटल' के माध्यम से आर्थिक विकास में योगदान कर सकते हैं। हालांकि,विभिन्न राज्यों में अलग-अलग राजनीतिक दलों की सरकारें होने से नीतिगत समन्वय (policy coordination) में कठिनाई हो सकती है। केंद्र और राज्य के बीच सहयोग की कमी आर्थिक नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन में बाधा बन सकती है। अतः केंद्र की जिम्मेदारी है कि 'सहकारी संघवाद' (Cooperative Federalism) को मजबूत करे। यह कहा जा सकता है कि इन चुनाव परिणामों ने भारत के आर्थिक भविष्य के लिए अवसर और चुनौतियां दोनों प्रस्तुत की हैं। यदि राज्य सरकारें पारदर्शिता,सुशासन और विकास-उन्मुख नीतियों पर ध्यान केंद्रित करती हैं,तो ये परिणाम भारत को एक वैश्विक आर्थिक शक्ति बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हो सकते हैं।

मानदेय वृद्धि पर शिक्षा मित्रों का भव्य सम्मान समारोह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। शिक्षा मित्रों का मानदेय रुपये 10,000 से बढ़ाकर रुपये 18,000 किए जाने के उपलक्ष्य में मंगलवार को विकास भवन स्थित पंचायत सभागार में भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने शिक्षा मित्रों के योगदान की सराहना करते हुए शिक्षा की गुणवत्ता को और सुदृढ़ करने पर जोर दिया। समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, विधायक ज्ञानपुर विपुल दूबे, विधायक औराई दीनानाथ भास्कर तथा भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। वहीं जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी व जिला विद्यालय निरीक्षक ने विशिष्ट अतिथि के रूप में सहभागिता की। कार्यक्रम की शुरुआत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा अतिथियों के स्वागत से हुई। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की छात्राओं ने स्वागत गान व सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर समारोह को आकर्षक बनाया। इस दौरान मुख्यमंत्री के गोरखपुर में आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी दिखाया गया।

जिलाधिकारी ने कहा कि शिक्षा मित्रों का योगदान शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण है और नामांकन व शैक्षिक गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षा मित्रों के समर्पण से प्राथमिक शिक्षा की नींव मजबूत हो रही है और सरकार शिक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है। भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में लगातार सुधार कर रही है और शिक्षा मित्रों का सम्मान व हित सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल है। कार्यक्रम में प्रत्येक विकास खंड से चयनित शिक्षा मित्रों को सम्मानित किया गया। लगभग 400 शिक्षा मित्रों की उपस्थिति में आयोजित समारोह का समापन शिक्षा की गुणवत्ता सुधार और प्रत्येक बच्चे तक शिक्षा पहुंचाने के संकल्प के साथ हुआ।

थाना ज्ञानपुर पुलिस को बड़ी सफलता, अंतर्जनपदीय गैंगस्टर गिरोह का आरोपी गिरफ्तार

भदोही। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना ज्ञानपुर पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक भदोही अभिनव त्यागी के निर्देशन में की गई कार्रवाई के दौरान अंतर्जनपदीय गैंगस्टर गिरोह से जुड़े एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के अनुसार, यह गिरोह संगठित रूप से विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहा है। गिरोह का सरगना संतोष यादव निवासी गोपीगंज (भदोही) अपने साथियों ऊषा देवी (बिजनौर), आकाश गुप्ता (मेरठ) एवं रोहतास बाबरिया (राजस्थान) के साथ मिलकर अपराधों को अंजाम देता था। गिरोह पर आरोप है कि यह भोली-भाली लड़कियों को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने तथा उनके साथ गंभीर अपराध करने जैसी घटनाओं में शामिल रहा है। गिरोह के प्रभाव के कारण स्थानीय लोग इनके विरुद्ध शिकायत या गवाही देने से कतराते थे। इस संबंध में थाना ज्ञानपुर पर गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम, 1986 की धारा 3(1) के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया था।

5 मई 2026 राष्ट्रीय श्रम दिवस पर लगाया गया कैंप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा एक्शन प्लान वर्ष 2026, 27 के अंतर्गत विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर आयोजित किए जाने के संबंध में श्रम विभाग एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भदोही के सौजन्य से आज दिनांक 05.05.2026 को ग्राम सभा रामपुर कायस्थान में स्थित बीएमडी ईट भट्टे पर, राष्ट्रीय श्रम दिवस के अवसर पर बाल श्रम एवं न्यूनतम पारिश्रमिक विषयों के साथ-साथ विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 50 निर्माण श्रमिकों ने भाग लिया इसी क्रम में श्री आनंद कुमार सिंह पी एल वी द्वारा विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए श्रमिकों को जागरूक रहते हुए सरकार द्वारा संचालित की जा रही योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवाहन किया गया तथा यह भी कहा गया कि सभी को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना पड़ेगा।

इस अवसर कार्यक्रम का संचालन कर रहे इंद्रजीत तिवारी ने उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड, द्वारा श्रमिकों के हितार्थ संचालित की जाने वाली योजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए बताया गया की मात्रा 20 में आपका श्रमिक पंजीयन हो जाएगा और 20 में ही आपका नवीनीकरण भी हो जाएगा जिसके पश्चात आप विभिन्न हितलाभ की योजनाओं का लाभ ले सकते हैं पंजीयन के लिए आपको आधार कार्ड, बैंक पासबुक. एवं मोबाइल साथ में लेकर स्थानीय ष्टस्ष्ट सेंटर पर जाना पड़ेगा जिससे आपका श्रमिक पंजीकरण, नवीनीकरण, हो जाएगा जिसके पश्चात आप योजनाओं का हितलाभ लेने के लिए पत्र हो जाएंगे तथा नियमानुसार आवेदन करने पर हितलाभ की योजनाओं का लाभ आपको दिया जाएगा उपस्थित लोगों को श्रमिकों के बच्चों के हितार्थ संचालित आवासीय विद्यालय गंगापुर बालक एवं आवासीय बालिका विद्यालय फतूपुर भदोही के बारे में भी विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई।

इस अवसर पर लगभग 50 ईट भट्टे के श्रमिक मौजूद रहे जिसमें अभी को जागरूक करते हुए श्रमिक पंजीयन एवं नवीनीकरण कराए जाने का अनुरोध किया गया इसी क्रम में असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के लिए प्रधानमंत्री श्रम योगी मान धन पेंशन योजना, के अंतर्गत पंजीकरण कराए जाने के लिए भी जागरूक किया गया । इस अवसर पर श्री मनोज गुप्ता ईट भट्ठा मालिक , रीता पांडे पी एल वी, अभिषेक प्रजापति पी एल वी, रामविलास बिंद दीपक मौर्य सहित काफी संख्या में ईट भट्ठा श्रमिक मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

9 साल पुराने केस में वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

करैली/प्रयागराज। थाना करैली पुलिस ने लंबित वारण्ट के तहत एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर सफलता हासिल की है। यह कार्रवाई प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय कक्ष संख्या-02, प्रयागराज के आदेश एवं इलाहाबाद हाईकोर्ट के निर्देशों के अनुपालन में की गई। पुलिस के अनुसार, केस संख्या 12/2017 से संबंधित वारण्टी अभियुक्त मो0 इस्माइल खां (57 वर्ष) पुत्र स्व. मो0 मोईन खां, निवासी 48/64 नूरुल्ला रोड (सुल्तानपुर भावा), थाना करैली, को 04 मई 2026 को उसके क्षेत्र नूरुल्ला रोड स्थित हड्डी गोदाम इलाके से गिरफ्तार किया गया। यह मामला लंबे समय से न्यायालय में लंबित था और अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए वारण्ट जारी किया गया था। करैली पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए अभियुक्त को ट्रेस कर दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त के खिलाफ नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई पूरी की गई और उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

गोपीगंज पुलिस ने दबंग स्टूडियो संचालक को बचाने के चक्कर में पत्रकारों के ऊपर दर्ज किया झूठा मुकदमा

गोपीगंज में जहां पुलिस ने दबंग स्टूडियो संचालक को बचाने के चक्कर में पत्रकारों पर झूठा मुकदमा दर्ज कर लिया। जानकारी के मुताबिक शुभम पाठक उर्फ अंकित पाठक पुत्र स्व0 जगदीश प्रसाद पाठक निवासी सरई पठखानी थाना गोपीगंज का मूल निवासी है जो गोपीगंज बाजार में वर्मा स्टूडियो संचालक है यह बीते दिन पहले पत्रकार सरस राजपूत अपने भाई उमेश सिंह को दवा दिलाकर गोप पुर गोपीगंज से लौट रहे थे तभी अचानक रास्ते में खड़े होकर हुल्लड़ बाजी करते हुए रास्ता अवरुद्ध कर रहा था। जब पत्रकार सरस राजपूत ने हॉर्न बजाते हुए बगल होने के लिए कहा तो दबंग स्टूडियो संचालक अपने तीन चार साथियों के साथ मिलकर पत्रकारो को गाली देने लगा। जब तक पत्रकार कुछ समझ पाते तो दबंग स्टूडियो संचालक शुभम पाठक उ अपने साथियों के साथ मिलकर पत्रकारों के साथ मारपीट करने लगे वही जब पत्रकारों ने मोबाइल से वीडियो बनाना शुरू किया तो पत्रकारों का मोबाईल भी छीन लिया ।आम राह गिरो के बीच बचाव के बाद पत्रकारों कि जान बच पाई। जब पत्रकारों ने अपना मोबाइल शुभम पाठक से लौटाने की मांग करने लगे गना चाहा तो दबंग स्टूडियो संचालकने गाली देते हुए पत्रकारों को जान से मारने कि धमकी देने लगा । पत्रकारों ने चौकी पर जाकर शिकायत की तो फिर पत्रकारों को थाना भेज दिया गया । पत्रकारों ने छः घंटे तक चौकी और गोपीगंज थाना का चक्कर काटते रहे लेकिन ना तो पत्रकारों के दिए प्रार्थना पत्र पर मुकदमा दर्ज किया गया ना इनका मेडिकल कराया गया बल्कि पत्रकारों के ऊपर दवाब बनाया कि समझौता कर लो । जब पत्रकारों ने जिले के मुखिया पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी से शिकायत कि तो पत्रकारों का मुकदमा 48 घंटे बाद मेडिकल करा कर दर्ज किया गया वो भी सिर्फ एक पत्रकार का मेडिकल करा कर। आरोपी स्टूडियो संचालक शुभम पाठक से से आवेदन लेकर पत्रकारों के ऊपर भी 4 तारीख को मुकदमा दर्ज कर लिया इससे यह साफ नजर आ रहा है कि पुलिस उसको बचाने के लिए साठ गांठ करके यह मुकदमा लिख लिया। वरिष्ठ पत्रकार उमेश सिंह ने कहा मै इसकी शिकायत ह्यूमन राइट और उत्तर प्रदेश पुलिस के महा निदेशक के साथ साथ मै माननीय उच्च न्यायालय में फर्जी एफ आई आर को चुनौती दूंगा वही कुछ पत्रकार संगठनों का कहना है यदि पुलिस फर्जी मुकदमा को यदि नहीं खत्म करती है तो बहुत बड़े पैमाने पर धरना प्रदर्शन होगा।

भारत की सैन्य शक्ति हमारे रक्षा उद्योगों के कारखानों में विकसित हुई, इसकी झलक ऑपरेशन सिंदूर में मिली- रक्षा राज्य मंत्री

● 'स्टार्टअप और एमएसएमई विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में प्रेरक शक्ति हैं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दया शंकर त्रिपाठी की रिपोर्ट

ब्यूरो प्रयागराज। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा है कि 'भारत की सैन्य शक्ति हमारे रक्षा उद्योगों के कारखानों में विकसित की गई है।' उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का श्रेय रक्षा बलों के अद्वितीय साहस और दृढ़ संकल्प को दिया। जिसे स्वदेशी रूप से विकसित प्रभावशाली अत्याधुनिक हथियारों और प्रणालियों ने और भी मजबूत बनाया। उन्होंने 5 मई 2026 को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित नॉर्थ टेक सिम्पोजियम को संबोधित करते हुए सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ और स्टार्टअप्स को देश का ब्रांड एंबेसडर बताया। उन्होंने कहा कि 'हमारे स्टार्टअप्स और एमएसएमई भविष्य में होने वाले विकास की प्रेरक शक्ति हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। वे हमारे युग के विश्वकर्मा हैं।' रक्षा राज्य मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आतंकवादियों के छिपने के अड्डों को नष्ट करके भारत के शत्रुओं की कुटिल योजनाओं को नाकाम करने के लिए रक्षा बलों की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत में निर्मित उपकरणों का प्रभावशाली उपयोग पूरे देश में सरकार, रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों और निजी क्षेत्र विशेष रूप से नवप्रवर्तकों, स्टार्टअप और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों की ओर से रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के संकल्प का प्रमाण है। रक्षा राज्य मंत्री ने इस बात पर बल दिया कि रिकॉर्ड रक्षा उत्पादन और रक्षा संबधी निर्यात के आंकड़े उस नए भारत के उदय का प्रमाण हैं जो राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए अपनी क्षमताओं को मजबूत करने में विश्वास रखता है। उन्होंने यह भी कहा कि 'यह नया भारत किसी पर बुरी नजर नहीं रखता और न ही किसी के द्वारा अपनी संप्रभुता को खतरा पहुंचाने का प्रयास करने पर आंखें फेर लेता है।' रक्षा राज्य मंत्री सेठ ने इस बात पर बल दिया कि आज उपयोग में लाई जा रही तकनीक कल बेकार हो सकती है और इसके संबंध में उन्होंने वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच उद्योग जगत से लीक से हटकर सोचते हुए तकनीकी प्रगति में अग्रणी बने रहने का आग्रह किया। केंद्रीय कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (जीओसी-इन-सी) लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता ने इस अवसर पर उद्योग जगत से आग्रह किया कि वे उभरते क्षेत्रों में परिचालन संबंधी वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करने और भारतीय सेना को भविष्य के लिए तैयार बल बनाने में योगदान देने के लिए रक्षा बलों के साथ मिलकर काम करें। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता से रणनीतिक स्वायत्तता, तकनीकी संप्रभुता और परिचालन के अनुकूल क्षमता प्राप्त होगी। कार्यक्रम के दौरान आयोजित सत्र में उत्तरी कमान के जीओसी-इन-सी लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा, प्रथम कोर के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल वी हरिहरन, सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स (एसआईडीएम) के अध्यक्ष अरुण टी रामचंदानी, उद्योग जगत के दिग्गजों, नवप्रवर्तकों, स्टार्ट-अप और शिक्षा जगत के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

पूर्व प्रधान के भाई का खेत में मिला शव

● हंडिया में पूर्व प्रधान के भाई मिला शव; हत्या या हादसा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हंडिया/ प्रयागराज। हंडिया थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक युवक का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान सीकी गांव निवासी सुभाष यादव उर्फ करिया (28) पुत्र स्वर्गीय नंदलाल यादव के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही हंडिया पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुभाष यादव शनिवार दिन में अपने घर से निकला था, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने उस की तलाश शुरू की, जिसके बाद घर से करीब 100 मीटर दूर एक चरी (चारे) के खेत में उनका शव पड़ा मिला। शव मिलने की खबर फैलते ही गांव में सनसनी फैल गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। बताया जा रहा है कि मृतक का आपराधिक इतिहास रहा है, जिसके चलते घटना को संदिग्ध माना जा रहा है। हालांकि, उनकी मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। मृतक सुभाष यादव तीन भाइयों में सबसे छोटा था ।उनके बड़े भाई गोपाल यादव गांव के पूर्व प्रधान रह चुके हैं, जबकि दूसरे भाई शिवचंद यादव बाहर रहकर जीविकोपार्जन करते हैं। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। हंडिया पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। पुलिस आपसी रंजिश, पुरानी दुश्मनी समेत अन्य सभी पहलुओं पर गंभीरता से जांच कर रही है।

उप मुख्यमंत्री मौर्य ने स्व. पी.सी. जोशी को दी श्रद्धांजलि

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को प्रयागराज में पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी के आवास पर पहुंचकर उनके पति स्वर्गीय पी.सी. जोशी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन कर पुष्पांजलि अर्पित की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य ने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस दौरान श्री मौर्य ने स्व. पी.सी. जोशी के व्यक्तित्व को याद करते हुए कहा कि वे अत्यंत सरल, सज्जन और समाज के प्रति समर्पित व्यक्ति थे। उनका निधन न केवल परिवार, बल्कि समाज के लिए भी अपूरणीय क्षति है। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधि, पार्टी कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे और सभी ने दिवंगत आत्मा को नम आंखों से श्रद्धांजलि अर्पित की।

कानपुर-प्रयागराज हाईवे पर कई किलोमीटर तक जाम

● चौफटका चौराहे से हाई कोर्ट फ्लावर तक लंबी कतार, दफ्तर और कोर्ट जाने वाले हजारों लोग फंसे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज शहर में मंगलवार सुबह कानपुर-प्रयागराज हाईवे पर भारी जाम लगने से आमजन को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। चौफटका चौराहे से हाई कोर्ट फ्लावर तक कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया, जिससे वाहनों की रफ्तार पूरी तरह थम गई। सुबह के व्यस्त समय में लगे इस जाम ने दफ्तर और कोर्ट जाने वाले लोगों की मुश्किलें बढ़ा दीं। खासतौर पर इलाहाबाद हाईकोर्ट जाने वाले अधिवक्ता, कर्मचारी और वादकारी समय पर नहीं पहुंच सके। सड़क पर फंसे हजारों वाहन रेंगते नजर आए, जिससे लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जाम की मुख्य वजह अचानक बढ़ा ट्रैफिक दबाव और कुछ स्थानों पर अव्यवस्थित वाहन खड़े होना रहा। वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि सड़क पर चल रहे निर्माण कार्य और ट्रैफिक प्रबंधन की कमी ने भी स्थिति को और बिगाड़ दिया। सूचना मिलते ही ट्रैफिक पुलिस मौके पर पहुंची और जाम खुलवाने के प्रयास शुरू किए। हालांकि, लंबा जाम होने के कारण स्थिति सामान्य होने में काफी समय लग गया। पुलिस ने लोगों से वैकल्पिक मार्गो का उपयोग करने की अपील की है। इस भीषण जाम ने शहर की ट्रैफिक व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है, लेकिन स्थायी समाधान की दिशा में अभी तक ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं।

प्रयागराज में जनगणना की तैयारियां तेज

● पहले होगी मकानों की गणना - डीएम मनीष वर्मा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज- जनगणना 2026 को लेकर प्रयागराज जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में आज संगम सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान जिलाधिकारी मनीष वर्मा ने जनगणना प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। डीएम मनीष वर्मा ने बताया कि जनगणना का पहला चरण मकानों की गणना से शुरू होगा। इस चरण में जिले के सभी घरों, भवनों और उनके उपयोग की जानकारी एकत्र की जाएगी। इसके बाद दूसरे चरण में प्रत्येक परिवार और उसमें रहने वाले लोगों का विस्तृत डेटा संकलित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मकान गणना के दौरान यह देखा जाएगा कि भवन आवासीय है या व्यावसायिक, उसमें कितने कमरे हैं, और बुनियादी सुविधाएं जैसे पानी, बिजली और शौचालय की उपलब्धता कैसी है। इस प्रक्रिया से जिले के आधारभूत ढांचे की सटीक तस्वीर सामने आएगी, जो भविष्य की योजनाओं के निर्माण में सहायक होगी। डीएम ने यह भी बताया कि जनगणना कार्य के लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि डेटा संग्रहण पूरी तरह सटीक और पारदर्शी हो सके।

उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे जनगणना टीम को सही और पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएं, जिससे विकास योजनाओं को सही दिशा मिल सके। प्रेस वार्ता के दौरान अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि जनगणना पूरी तरह गोपनीय प्रक्रिया है और इसमें दी गई जानकारी का उपयोग केवल सरकारी योजनाओं और नीतियों के निर्माण के लिए ही किया जाएगा। जिला प्रशासन ने जनगणना को सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी करने का दावा किया है और उम्मीद जताई है कि प्रयागराज में यह कार्य निर्धारित समय में सुचारू रूप से पूरा किया जाएगा।

शिक्षामित्र सम्मान समारोह में 18 हजार मानदेय पर दी बधाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। जनपद के जिला पंचायत सभागार में मंगलवार को आयोजित शिक्षामित्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गयाजिसमे प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य शामिल हुए। कार्यक्रम में उन्होंने शिक्षामित्रों को सम्मानित करते हुए उनके मानदेय को 18 हजार रुपये प्रतिमाह किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने मंच से 27 शिक्षामित्रों को बढ़े हुए मानदेय का प्रतीकात्मक चेक प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में योगी आदित्यनाथ द्वारा गोरखपुर में आयोजित शिक्षामित्र सम्मान समारोह का सजीव प्रसारण भी किया गया, जिसे उपस्थित लोगों ने देखा। कार्यक्रम से पूर्व उपमुख्यमंत्री ने बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों की चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इसके साथ ही विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उत्साहपूर्ण बना दिया। अपने संबोधन में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि नए वित्तीय वर्ष 2026-27 से शिक्षामित्रों को 18 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय मिलेगा तथा कैशलेस चिकित्सा सुविधा भी प्रदान की गई है। उन्होंने शिक्षामित्रों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में उनकी अहम भागीदारी है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले लोग सरकारी स्कूलों में बच्चों को पढ़ाने से कतराते थे, लेकिन मुख्यमंत्री के नेतृत्व में 'ऑपरेशन कायाकल्प' के तहत विद्यालयों में व्यापक सुधार हुए हैं। अब अभिभावक निजी स्कूलों के बजाय सरकारी स्कूलों की ओर रुख कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि डीबीटी के माध्यम से बच्चों को ड्रेस, जूते आदि के लिए आर्थिक सहायता सीधे खाते में भेजी जा रही है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि 'डबल इंजन सरकार' बिना किसी भेदभाव के सभी वर्गों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। युवाओं को रोजगार और सरकारी नौकरियों में पारदर्शिता के साथ अवसर दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य में युवाओं की भूमिका निर्णायक होगी। इस अवसर पर फूलपुर के सांसद प्रवीण पटेल ने शिक्षामित्रों को प्राथमिक शिक्षा की रीढ़ बताते हुए कहा कि वे बच्चों के नामांकन और शिक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने मानदेय वृद्धि पर सभी शिक्षामित्रों को शुभकामनाएं दीं और महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए सरकार की योजनाओं की सराहना की। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वी.के. सिंह ने शिक्षामित्रों को बच्चों को बेहतर शिक्षा देकर उन्हें आदर्श नागरिक बनाने का आह्वान किया। वहीं जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने शिक्षामित्र योजना के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्ष 1999 में शुरू हुई इस योजना के तहत प्रदेश में लगभग 1.43 लाख शिक्षामित्रों की नियुक्ति की गई थी। प्रयागराज में कुल 2834 शिक्षामित्र कार्यरत हैं। कार्यक्रम के अंत में मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, शिक्षा विभाग के कर्मियों और बड़ी संख्या में शिक्षामित्रों की उपस्थिति रही।

दुकान खाली कराने को लेकर बवाल

● किरायेदार में सड़क पर मारपीट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। कोतवाली थाना क्षेत्र में दुकान खाली कराने को लेकर सोमवार को जमकर हंगामा हो गया। बहादुरगंज स्थित पीली कोठी के पास एक दुकान को लेकर खरीददार और किरायेदार आमने-सामने आ गए, जिसके बाद विवाद ने हिंसक रूप ले लिया और दोनों पक्षों के बीच सड़क पर मारपीट शुरू हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दुकान खरीदने वाले पक्ष के कुछ लोग कथित तौर पर जबरन दुकान में घुस गए और अंदर रखा सामान बाहर फेंकना शुरू कर दिया। इस दौरान मौजूद किरायेदार ने विरोध किया, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच कहासुनी बढ़ते-बढ़ते हाथापाई में बदल गई। मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को काबू में किया। बताया जा रहा है कि रवि गुप्ता भी मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों को समझाकर शांत कराया। पुलिस ने तत्काल हस्तक्षेप करते हुए किसी बड़ी अनहोनी को टाल दिया। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि दुकान के स्वामित्व, किरायेदारी और कब्जे से जुड़े दस्तावेजों की जांच की जा रही है। दोनों पक्षों के दावों की सत्यता के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दहेज हत्या मामले में वांछित महिला गिरफ्तार

परिवारजनों संग मिलकर दहेज के लिए हत्या का आरोप

सरायइनायत/प्रयागराज। सरायइनायत थाना पुलिस ने दहेज हत्या के एक गंभीर मामले में वांछित अभियुक्ता को गिरफ्तार किया है। सरायइनायत की टीम ने मु0 अ0 सं0 -100/ 2026 से संबंधित वांछित अभियुक्ता अफसरी बेगम (55) पत्नी हयात अली निवासी ग्राम सुदनीपुर खुर्द को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसे थाना क्षेत्र के हबुसा मोड़ के पास से पकड़ा और नियमानुसार आगे की विधिक कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, अभियुक्ता पर आरोप है कि उसने अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर पीड़िता को दहेज की मांग को लेकर लगातार प्रताड़ित किया और अंततः उसकी हत्या कर दी। इस संबंध में प्राप्त तहरीर के आधार पर सरायइनायत थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 85/80(2) तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/ 4 के तहत मामला दर्ज किया गया था।

ट्रेन से गिरकर वृद्ध घायल

गोपीगंज। पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी प्रयागराज रेल खंड स्थित ज्ञानपुर रोड रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से गिर जाने से सूर्य बहादुर 51 वर्ष घायल हो गए, ज्ञानपुर थाना क्षेत्र के मवैया हरदोई पट्टी गांव निवासी सूर्य बहादुर रविवार की रात ट्रेन पर चढ़ते समय गिर जाने से घायल हो गए, घायल अवस्था में रेलवे पुलिस की सहायता से सरकारी एंबुलेंस से गोपीगंज स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल लिए रेफर कर दिया गया।

शादी की खुशियां मातम में बदलीं

● डीजे में करंट उतरने से युवक की दर्दनाक मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मान्डा/प्रयागराज। मान्डा थाना क्षेत्र के उमापुर कला गांव में एक शादी समारोह उस समय मातम में बदल गया, जब डीजे में करंट उतरने से एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई और शादी की खुशियां चीख-पुकार में तब्दील हो गईं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव में एक बारात आई हुई थी और पूरे उत्साह के साथ डीजे बज रहा था। बारात में शामिल लोग नाच-गाने में मशगूल थे। इसी दौरान डीजे वाहन ऊपर से गुजर रहे बिजली के तार के संपर्क में आ गया। बताया जा रहा है कि बिजली का तार सामान्य से काफी नीचे लटक रहा था। जैसे ही डीजे का ऊपरी हिस्सा तार से टकराया, उसमें अचानक करंट दौड़ गया। डीजे के पास मौजूद एक युवक इसकी चपेट में आ गया और गंभीर रूप से झुलस गया। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद बारात में अफरा-तफरी मच गई। खुशी का माहौल अचानक गम में बदल गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग की लापरवाही पर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि क्षेत्र में कई जगहों पर बिजली के तार काफी नीचे लटक रहे हैं, जिसकी वजह से आए दिन हादसे की आशंका बनी रहती है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और संबंधित विभाग से भी जानकारी ली जा रही है। वहीं प्रशासन से ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की जा रही है।

ज्यादा वाइल्ड और ज्यादा मज़ेदार 'पति पत्नी और वो दो' का ट्रेलर हुआ रिलीज़

● पति पत्नी और वो दो' 15 मई, को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दया शंकर त्रिपाठी

ब्यूरो प्रयागराज। अपने अनोखे टीज़र और चार्टबस्टर गानों से पहले ही दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा करने के बाद, 'पति पत्नी और वो दो' के निर्माताओं टी-सीरीज़ और बी आर स्टूडियोज़ ने अब इस बहुप्रतीक्षित कॉमेडी एंटरटेनर का ट्रेलर रिलीज़ कर दिया है, जो प्रजापति पांडे की बेतहाशा उलझनों भरी दुनिया की एक और झलक पेश करता है। पसंदीदा 'पतिवर्स' की मस्ती को दोगुनी उलझनों और तिगुनी कॉमेडी के साथ वापस लाते हुए, यह ट्रेलर गलतफहमियों, बदकिस्मती और ठहाकों से भरे पलों का एक पूरा रोलरकोस्टर है। इसके केंद्र में हैं आयुष्मान खुराना, जो प्रजापति पांडे के किरदार में नज़र आते हैं। प्रजापति पांडे एक सीधे-सादे फॉरेस्ट ऑफिसर हैं, जिनकी ज़िंदगी एक नेक काम के चलते अचानक से पूरी तरह से उलझ जाती है। एक महिला मित्र की मदद करने की कोशिश से शुरू हुई कहानी देखते ही देखते झूठ, शक, अचानक आमने-सामने आने वाली परिस्थितियों और नामुमकिन हालातों के जाल में बदल जाती है, जिसमें प्रजापति फंस जाते हैं एक नहीं, दो नहीं, बल्कि तीन महिलाओं के बीच, जिनका किरदार निभा रही हैं सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह। जंगल की मज़ेदार घटनाओं से लेकर इमोशनल ड्रामा और भरपूर कॉमिक कन्फ्यूज़न तक, यह ट्रेलर एक ऐसी फिल्म का वादा करता है, जो ह्यूमर, दिल और नॉनस्टॉप मनोरंजन से भरपूर है। फिल्म की इस 'वाइल्ड' और मज़ेदार भावना को ध्यान में रखते हुए, निर्माताओं ने मुंबई के संजय गांधी नेशनल पार्क में, स्टार कास्ट, निर्देशक, निर्माता और मीडिया की मौजूदगी में ट्रेलर लॉन्च किया, जिससे यह एक यादगार और अपने तरह का अलग लॉन्च बन गया।इस फिल्म में विजय राज, तिग्मांशु धूलिया, आयशा रज़ा, दुर्गेश कुमार सहित कई बेहतरीन कलाकार भी अहम् भूमिकाओं में नज़र आएँगे। गुलशन कुमार, बी आर चोपड़ा और टी-सीरीज़ प्रस्तुत, टी-सीरीज़ फिल्म्स और बी आर स्टूडियोज़ प्रोडक्शन 'पति पत्नी और वो दो' का निर्देशन मुदस्सर अज़ीज़ ने किया है और भूषण कुमार, रेनू रवि चोपड़ा और कृष्ण कुमार ने इसे निर्मित किया है, जबकि जूनो चोपड़ा इसके क्रिएटिव प्रोड्यूसर हैं। तो, एक मज़ेदार और भावनाओं से भरी यात्रा के लिए तैयार हो जाइए, क्योंकि 'पति पत्नी और वो दो' फिल्म 15 मई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

कीडगंज में तीर्थ पुरोहित पर ताबड़तोड़ फायरिंग

● नाम पूछकर की, 6 राउंड फायर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कीडगंज/प्रयागराज। कीडगंज इलाके में सोमवार देर रात सनसनीखेज वारदात सामने आई, जहां तीर्थ पुरोहित मार्तंड प्रकाश दुबे (55) पर सुनियोजित तरीके से हमला किया गया। दो बाइकों पर सवार चार नकाबपोश बदमाशों ने पहले उनका नाम पूछकर पहचान सुनिश्चित की और फिर बेहद करीब से ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बदमाशों ने कुल 6 राउंड फायर किए, जिनमें से 4 गोलियां दुबे को लगीं। गोली लगते ही वह गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े, जिसके बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। घायल मार्तंड प्रकाश दुबे को आनन-फानन में स्वरूप रानी नेहरू (एसआरएन) अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। परिजनों के मुताबिक उनकी हालत अब खतरे से बाहर बताई जा रही है, जिससे परिवार ने राहत की सांस ली है। घटनास्थल से पुलिस को कई खाली खोखे बरामद हुए हैं, जो फायरिंग की पुष्टि करते हैं। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि हमलावरों की पहचान की जा सके। हालांकि बदमाशों ने अपना चेहरा ढका हुआ था, जिससे उनकी पहचान में कठिनाई आ रही है। प्रारंभिक जांच में पुलिस पुरानी रंजिश और जमीन विवाद को मुख्य कारण मानकर जांच कर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इलाके में पहले भी विवाद की बातें सामने आई थीं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। इस घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

संक्षिप्त खबरें

झामुमो ने बुथ स्तर पर संगठन मजबूत करने के लिए की बैठक

पाकुड़िया-पाकुड़, झारखण्ड:- पाकुड़िया प्रखंड के अन्तर्गत मोंगलाबांध, तेतुलिआ और मोहलपहाड़ी व पाकुड़िया पंचायत अंतर्गत विभिन्न बूथों में बीते सोमवार को संगठन विस्तार को लेकर बूथ कमेटी एवं क्क्र का गठन किया गया। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने बूथ स्तर पर संगठन को और मजबूत बनाने तथा मतदाता सूची से जुड़े कार्यो को सक्रियता के साथ संपन्न कराने का संकल्प लिया। मौके पर पर्यावेक्षक सह प्रखंड अध्यक्ष मोतीलाल हांसदा ने कहा कि मजबूत बूथ संगठन ही किसी भी राजनीतिक दल की असली ताकत होती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से घर -घर जाकर लोगों से जुड़ने और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की अपील की।पर्यावेक्षक सह प्रखंड सचिव मैनुद्दीन अंसारी ने कहा पंचायत स्तरीय कार्यकर्त्ता ही पार्टी का रीढ़ है। तथा स्ढ्ढक्रऔर जनगणना के बारे मे पार्टी कार्यकर्त्ता को समझया का वही पर्यावेक्षक अब्दुल बनीज ने कहा कि क्क्र की जिम्मेदारी काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से मतदाताओं को जागरूक करने तथा हर जरूरतमंद तक सहयोग पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान छोटू भगत, कालिदास टुडू,पंचायत सचिव हरदेव साह,पंचायत अध्यक्ष जोगेश टुडू,पंचायत अध्यक्ष सागराम , नेजाम अंसारी , मोईन आलम, सिकंदर अली, अनामूल मियां, कारण गुप्ता, मंजूर अंसारी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। गांव में आयोजित इस बैठक को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा गया।

कमलवार में फेयरवेल की धूम, प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण छात्रों का सम्मान

हजारीबाग, झारखंड:- चौपारण प्रखंड के पाण्डेयबारा पंचायत अंतर्गत कमलवार गांव स्थित सक्सेस ट्यूटोरियल कोचिंग सेंटर में मंगलवार को सत्र 2025-26 के प्रथम श्रेणी से उतिर्ण दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों के सम्मान में भव्य फेयरवेल समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की मुख्य अतिथि पाण्डेयबारा की पूर्व मुखिया प्रत्याशी सुनीता देवी रहीं। अपने प्रेरणादायी संबोधन में उन्होंने विद्यार्थियों को सफलता का मूल मंत्र देते हुए कहा कि जीवन में स्पष्ट लक्ष्य तय कर पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ उसे हासिल करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास को सफलता की असली कुंजी बताते हुए छात्रों को निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर सुनीता देवी ने सभी विद्यार्थियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया तथा उन्हें डॉम्स कंपनी की शैक्षणिक सामग्री (इंस्ट्रूमेंट्स) भेंट की। सम्मान पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे और पूरे कार्यक्रम का माहौल उल्लास से भर गया। कार्यक्रम का सफल संचालन कोचिंग संचालिका मैडम हिना ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि अनुशासन, निरंतर अभ्यास और सकारात्मक सोच ही सफलता की मजबूत नींव रखते हैं। इस दौरान विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सड़क सुरक्षा में कमी लाने के लिए नेशनल हाईवे -34 पर 8 स्थानों पर लगाए गए बैरियर

कानपुर। कानपुर नगर में स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु बनायी गयी कार्ययोजना के तहत 8 स्थानों पर बैरियर स्थापित करते हुए ड्यूटी लगायी गयी है, इसके अतिरिक्त तेज गति से चलने वाले वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही करने हेतु राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर प्रत्येक 20 किमी पर 3 इंटरसेप्टर मोबाइल तैनात की गयी है जिनके माध्यम से तेज गति से चलने वाले वाहनों के विरुद्ध प्रवर्तनात्मक कार्यवाही अमल में लायी जा रही है। आज दिनांक 0श5.05.2026 को की गई कार्यवाही के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर 85 ट्रक, 7 बस, 85 चार पहिया/ दो पहिया 177 कुल वाहनों का ओवरस्पीड पर चालान किया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर 01 ट्रक, 02 बस, 110 चार पहिया/ दो पहिया 113 कुल वाहनों का ओवरस्पीड पर चालान किया गया। गंगा बैराज पर 81 वाहनों का ओवरस्पीड पर चालान किया गया। यातायात पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर ने आमजनमानस से अपील की है कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें। रॉन्ग साइड वाहन न चलाएं, वाहन चलाते समय हेलमेट/ सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें, सड़क पर गति सीमा को निर्धारित रखें। ओवरटेक हमेशा दाहिने से करें। यातायात के संकेतो का पालन अवश्य करें, शराब पीकर वाहन न चलायें। नियमों का पालन न केवल आपकी सुरक्षा सुनिश्चित करता है, बल्कि दूसरों की जान की हिफ़ाजत भी करता है।

हीटवेव पर सीएम सोरेन सख्त: पानी-बिजली में कोताही बर्दाश्त नहीं

● ऑफिस छोड़ जमीन पर उतरें अधिकारी; सभी DC को निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रांची। राज्य में लगातार बढ़ती गर्मी और हीटवेव के खतरे को देखते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के उपायुक्तों और वरीय अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में पेयजल आपूर्ति, बिजली व्यवस्था और स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सख्त निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि गर्मी के इस दौर में आम लोगों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने जिला प्रशासन को निर्देश दिया कि सभी क्षेत्रों में पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जलापूर्ति योजनाओं, चापाकलों और टैंकरों की नियमित मॉनिटरिंग हो तथा जहां भी जल संकट की सूचना मिले, वहां तत्काल कार्रवाई की जाए। बिजली आपूर्ति को लेकर भी मुख्यमंत्री ने सख्त रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि गर्मी के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति बेहद जरूरी है। ट्रांसफार्मर खराबी, बिजली कटौती और अन्य तकनीकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष ध्यान देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हीटवेव और लू से प्रभावित मरीजों के इलाज के लिए अस्पतालों में पूरी तैयारी रहनी चाहिए।

सभी स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक दवाइयां, ओआरएस, पेयजल और पर्याप्त स्वास्थ्यकर्मियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया।

ऑफिस से निकलें, जमीनी हकीकत जानें अधिकारी

सीएम ने राज्य के सभी उपायुक्तों को नियमित रूप से क्षेत्र भ्रमण करने और जमीनी हकीकत का आकलन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अधिकारी आम लोगों से सीधे संवाद करें, उनकी समस्याएं सुनें और त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। बैठक में प्रशासनिक समन्वय पर भी जोर दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी विभाग आपसी तालमेल के साथ काम करें ताकि किसी भी नागरिक को पानी, बिजली या स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव में कठिनाई का सामना न करना पड़े। बैठक में मुख्य सचिव अविनाश कुमार, अपर मुख्य सचिव (स्वास्थ्य) अजय कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव (गृह) वंदना दादेल सहित सभी जिलों के उपायुक्त और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

दस साल में बदहाल हुई सड़क, राहगीरों और स्कूली बच्चों को हो रही परेशानी

गोण्डा। विकास खंड रूपईडीह क्षेत्र के ग्राम पंचायत लोनावादरगाह को जोड़ने वाली प्रमुख संपर्क सड़क अब पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। पृथ्वी नाथ लोनावादरगाह संपर्क मार्ग से बासे पुरवा होते हुए गूदर पुरवा तक जाने वाली लगभग तीन किलोमीटर लंबी यह सड़क जगह-जगह गहरे गड्ढों में तब्दील हो गई है, जिससे आवागमन अत्यंत कठिन हो गया है। ग्रामीणों के अनुसार इस सड़क का निर्माण लगभग दस वर्ष पूर्व तत्कालीन जिला पंचायत सदस्य लईक अहमद द्वारा जिला पंचायत मद से कराया गया था। समय के साथ देखरेख और मरम्मत के अभाव में सड़क की स्थिति लगातार बिगड़ती चली गई, और अब यह पूरी तरह खस्ताहाल हो चुकी है। बरसात के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जब गड्ढों में पानी भर जाने से सड़क दिखाई तक नहीं देती। इससे राहगीरों, खासकर स्कूली बच्चों को रोजाना जोखिम उठाकर गुजरना पड़ रहा है। पूर्व जिला पंचायत सदस्य लईक अहमद ने सड़क की मरम्मत की मांग करते हुए जिला प्रशासन का ध्यान इस ओर आकर्षित किया है। उन्होंने कहा कि यह मार्ग क्षेत्र के कई गांवों को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण रास्ता है, लेकिन वर्तमान स्थिति में लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने भी प्रशासन से जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत कराए जाने की मांग की है, ताकि आवागमन सुगम हो सके और दुर्घटनाओं की आशंका कम हो।

हेल्पिंग इंडिया ट्रस्ट ने नशे के खिलाफ डीजीपी से मिलकर सौंपा गया आवेदन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हज़ारीबाग, झारखंड:- हज़ारीबाग जिले में फैल रहे नशे के कारोबार को लेकर हेल्पिंग इंडिया ट्रस्ट ने गहरी चिंता व्यक्त की है। इसी क्रम में ट्रस्ट के संस्थापक सह अध्यक्ष शाहिद हुसैन ने झारखंड पुलिस के महानिदेशक से औपचारिक मुलाकात कर विस्तृत आवेदन सौंपा। मुलाकात के दौरान शाहिद हुसैन ने बताया कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों में नशीले पदार्थों का अवैध कारोबार तेजी से अपने पांव पसार रहा है। इसका सीधा असर विशेषकर युवा वर्ग पर पड़ रहा है, जिससे न केवल उनका भविष्य अंधकारमय हो रहा है, बल्कि आपराधिक गतिविधियों में भी निरंतर वृद्धि दर्ज की जा रही है। ट्रस्ट के अध्यक्ष शाहिद हुसैन ने कहा कि हेल्पिंग इंडिया ट्रस्ट विगत 4 वर्षों से लगातार नशा के विरुद्ध जागरूकता अभियान चला रहा है तथा नशा कारोबारियों के खिलाफ कड़ी एवं निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित कराने हेतु प्रशासन से लगातार समन्वय स्थापित करने का प्रयास कर रहा है। ट्रस्ट की ओर से हज़ारीबाग में निःशुल्क सेवा आधारित नशा मुक्ति केंद्र स्थापित करने की प्रस्तावित पहल की भी जानकारी दी गई। शाहिद हुसैन ने बताया कि यह केंद्र विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद लोगों के लिए वरदान साबित होगा, जिससे वे नशे की गिरफ्त से बाहर निकलकर मुख्यधारा में लौट सकेंगे। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि वर्तमान में संचालित कई नशा मुक्ति केंद्र व्यावसायिक स्वरूप में कार्य कर रहे हैं, जिससे गरीब वर्ग के लिए उपचार कठिन हो जाता है। शाहिद हुसैन ने डीजीपी से आग्रह किया कि प्रस्तावित नशा मुक्ति केंद्र की स्थापना एवं संचालन हेतु आवश्यक प्रशासनिक सहयोग, सुरक्षा एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि इस सामाजिक मुहिम को और अधिक प्रभावी एवं व्यापक बनाया जा सके। साथ ही, ट्रस्ट ने हज़ारीबाग जिले में नशा तस्करी के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर सख्त, निष्पक्ष एवं निरंतर कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की।

उपायुक्त हेमंत सती ने किया शेख़ भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंड:- उपायुक्त हेमंत सती ने 5 मई को शेख़ भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का निरीक्षण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परिसर का भ्रमण करते हुए पार्किंग व्यवस्था, एम्बुलेंस की उपलब्धता एवं उनकी संख्या की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने परिसर के अंदर सुव्यवस्थित पार्किंग सुनिश्चित करने हेतु नगर निगम को इसके संचालन की जिम्मेदारी सौंपने का निर्देश दिया। अस्पताल में मरीजों की अधिक संख्या को देखते हुए उपायुक्त ने संचालित जन औषधि केंद्र एवं दवा काउंटर की संख्या बढ़ाने का निर्देश दिया, ताकि मरीजों को समय पर एवं सहज रूप से दवाएं उपलब्ध हो सकें। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने कोल्ड चेन, विद्युत आपूर्ति सहित अन्य आधारभूत सुविधाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को कार्यरत कर्मियों, एमपीडब्ल्यू एवं रिक्त पदों की अद्यतन सूची उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, जिससे संसाधनों का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके। उपायुक्त ने नेत्र विभाग का भी निरीक्षण किया, जहां उन्होंने उपलब्ध मशीनों की जानकारी ली तथा मौके पर अपनी आंखों की जांच भी कराई। उन्होंने संबंधित चिकित्सकों से मोतियाबिंद के मरीजों के ऑपरेशन की प्रक्रिया एवं संख्या के बारे में जानकारी प्राप्त की। इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने आयुष्मान केंद्र, मेडिसिन ओपीडी, मनोरोग वार्ड, स्किन वार्ड, शिशु वार्ड, ईएनटी वार्ड, कार्डियोलॉजी वार्ड तथा डे-केयर कक्ष का सूक्ष्मता से निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं एवं सेवाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने अस्पताल प्रबंधन को मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को सुदृढ़ एवं व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। इस दौरान सदर अनुमंडल पदाधिकारी आदित्य पांडेय, सिविल सर्जन, मेडिकल सुपरिटेंडेंट व अन्य चिकित्सक मौजूद थे।

सड़क दुर्घटना में दो लोग हुए घायल सीएचसी में हुआ उपचार

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंड:- गोविंदपुर साहिबगंज हाईवे पर नारायणपुर थाना क्षेत्र के बांसपहाड़ी के समीप मंगलवार सुबह साढ़े नौ बजे हुई सड़क दुर्घटना में दो लोग घायल हो गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार नारायणपुर थाना क्षेत्र के एकतारा गांव के भूखल महतो का 20 वर्षीय पुत्र झलकू महतो अपनी चाची 35 वर्षीय मिथिला देवी को लेकर पबिया बैंक से आवास का पैसा उठाकर अपने घर बाइक से लौट आ रहे थे। थाना क्षेत्र के बांसपहाड़ी गांव के समीप विपरीत दिशा से आ रही एक ट्रक ने बाइक सवार को धक्का मार दिया जिससे गिरकर दोनों घायल हो गए। घटना के बाद दोनों घायलों का इलाज सीएचसी नारायणपुर में किए जाने के बाद मिथिला देवी को बेहतर उपचार के लिए धनबाद रेफर कर दिया गया है। इस क्षेत्र में आए दिन कहीं ना कहीं सड़क दुर्घटना हो ही जाती है तथा जान माल को नुकसान हो जाता है। सड़क दुर्घटना में रोक लगाने के सारे प्रयास विफल साबित हुए हैं।

कटरा उपचुनाव में 42 प्रतिशत हुआ मतदान

● मतदान के दौरान भारी हंगामा, कई हिरासत में

प्रत्याशियों ने चुनाव को बताया लोकतंत्र की हत्या

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तिलहर (शाहजहांपुर)। नगर पंचायत मीरनपुर कटरा के अध्यक्ष पद के उपचुनाव में मंगलवार को मतदान के दौरान कई स्थानों पर विवाद की स्थिति बनी रही। प्रशासन की ओर से शांतिपूर्ण मतदान का दावा किया गया, लेकिन हिरासत की कार्रवाई और फर्जी मतदान के आरोपों को लेकर सियासी माहौल दिनभर गरमाया रहा। मंगलवार को अपर जिलाधिकारी रजनीश मिश्रा, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दीक्षा भांवरें, एसडीम जीत सिंह राय तथा पुलिस क्षेत्राधिकार अधिकारी ज्योति यादव के नेतृत्व में सुबह 7 बजे जैसे ही मतदान शुरू हुआ। कुछ देर बाद ही आर्य कन्या इंटर कॉलेज मतदान केंद्र पर फर्जी वोटिंग के आरोप को लेकर माहौल अचानक भड़क उठा। सपा प्रत्याशी डॉ. भरत पटेल, निर्दलीय प्रत्याशी पूजा कसाना और भाजपा प्रत्याशी सोनम गुप्ता के समर्थक आमने-सामने आ गए। आरोप लगे कि सत्ता पक्ष से जुड़े लोग फर्जी मतदान कराने की कोशिश कर रहे हैं। देखते ही देखते तीखी नोकझोंक ने तनाव का रूप ले लिया और कुछ देर के लिए हालात बिगड़ गए। सूचना पर पहुंचे अधिकारियों ने सख्त कदम उठाते हुए कांग्रेस प्रत्याशी वाजिद के चुनावी रणनीतिकार व पूर्व चेयरमैन समीउश्शान खां, निर्दलीय प्रत्याशी पूजा कसाना के पति दानिश उर्फ जीशान खान, कांग्रेस नगर अध्यक्ष अच्छन खां समेत कई लोगों को हिरासत में लेकर थाने भेज दिया। इस कार्रवाई से प्रत्याशियों और उनके समर्थकों में भारी नाराजगी फैल गई और प्रशासन की मंशा पर सवाल खड़े होने लगे। हिरासत की कार्रवाई से भड़के सपा प्रत्याशी डॉ. भरत पटेल, पूजा कसाना और कांग्रेस प्रत्याशी वाजिद सहित कई उम्मीदवारों ने प्रशासन पर खुलकर पक्षपात के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन भाजपा का एजेंट के रूप में कार्य करके लोकतंत्र की हत्या कर रहा है। प्रशासनिक कार्रवाई के विरोध में कांग्रेस जिला अध्यक्ष रजनीश गुप्ता मुन्ना के नेतृत्व में जिला मुख्यालय पर धरना शुरू कर दिया गया। इस दौरान पूर्व सांसद रवि प्रकाश वर्मा, कृष्ण गोविंद मिश्रा और पवन सिंह समेत कई नेता मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं ने अपर जिलाधिकारी अरविंद कुमार को ज्ञापन सौंपते हुए चुनाव में तैनात अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठाए। जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह तथा पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित मतदान केंद्र का निरीक्षण का स्थिति का जायजा लिया। उपजिलाधिकारी जीत सिंह राय ने बताया की चुनाव में 42% मतदाताओं ने प्रतिभाग किया है।

सज-धजकर बैठी रही दुल्हन, दूल्हा नहीं लाया बरात

● झारखंड में महुआ के पेड़ की वजह से टूटी शादी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

धुरकी (गढ़वा)। गढ़वा जिला अंतर्गत धुरकी थाना क्षेत्र के करवा पहाड़ गांव से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि दुल्हन और अपने परिवार-समाज के लोगों के साथ दरवाजे पर बरात आने की इंतजार में बैठी रही, लेकिन दूल्हा और उसके परिवार वाले बरात लेकर नहीं पहुंचे। इस मामले (Groom skips Baraat Jharkhand) को लेकर लड़की के पिता ने धुरकी थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार, धुरकी थाना के करवा पहाड़ गांव निवासी रिजवान अंसारी ने अपनी पुत्री शैदा खातून की शादी गांव के ही सहबान अंसारी के पुत्र असदमुद्दीन अंसारी के साथ तय की थी। रिजवान अंसारी ने सहबान अंसारी को तिलक के रूप में एक लाख रुपया नगद दिया और दोनों परिवारों की रजामंदी के बाद शादी के लिए 3 मई की तारीख मुकर्रर की थी, परंतु रविवार को वर पक्ष वाले बरात की तारीख को बरात लेकर नहीं पहुंचे।

लड़की के पिता ने दर्ज कराई FIR

लड़की के पिता का कहना है कि शादी का कार्ड छपवा कर गांव-घर सहित नाते रिश्तेदार में वितरण हो चुका था। साथ ही विवाह के उपलक्ष्य में आयोजित प्रीतिभोज का भी आयोजन हुआ था। लोग बरात आने का सारी रात इंतजार करते रहे, लेकिन वर पक्ष के लोग बरात लेकर नहीं पहुंचे। उन्होंने दूल्हा के पिता सहबान अंसारी पर एक लाख नगद लेकर विवाह नहीं करने तथा पैसा नहीं लौटाने का आरोप लगाते हुए थाने में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। साथ ही दूल्हा के पिता सहबान अंसारी पर जमीन संबंधी विवाद करने का भी आरोप लगाया है।

जमीन को लेकर हुआ था विवाद

ग्रामीणों का कहना है कि दोनों पक्ष के बीच शादी तय होने के बाद जमीन तथा महुआ के पेड़ को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ था। जिसको लेकर एक बैठक भी हुई थी, परंतु बैठक का कोई सकारात्मक प्रभाव वर पक्ष के लोगों पर नहीं पड़ा। नतीजा रहा कि निर्धारित तिथि को बरात नहीं पहुंच पाया। फलस्वरुप लड़की सहित कन्या पक्ष के लोगों के सारे अरमानों पर पानी फिर गया। इस घटना के बाद से दुल्हन के साथ-साथ उसके परिवार के लोगों की तबीयत खराब बताई जा रही है। इस मामले को लेकर दूल्हे के पिता सहबान अंसारी ने कहा कि बरात जाना तय हुआ था, परंतु लड़की पक्ष के लोगों का रवैया संतोषजनक नहीं होने के कारण बरात नहीं गई। इसके लिए उन्होंने दुल्हन पक्ष के लोगों को कसूरवार बताया है।

औचक निरीक्षण में सख्त दिखीं आयुक्त कुमुद सहाय

● चंदवा अंचल कार्यालय को दी समयबद्ध सेवा और पारदर्शिता की नसीहत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लातेहार, झारखंड:- प्रमंडलीय आयुक्त कुमुद सहाय ने मंगलवार को जिले के चंदवा अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रशासनिक कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए कार्यालय में संधारित विभिन्न दस्तावेजों, अभिलेखों एवं पंजियों का बारीकी से अवलोकन किया। आयुक्त ने कार्यों में पारदर्शिता, तत्परता और जवाबदेही सुनिश्चित करने को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से लंबित प्रमाण पत्रों, दाखिल-खारिज मामलों एवं अन्य राजस्व संबंधी आवेदनों की स्थिति की जानकारी ली और सभी लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा कि आम जनता को समयबद्ध और सुगम सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। सरकारी कार्यालयों में आने वाले लोगों को अनावश्यक विलंब का सामना न करना पड़े, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। राजस्व संग्रहण की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि राजस्व संग्रहण में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और तय समय सीमा के भीतर लक्ष्य हासिल करने के लिए ठोस एवं प्रभावी पहल सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों में हलचल देखी गई और सभी को अपने-अपने कार्यों में सुधार लाने के निर्देश दिए गए।

गोपालगंज में सद्भाव यात्रा के क्रम में निशांत कुमार का होगा आगमन - प्रमोद कुमार पटेल

गोपालगंज (बिहार)- पार्टी के सभी प्रखंड अध्यक्षों, विभिन्न प्रकोष्ठों के पूर्व जिला अध्यक्षों, नगर अध्यक्षों एवं जिला के सभी वरीय पदाधिकारियों को सूचित किया जाता है कि गोपालगंज में दिनांक 10-05-2026 को प्रस्तावित 'सद्भाव यात्रा' के क्रम में बिहार के भविष्य श्री निशांत कुमार का आगमन संभावित है। उक्त कार्यक्रम की तैयारी हेतु एक आवश्यक बैठक कल दिनांक 06-05-2026 को प्रातः 11:30 बजे, गोपालगंज अतिथि गृह के मीटिंग हॉल में आयोजित की गई है। इस बैठक की अध्यक्षता जदयू जिला अध्यक्ष श्री प्रमोद कुमार पटेल करेंगे। अतः आप सभी से सादर अनुरोध है कि निर्धारित समय पर बैठक में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें।

दिनदहाड़े सब्जी विक्रेता की बाइक चोरी

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक स्वतंत्र प्रभात www.swatantraprabhat.com जो लिखेगा, वही टिकेगा
ब्रेकिंग न्यूज़

गोपीगंज। थाना क्षेत्र अंतर्गत जंगीगंज धनतुलसी मार्ग पर दिनदहाड़े एक सब्जी विक्रेता की मोटरसाइकिल चोरी हो गई। मैलौना निवासी सियाराम बिन्द ने बताया कि 28 अप्रैल 2026 को दोपहर करीब 1:30 बजे वह सड़क किनारे ठेला लगाकर सब्जी बेच रहा था। इसी दौरान उसकी पैशन प्रो बाइक (संख्या P-66-P-1640) ठेले के सामने खड़ी थी, जिसे अज्ञात चोर उठा ले गए। घटना की सूचना तत्काल मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी को दी गई, लेकिन काफी तलाश के बाद भी बाइक का पता नहीं चल सका। पीड़ित की तहरीर पर गोपीगंज थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

थाना ज्ञानपुर पुलिस को बड़ी सफलता, अंतर्जनपदीय गैंगस्टर गिरोह का आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना ज्ञानपुर पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक भदोही अभिनव त्यागी के निर्देशन में की गई कार्रवाई के दौरान अंतर्जनपदीय गैंगस्टर गिरोह से जुड़े एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह संगठित रूप से विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहा है। गिरोह का सरगना संतोष यादव निवासी गोपीगंज (भदोही) अपने साथियों ऊषा देवी (बिजनौर), आकाश गुप्ता (मेरठ) एवं रोहतास बाबरिया (राजस्थान) के साथ मिलकर अपराधों को अंजाम देता था। गिरोह पर आरोप है कि यह भोली-भाली लड़कियों को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने तथा उनके साथ गंभीर अपराध करने जैसी घटनाओं में शामिल रहा है। गिरोह के प्रभाव के कारण स्थानीय लोग इनके विरुद्ध शिकायत या गवाही देने से कतराते थे। इस संबंध में थाना ज्ञानपुर पर गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम, 1986 की धारा 3(1) के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया था। इसी क्रम में 05 मई 2026 को पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए आरोपी आकाश गुप्ता (31 वर्ष), निवासी ख्वाजमपुर माजरा, थाना रोहटा, जनपद मेरठ को मेरठ से गिरफ्तार कर लिया। आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। आरोपी के विरुद्ध थाना ज्ञानपुर में वर्ष 2025 में दर्ज एक मामले में बीएनएस की विभिन्न धाराओं के साथ-साथ पॉक्सो एक्ट एवं एससी/एसटी एक्ट के तहत भी मुकदमा पंजीकृत है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक अक्षय लाल भारती, उपनिरीक्षक संतोष कुमार पाण्डेय एवं हेड कांस्टेबल राजनाथ यादव, थाना ज्ञानपुर, जनपद भदोही।

बासी दूध पीने से एक ही परिवार के 7 लोग बीमार

● जांच में बैक्टीरियल संक्रमण की आशंका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रांची। नामकुम प्रखंड के विशाखाटांगा गांव में बासी दूध से बने उत्पाद के सेवन से एक ही परिवार के सात लोग फूड प्वाइजनिंग का शिकार हो गए। प्रभावितों में तीन बच्चे भी शामिल हैं। सभी को उपचार के बाद स्वस्थ कर लिया गया है। घटना 29 अप्रैल है, जब पीड़ित बच्चों के स्वजनों ने रिश्तेदार के यहां से लाया गया खीरा-खीरसा (कोलोस्ट्रम दूध उत्पाद) खाया था, जिसके बाद सभी की तबीयत बिगड़ गई। मामले की सूचना मिलने पर जिला खाद्य सुरक्षा की छह सदस्यीय टीम ने गांव पहुंचकर जांच की। जांच के दौरान पता चला कि संबंधित दूध उत्पाद 2-3 दिन पहले तैयार किया गया था और उसे फ्रीज में रखा गया था, जिसे बाद में लाकर खाया गया। चूंकि उत्पाद पहले ही खाया जा चुका था, इसलिए उसका नमूना नहीं लिया जा सका। हालांकि प्रारंभिक जांच में बासी दूध उत्पाद में बैक्टीरियल संक्रमण को फूड प्वाइजनिंग का संभावित कारण माना गया है।

उबालकर ही पियें दूध

अभिहित अधिकारी-सह-उपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी रांची डॉ. अमरेश प्रसाद ने बताया कि दूषित या बिना उबाले दूध का सेवन तथा सही तरीके से स्टोरेज नहीं करने पर बैक्टीरिया तेजी से पनपते हैं, जिससे फूड प्वाइजनिंग हो सकती है। उन्होंने बताया कि दूषित भोजन करने के 1 से 24 घंटे के भीतर जी मचलना, उल्टी, पेट में मरोड़, दस्त, बुखार, सिरदर्द, शरीर में कमजोरी जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि ऐसे लक्षण दिखने पर अधिक से अधिक तरल पदार्थ लें और हल्का सुपाच्य भोजन करें। स्थिति गंभीर होने पर तुरंत डाक्टर से संपर्क करें। मौके पर मौजूद खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी डॉ. पवन कुमार ने ग्रामीणों को जागरूक करते हुए कहा कि फूड प्वाइजनिंग से बचाव के लिए दूध को अच्छी तरह उबालकर ही उपयोग करें, खाद्य पदार्थों को सही तापमान पर सुरक्षित रखें, बर्तनों की साफ-सफाई का विशेष ध्यान दें और बासी भोजन के सेवन से बचें। जांच टीम में डॉ. अमरेश प्रसाद, डॉ. पवन कुमार, सीएचओ प्रीति खलखो, एएनएम किरण तिर्की, एमपीडब्ल्यू पुष्पा टोप्पो एवं स्वास्थ्य सहिया सुमित्रा देवी शामिल थीं।

संक्षिप्त खबरें

रेलवे फाटक पर ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

उरई (जालौन) कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला शांति नगर में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसा घटित हो गया। 58 वर्षीय माया देवी की रेलवे फाटक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, माया देवी रेलवे फाटक पार कर रही थी। इसी दौरान अचानक तेज रफ्तार से आ रही ट्रेन की चपेट में वह आ गई। हादसा इतना भीषण था कि उन्होंने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। आसपास मौजूद लोगों में घटना के बाद अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही घटना के संबंध में परिजनों को भी सूचित कर दिया गया है। प्राथमिक जांच में यह हादसा असावधानी के कारण हुआ प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

घर में घुसकर महिला से मारपीट, पांच के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

कोंच(जालौन)- कोतवाली क्षेत्र के आजाद नगर मोहल्ले में रविवार की रात घर में घुसकर महिला के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने मोहल्ले के ही पांच लोगों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की थी। आजाद नगर निवासी चन्दा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह रविवार रात अपने घर के अंदर घरेलू काम कर रही थी। इसी दौरान मोहल्ले के ऐहजाद, शहजाद और माजिद अली उसके दरवाजे पर पहुंचे और दरवाजे में लात मारने लगे। कुंडी खुलते ही तीनों घर में घुस आए और उसे पकड़कर लाठी-डंडों से मारपीट करने लगे। पीड़िता का आरोप है कि शोर सुनकर आरोपियों के घर की महिलाएं तराविया और चांद बानो भी मौके पर पहुंच गई और गुम्मा-पत्थर मारने लगीं, जिससे उसके हाथ में गंभीर चोट आई और शरीर पर कई जगह चोटें आई। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो इसरार निवासी आजाद नगर और फरीद निवासी आराजी लेन भी वहां आ गए। लोगों को आता देख सभी आरोपी गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। कोतवाली पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर ऐहजाद, शहजाद, माजिद, तराविया और चांद बानो के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी जाए।

पेट्रोल पंप के पास खड़ा ट्रैक्टर चोरी, पुलिस से कार्रवाई की मांग

कोंच (जालौन)- कोतवाली क्षेत्र में अज्ञात चोरों द्वारा ट्रैक्टर चोरी किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। ग्राम चन्दुर्रा निवासी राज भाटिया ने तहरीर देकर बताया कि 3 मई की रात वह अपना ट्रैक्टर भाड़े से लौटकर एट रोड स्थित ग्राम अण्डा के पास एक पेट्रोल पंप पर खड़ा कर घर चले गए थे और घर से वह एक निमंत्रण कार्यक्रम में शामिल होने चले गए। सुबह जब वह वापस पेट्रोल पंप पहुंचे तो उनका ट्रैक्टर वहां नहीं मिला। काफी तलाश करने के बाद भी ट्रैक्टर का कोई सुराग नहीं लगा। पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर ट्रैक्टर बरामद करने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि ट्रैक्टर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

दुष्कर्म के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

जखौरा पुलिस ने कार्रवाई कर आरोपी को भेजा न्यायालय

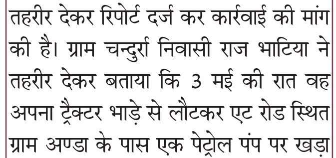

ललितपुर। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत उत्तर प्रदेश पुलिस की जखौरा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना जखौरा पुलिस ने दुष्कर्म के मामले में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया। पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह तथा क्षेत्राधिकारी सदर सुनील कुमार भारद्वाज के निकट पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार थाना जखौरा में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 112/26, धारा 64(1), 87, 351(3) बीएनएस के तहत वांछित आरोपी ग्राम बसवां निवासी बृजपाल सिंह पुत्र बाबूलाल राजपूत को 4 मई 2026 को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी को नियमानुसार न्यायिक अभिरक्षा हेतु न्यायालय के समक्ष पेश किया। कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार बैस के नेतृत्व में जखौरा पुलिस टीम द्वारा की गई।

हरियाणा के नूंह में भीषण सड़क हादसा: जालौन के 4 पुलिसकर्मियों समेत 5 की मौत

● अपहरण के केस में दबिश देने गए थे हरियाणा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उरई (जालौन)- मंगलवार की सुबह हरियाणा के नूंह जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पांच जिंदगियां छीन लीं। कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार स्कॉर्पियो के अनियंत्रित होकर टकराने से उत्तर प्रदेश पुलिस के चार जवानों समेत कुल पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक सभी पुलिसकर्मी जालौन जिले के उरई मुख्यालय में तैनात थे। यह हादसा सुबह करीब साढ़े दस बजे ताउम्र सदर थाना क्षेत्र के धुलावट टोल प्लाजा के पास हुआ।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, काले रंग की स्कॉर्पियो पलवल की ओर जा रही थी। इसी दौरान चालक ने आगे चल रहे वाहन को ओवरटेक करने की कोशिश की, लेकिन तेज रफ्तार के कारण वाहन का संतुलन बिगड़ गया और वह सामने वाले वाहन से जोरदार टक्कर मार बैठी। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार सभी लोग बुरी तरह फंस गए। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मौके पर ही सभी पांचों की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे। ताउम्र सदर थाना प्रभारी शीशराम के अनुसार, गाड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी थी और शव अंदर बुरी तरह फंसे हुए थे। रेस्क्यू टीम को शव निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। बाद में सभी शवों को बाहर निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए नजदीकी अस्पताल भेज दिया गया। मौके से मिले पहचान पत्रों के आधार पर चार पुलिसकर्मियों की पहचान कर ली गई है। इनमें उपनिरीक्षक मोहित कुमार यादव, उपनिरीक्षक सत्यभान सिंह और सिपाही अशोक व सिपाही प्रदीप सहित मुकदमा वादी पंजाब के संगरूर निवासी अमरीक सिंह शामिल हैं।

मृतक चारों पुलिसकर्मी उरई कोतवाली में तैनात थे। चारों पुलिसकर्मी अपहरण के केस में दबिश देने के लिए हरियाणा गए हुए थे। पुलिस के मुताबिक, दुर्घटनाग्रस्त स्कॉर्पियो हरियाणा के जींद आरटीओ में रजिस्टर्ड थी और बताया जा रहा है कि वाहन नया था। हादसे के बाद यह पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही से ओवरटेक को हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।मृतकों के परिजनों से संपर्क किया जा रहा है और शवों को उनके गृह जनपद भेजने की प्रक्रिया जारी है। इस हादसे के बाद उत्तर प्रदेश पुलिस महकमे में गहरा शोक व्याप्त है। वहीं हादसे के बाद यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिसकर्मियों के निधन पर दुख जताया है और मृतकों के परिजनों के प्रति मुख्यमंत्री ने संवेदना व्यक्त की है।

सोनभद्र पुलिस की बड़ी सफलता,मानव तस्करी/पॉक्सो एक्ट से संबंधित मामले में वांछित 01 नफर अभियुक्त गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश- पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद में मानव तस्करी एवं पॉक्सो एक्ट जैसे गंभीर अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार के निर्देशन मे एवं क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर कुमार मिश्र के कुशल पर्यवेक्षण एवं प्रभारी निरीक्षक थाना रॉबर्ट्सगंज के नेतृत्व में थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा प्रभावी कार्यवाही करते हुए महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की गई।थाना रॉबर्ट्सगंज पर पंजीकृत मु0अ0सं0-177/2026 धारा 137(2), 143(4), 61(2), 351(3) 64(2)रू बीएनएस तथा धारा 16/17 व 5रु6, 5छ्(2)/6 पॉक्सो एक्ट से संबंधित प्रकरण में वांछित अभियुक्त राहुल कुमार पुत्र अशोक कुमार उपाध्याय निवासी पक्की सराय, थाना सासनी गेट, जनपद अलीगढ़ को दिनांक 04.05.2026 को रेलवे स्टेशन रॉबर्ट्सगंज के सर्कुलेटिंग एरिया से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम द्वारा जनपद अलीगढ़ में दबिश दी गई थी, किन्तु अभियुक्त लगातार फरार चल रहा था। तत्पश्चात मुखबिर की सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय के समक्ष भेजा जा रहा है। पूछताछ के दौरान अभियुक्त द्वारा बताया गया कि उसने सहअभियुक्तों के माध्यम से पीड़िता को लगभग ?1,20,000 में खरीदकर उससे विवाह किया तथा उसके साथ शारीरिक संबंध स्थापित किए, जिसके परिणामस्वरूप पीड़िता गर्भवती हो गई। घटना के बाद अभियुक्त गिरफ्तारी से बचने हेतु लगातार फरार चल रहा था। पंजीकृत अभियोग- मु0अ0सं0-177/2026 धारा 137(2), 143(4), 61(2), 351(3) सहपठित धारा 64(2)रू बीएनएस एवं धारा 16/17 व 5रु6, 5J(2)/6 पॉक्सो एक्ट थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में मुख्य रूप से प्र0नि0 माधव सिंह, थाना पन्नूगंज, जनपद सोनभद्र(विवेचक), प्र0नि0 रामदरश राम, थाना एएचटी , एसओजी टीम सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे। जनपद पुलिस द्वारा मानव तस्करी एवं पॉक्सो जैसे गंभीर अपराधों के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी है तथा ऐसे अपराधों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है।

साइकिल से सड़क पर गिरे व्यक्ति की हुई मौत

कोंच(जालौन)- साइकिल पर सवार होकर घमूरी गांव जा रहे 47 वर्षीय व्यक्ति की अचानक साइकिल से सड़क पर गिरकर मौत हो जाने की घटना सामने आयी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कोतवाली क्षेत्र के ग्राम ऊमरी निवासी आनंद कुमार (47) पुत्र स्व. गोरेलाल बीते करीब 20 सालों से फरीदाबाद में रहकर कपड़ों की सिलाई का काम करते थे। यहां परिवार में आयोजित शादी समारोह में शामिल होने के लिए वह तीन दिन पहले ही अपने गांव आए हुए थे। सोमवार की शाम करीब 4 बजे वह समीपस्थ गांव घमूरी में किसी काम से जाने के लिए साइकिल से निकले थे। घमूरी गांव पहुंचने से पहले ही आनंद अचानक साइकिल से सड़क पर गिर पड़े और अचेत हो गए।

वहीं मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने आनन फानन उपचार के लिए उन्हें सीएचसी कोंच पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने स्वास्थ्य जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन सीएचसी पहुंच गए और कोहराम मच गया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा, जिसके अनुरूप ही अग्रिम कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। फिलहाल आशंका जताई जा रही है कि साइकिल से सड़क पर गिरने से पहले शायद हार्ट अटैक या चक्कर आया हो।

एसडीएम कार्यालय के पेशकार पर भ्रष्टाचार और अधिवक्ताओं से अभद्रता का आरोप

● अधिवक्ताओं ने लामबंद होकर जिलाधिकारी के नाम एडीएम से की शिकायत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। उपजिलाधिकारी कार्यालय में तैनात एक पेशकार और अन्य कर्मचारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार और अधिवक्ताओं के साथ गाली-गलौज करने का गंभीर मामला सामने आया है। स्थानीय अधिवक्ताओं ने सामूहिक रूप से जिलाधिकारी के नाम अपर जिलाधिकारी अंकुर श्रीवास्तव को पत्र सौंपकर कठोर कार्रवाई की मांग की है। अधिवक्ताओं द्वारा दिए गए शिकायती पत्र के अनुसार, अधिवक्ता रमाकांत सिरौठिया और उनके साथी विशाल तिवारी से एसडीएम कार्यालय में तैनात पेशकार और कर्मचारी पर अवैध धन (रिश्वत) की मांग करने के आरोप लगे हैं। पत्र में कहा गया है कि शांति भंग के मामलों में जमानत के लिए आने वाले मुलजिमों को छोड़ने के एवज में अवैध वसूली की जाती है। शिकायत में उल्लेख है कि 4 मई 2026 की शाम करीब 6 से 7 बजे के बीच, जब अधिवक्ता अपने मुवक्किलों की पैरवी के लिए कार्यालय में थे, तब पेशकार विकास श्रीवास्तव ने उनके साथ बेहद अभद्र व्यवहार किया। आरोप है कि पेशकार ने वकीलों को चोर और दलाल जैसे अपशब्द कहे और उन्हें अपमानित किया। अधिवक्ताओं का कहना है कि मौके पर पुलिस भी बुलाई गई थी, लेकिन कर्मचारियों ने पुलिस के सामने भी अपना अड़ियल रवैया जारी रखा। पत्र में यह भी दावा किया गया है कि कार्यालय में कुछ प्राइवेट व्यक्ति भी अवैध रूप से न्यायिक कार्यों में हस्तक्षेप कर रहे हैं। ज्ञापन देते समय गोविन्दनारायण सक्सेना, हेमंत चौधरी, महेंद्र जैन, आनंद चतुर्वेदी, रमाकांत सिरौठिया, विशाल तिवारी, विकास, रविंद्र, विशाल चौहान, शेरसिंह यादव, हेमंत चौबे, पुष्पेन्द्र गोस्वामी आदि अधिवक्ता ज्ञापन देते समय उपस्थित रहे।

कैमरों फुटेज खंगालने की मांग

अधिवक्ताओं ने जिलाधिकारी से निवेदन किया है कि कार्यालय में लगे कैमरों की जांच की जाए, जिससे घटना की सत्यता सामने आ सके।

जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते अधिवक्ता

उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि भ्रष्टाचार में लिप्त इन कर्मचारियों और अवैध रूप से काम कर रहे बाहरी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो वह आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

प्रमुख मांगें भ्रष्टाचार और अवैध वसूली की निष्पक्ष जांच हो, अधिवक्ताओं से अभद्रता करने वाले पेशकार और कर्मचारियों पर दंडात्मक कार्रवाई की जाए, कार्यालय में अवैध रूप से काम कर रहे प्राइवेट लोगों को तुरंत हटाया जाए। इस मामले में अब सबकी नजरें जिलाधिकारी के अगले कदम पर टिकी हैं।

यूपी स्पोर्ट्स कॉलेजों में प्रवेश के लिए आवेदन शुरू

15 से 25 मई तक होगी चयन परीक्षा

कक्षा 6, 9 और 11 में दाखिले हेतु खिलाड़ियों से ऑनलाइन आवेदन मांगे गए

ललितपुर। खेल प्रतिभाओं के लिए अच्छी खबर है। खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश के निर्देशानुसार सत्र 2026-27 के लिए उत्तर प्रदेश स्पोर्ट्स कॉलेज सोसाइटी के अधीन संचालित विभिन्न खेल महाविद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके तहत कक्षा 6, 9 एवं 11 में प्रवेश के लिए प्रारंभिक चयन परीक्षा 15 से 25 मई 2026 तक आयोजित की जाएगी। प्रवेश प्रक्रिया उत्तर प्रदेश स्पोर्ट्स कॉलेजेज सोसाइटी के अंतर्गत संचालित गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज, वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज, मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स कॉलेज, स्पोर्ट्स कॉलेज फतेहपुर और स्पोर्ट्स कॉलेज सहारनपुर में की जा रही है। चयन प्रक्रिया में क्रिकेट, हॉकी, फुटबॉल, वॉलीबॉल, एथलेटिक्स, जिम्नास्टिक, कुश्ती, तैराकी, कबडडी, जूडो, बैडमिंटन, बॉक्सिंग, हैंडबॉल और भारोत्तोलन सहित 14 खेलों में बालक एवं बालिका वर्ग के खिलाड़ियों को मौका मिलेगा। झांसी मंडल के अभ्यर्थियों की प्रारंभिक चयन परीक्षा 21 एवं 22 मई 2026 को एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित होगी। चयन परीक्षा प्रतिदिन सुबह 7 बजे से शुरू होगी। ऑनलाइन आवेदन के लिए अभ्यर्थियों को 200 रुपये शुल्क जमा करना होगा। आवेदन के लिए आयु सीमा, शैक्षणिक योग्यता एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज निर्धारित किए गए हैं। इच्छुक खिलाड़ी कॉलेज की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। खेल विभाग ने खिलाड़ियों और अभिभावकों से समय रहते आवेदन कर चयन प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की है। यह अवसर प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

जेवर और नगदी चोरी की शिकायत करने पर महिला संग मारपीट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- जेवरात और नकदी चोरी की शिकायत कोतवाली में करने पर मारपीट का एक गंभीर मामला सामने आया है, जिसने इलाके में सनसनी फैला दी है। पीड़ित महिला की अगर मानें तो वह बसोब गांव में एक विवाह समारोह में आई थी जहां कथित तौर पर उसके बैग से जेवरात और नकदी चोरी हो गई जसकी शिकायत कोतवाली में करने के बाद वह दूसरे रिश्तेदार के यहां तीतरा खलीलपुर गांव चली गई जहां उसके साथ मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया। जानकारी के अनुसार, झांसी जनपद के मऊरानीपुर निवासी संगीता कुशवाहा 30 अप्रैल को अपने जीजा के यहां आयोजित शादी समारोह में शामिल होने बसोब गांव आई थी।

रात में सोते समय उसने अपना बैग, जिसमें सोने-चांदी के जेवरात, कपड़े और करीब 32 हजार रुपये नकद थे, घर की एक महिला को सुरक्षित रखने के लिए दे दिया था। आरोप है कि देर रात करीब 2:30 बजे घर में हलचल हुई और कुछ लोग बैग लेकर जाते दिखाई दिए। पूछने पर उन्होंने सामान दूसरे कमरे में रखने की बात कही। सुबह पीड़िता ने बैग वापस लिया और चार पहिया वाहन से अपने मायके महोबा पहुंची और वहां से ट्रेन द्वारा अपने घर मऊरानीपुर पहुंची। वहां बैग खोलकर देखा तो उसमें रखे जेवरात और नकदी गायब थे। पीड़िता सोमवार को बसोव आई और उसने जब जेवरात और नकदी के बारे में पूछा तो आरोपियों ने पहले टालमटोल किया और बाद में साफ इन्कार कर दिया। मामले की शिकायत पीड़िता ने सोमवार को ही कोतवाली में कर दी। इसके बाद वह अपने परिजनों के साथ अपनी एक अन्य बहन के घर ग्राम तीतरा खलीलपुर पहुंची जहां शिकायत से नाराज होकर उसकी बहन के जेठ ने सोमवार देर रात पीड़ित महिला व उसके परिजनों के साथ मारपीट कर दी। इस घटना में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला को सूचना पर पहुंची यूपी 112 ने तत्काल उपचार के लिए सीएचसी कोंच में भर्ती कराया जहां उसकी मरहम पट्टी की गई। वहीं मारपीट की घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पीड़िता ने पुलिस से चोरी गए जेवरात और नकदी की बरामदगी के साथ ही आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। कोतवाल ब्रजेश बहादुर ने कहा शिकायती पत्र के आधार पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

उधारी के रुपए मांगने पर ग्राहक ने दुकानदार का फोड़ा सिर

कोंच(जालौन)- उधार दिए मुर्गा के रूपये मांगने पर शुरू हुई कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया जिसके चलते ग्राहक ने दुकानदार को पत्थर मारकर घायल कर दिया। बताया जा रहा है कि दोनों ही नशे में थे। जानकारी के अनुसार मोहल्ला आराजीलेन निवासी मीट दुकानदार रहीश ने एक ग्राहक को कुछ दिन पहले मुर्गा उधार दिया था। सोमवार को रहीश ने उक्त ग्राहक से उधारी के 540 रुपये वापस मांगे तो ग्राहक नाराज हो गया। बताया जा रहा है कि कहासुनी के दौरान ग्राहक और दुकानदार दोनों ही नशे की हालत में थे जिसके चलते गाली-गलौज के साथ ही दोनों के बीच मारपीट होने लगी। इसी दौरान ग्राहक ने सड़क पर से पत्थर उठाकर रहीश को मार दिया जिससे वह लहूलुहान हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह बीच-बचाव कर रहीश को ग्राहक से छुड़ाया और अस्पताल पहुंचाया। घायल दुकानदार रहीश ने मामले की शिकायत पुलिस से की है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की पहचान कर उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन, सोनभद्र के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का 15 मई को होगा शपथ ग्रहण समारोह

● मुख्यअतिथि यूपी बार काउंसिल के पूर्व चेयरमैनगण हरिशंकर सिंह एडवोकेट व पांचू राम मौर्य एडवोकेट दिलाएंगे शपथ

विशिष्ट अतिथि सांसद छोटेलाल सिंह खरवार व एमएलसी स्नातक क्षेत्र वाराणसी आशुतोष सिन्हा एडवोकेट रहेंगे मौजूद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश -डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन, सोनभद्र की मंगलवार को एक आवश्यक बैठक डीबीए भवन में हुई, जिसमे सत्र 2025-26 के लिए नवनिर्वाचित अध्यक्ष एड अरुण कुमार सिंह, महामंत्री एड राजेन्द्र कुमार यादव एवं समस्त कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह के सम्बंध में विचार-विमर्श किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से 15 मई को पूर्वान्ह 11.00 बजे तहसील सभागार रॉबर्ट्सगंज में शपथग्रहण समारोह के आयोजन का निर्णय लिया गया है। मीडिया प्रभारी राजेश यादव एडवोकेट ने बताया कि मुख्यअतिथि यूपी बार काउंसिल के पूर्व चेयरमैनगण हरिशंकर सिंह एडवोकेट एवं पांचूराम मौर्य एडवोकेट द्वारा नवनिर्वाचित पदाधिकारियों व कार्यकारिणी को शपथ दिलाई जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि विशिष्ट अतिथि के रूप में सांसद छोटे लाल सिंह खरवार व आशुतोष सिन्हा एडवोकेट एमएलसी स्नातक क्षेत्र वाराणसी भी मौजूद रहेंगे। इसके अलावा जनपद के वरिष्ठ अधिवक्तागण, न्यायिक अधिकारीगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे।

मीडिया प्रभारी राजेश यादव एड ने कहा कि अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा और न्याय व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए हम सब प्रतिबद्ध हैं।

डीबीए के उपाध्यक्ष चतुर्भुज शर्मा एडवोकेट ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए एसोसिएशन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प दोहराया। बैठक की अध्यक्षता निवर्तमान अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट व संचालन पूर्व उपाध्यक्ष कामता प्रसाद यादव एडवोकेट ने किया। इस अवसर पर श्याम विहारी यादव एड, पवन कुमार सिंह एड, पूर्व अध्यक्ष विंध्यवासिनी सिंह एड, राजेश कुमार यादव एड, संतोष कुमार यादव एड, विमल प्रसाद सिंह एड, विनीता एड,द्वारिका नाथ नागर एड, आशुतोष देव पांडेय एड, अभिषेक मौर्य एड आदि लोग मौजूद रहे।

छियालीस साल बाद भी नहीं हुआ जमीन का उपयोग

● किसानों ने भूमि वापसी की उठाई मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। जिले के ग्राम चौंरसिल के किसानों ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर अपनी अधिग्रहित भूमि वापस दिलाने की मांग उठाई है। किसानों का कहना है कि वर्ष 1979-80 में राजघाट बांध परियोजना के लिए उनकी करीब 90 प्रतिशत भूमि सरकार द्वारा अधिग्रहित कर ली गई थी, लेकिन 46 वर्ष बीत जाने के बाद भी उस भूमि का कोई उपयोग नहीं किया गया। प्रार्थना पत्र में किसानों ने बताया कि इतने लंबे समय से वह अपनी जमीन पर खेती कर परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। शासनादेश के अनुसार यदि अधिग्रहित भूमि का 20 वर्षों तक उपयोग नहीं होता है, तो उसे किसानों को वापस किया जाना चाहिए, लेकिन अब तक ऐसा नहीं किया गया। किसानों का आरोप है कि बिना किसी सूचना के उनकी कुछ जमीन वन विभाग के नाम दर्ज कर दी गई, जिससे वे और अधिक परेशान हो गए हैं। उन्होंने मांग की है कि गलत तरीके से किए गए भूमि हस्तांतरण को निरस्त किया जाए और जमीन पुनः सिंचाई विभाग/राजघाट परियोजना या सीधे किसानों के नाम दर्ज की जाए। ग्रामीणों

एडीएम को ज्ञापन सौंपते किसान

ने जिलाधिकारी से आह्वान किया है कि उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 2006 के प्रावधानों के तहत उनकी भूमि उन्हें वापस दिलाई जाए, ताकि वे अपनी खेती कर अपने परिवार का पालन-पोषण कर सकें। इस संबंध में गांव के कई किसानों में हरदयाल सिंह लोधी एड., जगभान सिंह, रामचरन, पृथ्वी सिंह, बृजेन्द्र सिंह, राजाभैया, जशरथ सिंह, रूप सिंह, संतोष सिंह, मौसालाल, चंदन, हरचरन, अदीश यादव, प्रताप, भानसिंह, विकास, रामदास, रामसेवक, अमर सिंह, विन्द्रावन, श्रीराम, देवेन्द्र, नीलू राजा, जसवेन्द्र, पुष्पेन्द्र राजा, अजय सिंह, सेंदपाल सिंह, सोबरन सिंह, रामराजा सिंह, मुन्नासिंह, राजपाल सिंह, लक्ष्मी अहिरवार, पारवी अहिरवार, आशा, मुन्नी अहिरवार, अनन्तराम अहिरवार, शरद अहिरवार, प्यारेलाल के अलावा अनेकों किसानों ने हस्ताक्षर व अंगूठा लगाकर प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की है।

बीजपुर पुलिस की कार्यवाही, 02 माह से फरार डीपी एक्ट में वांछित 01 अभियुक्त व 01 अभियुक्ता गिरफ्तार

बीजपुर/सोनभद्र- पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा वांछित/वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक (आप0) ऋषभ रुणवाल व क्षेत्राधिकारी दुद्धी राजेश कुमार राय के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष बीजपुर राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में थाना बीजपुर पुलिस द्वारा प्रभावी कार्यवाही की गई। दिनांक 05.05.2026 को उ0नि0 शिवमोहन मय हमराह पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 09/26 धारा 85, 80(2) बीएनएस व ड डीपी एक्ट से संबंधित वांछित अभियुक्तगण, जो विगत लगभग 02 माह से फरार चल रहे थे, की तलाश में दबिश दी गई। उक्त कार्यवाही के दौरान अभियुक्त गिरदावल पुत्र गंगाराम उम्र करीब 45 वर्ष एवं अभियुक्ता नगेसरी देवी पत्नी गिरदावल उम्र करीब 42 वर्ष निवासीगण ग्राम महुली थाना बीजपुर जनपद सोनभद्र को उनके निवास स्थान से दिनांक 05.05.2026 को समय करीब 05:05 बजे प्रातः गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त/अभियुक्ता को आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में मुख्य रूप से राजेश कुमार सिंह, थानाध्यक्ष बीजपुर, उ0नि0 शिवमोहन , का0 कृष्ण कुमार गुप्ता, रि0म0का0 प्रियंका शामिल रहे।

कम्पनी बाग में प्रस्तावित निविदा पर पुनर्विचार की मांग

● पूर्व नपाध्यक्ष सुभाष जायसवाल ने डीएम को भेजा पत्र

जनहित में वैकल्पिक स्थान पर कार्य कराने की उठी मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। शहर के ऐतिहासिक राजकीय चंद्रशेखर आजाद उद्यान (कम्पनी बाग) में प्रस्तावित निविदा कार्य को लेकर स्थानीय नागरिकों एवं सामाजिक संगठनों ने चिंता व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी से पुनर्विचार की मांग की है। इस संबंध में मंगलवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर जनहित में प्रस्तावित कार्य को वैकल्पिक स्थान पर कराने का अनुरोध किया गया। ज्ञापन में बताया गया कि जिला उद्यान अधिकारी ने 04 मई 2026 को पत्रांक-69 ई-टेंडर/2026-27 के माध्यम से कंपनी बाग को दीर्घकालीन अवधि के लिए आउटसोर्सिंग एजेंसी को सौंपने संबंधी प्रक्रिया शुरू की गई है। इसमें पार्क में विभिन्न जन सुविधाएं विकसित करने के साथ यूजर चार्ज वसूले जाने का भी प्रावधान बताया गया है। उनका कहना है कि कम्पनी बाग शहर का प्रमुख सार्वजनिक उद्यान है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं एवं आम नागरिक भ्रमण, व्यायाम और मनोरंजन के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में किसी प्रकार का शुल्क लागू होने से आम लोगों की पहुंच प्रभावित हो सकती है। पत्र में यह भी मांग की गई कि यदि जन सुविधाओं से संबंधित कोई नया कार्य प्रस्तावित है, तो उसे शहर के अन्य उपयुक्त स्थानों जैसे कर्मा बाई पार्क या चिल्ड्रन पार्क में कराया जाए, जहां उसका अधिक सुविधाजनक और उपयोगी उपयोग हो सके। साथ ही पार्क का संचालन उद्यान विभाग अथवा वर्तमान व्यवस्था के तहत ही बनाए रखने की मांग की गई। नागरिकों ने जिलाधिकारी से मामले में जनहित को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित निविदा प्रक्रिया पर पुनर्विचार कर उचित निर्णय लेने की अपील की है।

संक्षिप्त खबरें

फजलगंज पुलिस का बड़ा एक्शन, ऑनलाइन IPL सट्टा गिरोह का भंडाफोड़

कानपुर। फजलगंज पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने ऑनलाइन IPL सट्टा गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में नकदी समेत इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए गए हैं। पुलिस कार्रवाई के दौरान मौके से ?1,04,300 नगद, 15 मोबाइल फोन, 1 लैपटॉप, सट्टे से संबंधित रजिस्टर तथा एक ब्लैक स्कॉर्पियो गाड़ी बरामद की गई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी मोबाइल ऐप के जरिए IPL मैचों पर अवैध सट्टा कारोबार चला रहे थे। पुलिस को सूचना मिलने पर टीम ने घेराबंदी कर आरोपियों को दबोच लिया। कार्रवाई के दौरान कई अहम सुराग भी हाथ लगे हैं, जिनके आधार पर पूरे नेटवर्क की जांच की जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम एवं भारतीय न्याय संहिता (BNS) की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। एडीसीपी सेंट्रल डॉ. अर्चना सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है और जल्द ही आगे भी कार्रवाई की जाएगी।

ताप विद्युत क्षेत्र की इकाइयों से संबंधित पूर्वी क्षेत्र वाराणसी में आयोजित किया जाएगा

कानपुर ग्रामीण। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट घाटमपुर के डिप्टी कमांडेंट सूरज राय ने बताया कि ताप विद्युत क्षेत्र की इकाइयों से संबंधित एक कार्यात्मक सम्मेलन 6/7 मई 2026 को रेडी सन् बिलू होटल वाराणसी में सेंट्रल इंडस्ट्रीयल सिक्योरिटी फोर्स पूर्वी क्षेत्र। मुख्यालय के तत्वावधान में आयोजित किया जाएगा, इस सम्मेलन का उद्देश्य ताप विद्युत प्रतिष्ठानों की सुरक्षा से जुड़ी उभरती चुनौतियों, श्रेष्ठ कार्य प्रणालियों तथा आधुनिक तकनीकी समाधानों पर विचार विमर्श करना है, सम्मेलन में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, सीआईएसएफ, के महानिदेशक, अतिरिक्त महानिदेशक, महानिरीक्षक, उपमहानिरीक्षक, सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भाग लेंगे,, सम्मेलन में एनटीपीसी लिमिटेड तथा अन्य प्रमुख ताप विद्युत संयंत्रों के शीर्ष प्रबंधन अधिकारी भी शामिल होंगे,साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग,ड्रोन एवं एन्टी ड्रोन, तकनीक के क्षेत्र में कार्यरत अग्रणी निजी कंपनिया, जैसे रूद्राम डायनामिक्स एवं डोरनोवियरस अपने नवाचारों एवं तकनीकी समाधानों का प्रदर्शन करेगी, यह सम्मेलन सुरक्षा एजेंसियों सार्वजनिक उपक्रमों तथा निजी तकनीकी साझेदारों के बीच समन्वय सुदृढ़ करने और महत्वपूर्ण अवसंरचना की सुरक्षा को और प्रभावी बनाने हेतु एक महत्वपूर्ण मंच सिद्ध होगा।

दूसरे चरण के जनगणना प्रशिक्षण में ट्रेनरों ने ऐप मे भरने का दिया प्रशिक्षण

सिद्धार्थनगर। जनगणना कार्य में प्रशिक्षण शिक्षकों को पूरी तरह से जानकारी देने के लिए शोहरतगढ़ नगर पंचायत सभागार में मंगलवार को प्रशिक्षण के दूसरे चरण में ट्रेनरों ने टीवी स्क्रीन के माध्यम से शिक्षकों को आवासीय व गैर आवासीय मकानों व खपरैल में रहने वालों की जनगणना कर एप में विभिन्न कालम को पूरी पारदर्शिता के साथ फीड करने के उपाय बताया गया। फील्ड ट्रेनर राम विलास चौधरी व अशोक कुमार ने बताया कि 7 से 21 मई तक जनगणना का कार्य होगा इसमें मकान मालिक परिवार के सभी सदस्यों का नाम व मकान नं स्वयं दिए गये एप में भर सकते हैं।22 मई से 20 जून तक प्रशिक्षण प्राप्त किए शिक्षक घर -घर जाकर जनगणना मतदान व मकानों के सूचीकरण का कार्य करेंगे।कहा कि सभी शिक्षकों को इस लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है कि जनगणना कर एप में फीड करते समय किसी प्रकार की गलती न होने पाएं इसका विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया। प्रशिक्षण के दौरान राजेश कुमार, अनिल प्रताप, राजीव त्रिपाठी, निकहत जहां सहित 28 शिक्षक उपस्थित रहें।

दुर्घटना में हुई मौतों से बिलख पड़े परिजन, मचा कोहराम

लालगंज, प्रतापगढ़। कालिकन धाम दर्शन करने जा रहे बाइक सवार दो श्रद्धालुओं की मौत को लेकर मंगलवार को परिजनो मे कोहराम मचा दिखा। सांगीपुर थाना क्षेत्र के शिवनंदन का पुरवा भैंसना निवासी राजीव गौतम 18 पुत्र कल्लू गौतम बाइक से आर्यन शर्मा 17 पुत्र सुधीर कुमार शर्मा तथा कुमुद शर्मा 15 पुत्री बबलू शर्मा निवासी भैंसना के साथ कालिकन धाम देवी मां का दर्शन करने सोमवार को जा रहे थे। दोपहर करीब 12 बजे अमेठी जिले के संग्रामपुर थाना के विशेषरगंज मोड़ पर अचानक बाइक अनियंत्रित हो गयी। बाइक सीधे सड़क किनारे पेड़ से टकरा गयी। दुर्घटना में तीनों को गंभीर चोटे आ गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अमेठी जिले के गौरीगंज स्थित असैदापुर अस्पताल पहुंचवाया। यहां चिकित्सकों ने बाइक चालक राजीव को मृत घोषित कर दिया। वहीं अन्य दो गंभीर रूप से चुटहिल को प्रारंभिक उपचार के बाद रायबरेली एम्स रेफर कर दिया गया। वहां इलाज के दौरान एम्स में आर्यन की भी रात में मौत हो गयी। मौत की सूचना घर पहुंची तब परिजनों में कोहराम मच गया।

कम्पोजिट विद्यालय गंगा गंज के सीनियर शिक्षक को निलंबित करने के बाद बेसिक शिक्षा विभाग मौन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर ग्रामीण। जनपद कानपुर के खंड विकास सरसौल क्षेत्र अंतर्गत बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विद्यालयों में वरिष्ठ शिक्षक द्वारा चार्ज ग्रहण न करने से कंपोजिट विद्यालय गंगा गंज ब्लाक सरसौल में इस नए शिक्षा सत्र में शिक्षण कक्षों का ताला लगातार 16 वें दिन भी न खुल पाने के कारण खंड शिक्षा अधिकारी ने विभागीय कार्रवाई करनें की संस्तुति के बाद 16अप्रैल को स्कूल की वरिष्ठ शिक्षक को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुरजीत सिंह द्वारा निलंबित तो कर दिया, लेकिन उसके बाद से खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुरजीत सिंह को यह सूचित नहीं किया कि निलंबन के बाद वरीयता के क्रम पर चार्ज दे दिया जाए, अध्यापक के निलंबन के बाद से किसी भी अध्यापक को चार्ज न मिलने से स्कूल में अध्ययनरत देश के भविष्य कहे जाने वाले छात्रों का वर्तमान के साथ भविष्य भी अच्छा नहीं दिखता नजर आ रहा है, आपको बताते चलें कि स्कूल की इंचार्ज प्रधानाध्यापिका विजय लक्ष्मी 31 मार्च को सेवा निवृत्त हो जानें के बाद जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुरजीत सिंह ने 7 अप्रैल को वरिष्ठता के क्रम में नसीमाबानो को चार्ज दिए जाने के आदेश दिए। परंतु वह चार्ज लेने को तैयार नहीं है।

नतीजन स्कूल के कक्षों का ताला न खुलने से अन्य सभी अध्यापक व छात्र छात्राओं प्राथमिक विद्यालय के शिक्षण कक्षों में बैठने को मजबूर रहें, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुरजीत सिंह ने वरिष्ठ अध्यापक द्वारा विभागीय आदेश की अवहेलना करने व चार्ज न लेने के कारण 16 अप्रैल को निलम्बित कर खंड शिक्षा कार्यालय से संबद्ध कर दिया गया।

लेकिन वरिष्ठ शिक्षक के निलंबन के बाद नियमानुसार वरिष्ठता के क्रम के आधार पर खंड शिक्षा अधिकारी सरसौल क्रष्ण कुमार ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुरजीत सिंह को विभागीय पत्र के माध्यम से अवगत कराते हुए चार्ज दिलाने की संस्तुति करनी चाहिए,, लेकिन उनके मौन साध लेने से कंपोजिट विद्यालय गंगागंज की स्थिति ठीक उसी तरह बनती नजर आ रही है जैसे कंपोजिट विद्यालय भुखनाडी का लगभग एक साल से प्राथमिक विद्यालय खुजौली में वरिष्ठ शिक्षक को लगभग सात साल से फुल चार्ज दिलाया नहीं जा सका।

पुलिस महानिदेशक आलोक सिंह ने साइबर सुरक्षा पर जागरुकता कार्यशाला को संबोधित किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। आलोक सिंह, पुलिस महानिदेशक/अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन, कानपुर द्वारा जनपद कन्नौज में आयोजित साइबर जागरूकता कार्यशाला में प्रतिभाग करते हुए छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, व्यापारी बंधुओं, पत्रकार बंधुओं एवं आमजन को संबोधित किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने साइबर अपराध के निरंतर बदलते स्वरूप, अपराधियों द्वारा अपनाई जा रही नवीन तकनीकों तथा उनसे बचाव हेतु जागरूकता, सतर्कता एवं त्वरित सूचना साझा करने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया तथा युवाओं को डिजिटल प्लेटफॉर्म के सुरक्षित उपयोग, सोशल मीडिया के प्रति जिम्मेदार व्यवहार तथा साइबर ठगी से बचाव के व्यावहारिक उपायों की जानकारी दी गई। साथ ही श्री रक्षित टंडन साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ द्वारा ऑनलाइन फ्रॉड के सामान्य तरीकों, सुरक्षित पासवर्ड प्रबंधन, फिशिंग, OTP फ्रॉड, फेक लिंक एवं डिजिटल गोपनीयता से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए साइबर सुरक्षा को दैनिक जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाने हेतु प्रेरित किया गया।

कार्यशाला का उद्देश्य युवाओं एवं आमजन में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित उपयोग को प्रोत्साहित करना तथा साइबर अपराध की रोकथाम में जनसहभागिता को सुदृढ़ करना रहा।

सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को किया जागरूक

कानपुर। (स्वतंत्र प्रभात) सुगम यातायात योजना (RTC) के तहत 05.05.2026 को बारादेवी चौराहा पर पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार के निर्देशन में जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान में बिना हेलमेट, दो पहिया वाहन पर तीन सवारी, मोबाइल उपयोग व ओवरलोडिंग के प्रति चालकों को जागरूक किया गया। साथ ही पम्पलेट वितरण कर मॉडिफाइड साइलेंसर, तेज आवाज में गाने व गति सीमा उल्लंघन से बचने की सलाह दी गई। ई- रिक्शा/ऑटो चालकों को पैदल यात्रियों की सुरक्षा के प्रति भी जागरूक किया गया।

तुलसी सदन में शिक्षा मित्रों के सम्मान का भव्य समारोह संपन्न हुआ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। शिक्षा मित्रों के मानदेय वृद्धि के उपलक्ष्य में तुलसी सदन (हादीहाल) में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षा मित्रों, शिक्षकों एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में गंभीरनाथ प्रेक्षागृह गोरखपुर से मुख्यमंत्री के उद्बोधन का सजीव प्रसारण भी किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य एवं भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में परियोजना निदेशक दयाराम यादव उपस्थित रहे। विशेष आमंत्रित अतिथियों में जिला महामंत्री भाजपा राजेश सिंह वं मीडिया प्रभारी राघवेन्द्र शुक्ला शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय मंगरौरा एवं लक्ष्मणपुर की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रमों से हुई, जिसने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। इसके बाद प्रत्येक विकास खंड से एक-एक शिक्षा मित्र को मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा सांकेतिक चेक वितरित कर सम्मानित किया गया। समारोह स्थल पर बेसिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों द्वारा उपयोगी एवं आकर्षक टीएलएम (शिक्षण-अधिगम सामग्री) स्टॉल भी लगाए गए, जो विशेष आकर्षण का केंद्र रहे।

इस अवसर पर विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य ने मुख्यमंत्री द्वारा शिक्षा मित्रों के मानदेय में वृद्धि तथा कैशलेस चिकित्सा सुरक्षा की सुविधा प्रदान करने के निर्णय पर आभार व्यक्त किया और सरकार की शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई। भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव ने बच्चों में मूलभूत साक्षरता विकसित करने पर जोर देते हुए शिक्षकों को प्रेरित किया। परियोजना निदेशक दयाराम यादव ने समाज निर्माण में शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। कार्यक्रम के दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेन्द्र सिंह द्वारा सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। अंत में भूपेन्द्र सिंह ने सभी अतिथियों एवं शिक्षा मित्रों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर समस्त खंड शिक्षा अधिकारी, डीसी, एआरपी एवं एसआरजी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल आयोजन जिला समन्वयक प्रशिक्षण योगेन्द्र सिंह, जिला व्यायाम शिक्षक राम कुमार सिंह, मंजू सिंह, जिला स्काउट मास्टर सुशील सिंह, चन्द्रजीत एसआरजी, आशुतोष एसआरजी, राजीव कुमार सिंह, डॉ0 आशुतोष सिंह, अभिषेक सिंह एआरपी मान्धाता, अंकिता सिंह, प्रगति चौरसिया, रुपाली गोस्वामी, शिवानी सिंह, कल्पना भारती, आबिद एवं शिवम सिंह के सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन योगेश प्रताप सिंह ने किया।

आदर्श लघु माध्यमिक विद्यालय बर्डपुर में शिल्प प्रदर्शन सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

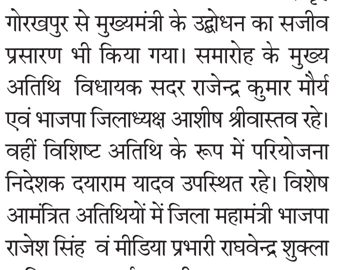

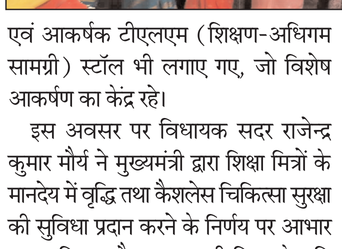

सिद्धार्थनगर। आदर्श लघु माध्यमिक विद्यालय में शिल्प प्रदर्शन सह जागरूकता कार्यक्रम वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार हस्तशिल्प सेवा केंद्र, वाराणसी द्वारा तीन दिवसीय शिल्प प्रदर्शन सह जागरूकता कार्यक्रम मंगलवार को शुरू हुआ ।आयोजन का उद्देश्य विद्यालय के छात्रों को भारतीय पारंपरिक शिल्पों से परिचित कराना, उनकी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता बताना तथा बच्चों में कला के प्रति रुचि उत्पन्न करना है। कार्यक्रम में छात्रों को विभिन्न शिल्प कलाओं का प्रत्यक्ष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, ताकि वे इन कलाओं की तकनीक, उपयोग और सौंदर्य को करीब से समझ सकें। प्रशिक्षण देने के लिए वाराणसी से तीन और एक गोरखपुर से विशेषज्ञ शिल्प प्रशिक्षक विद्यालय पहुंचे हैं। इनमें गोरखपुर से हस्त शिल्प की विशेषज्ञ हरिओम आजाद, बस्ती से हाथ से निर्मित ज्वेलरी शिल्पी प्रहलाद शामिल हैं।जिसमें वाराणसी से कालीन प्रशिक्षण अधिकारी धनजीत कुमार,अंबेडकर संस्थान के निर्देशक संजय कुमार पाण्डेय प्रशिक्षकों ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों में रचनात्मकता बढ़ाने में सहायक होते हैं और उन्हें भारतीय कला की विविधता से जोड़ते हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन सदर विधायक श्यामधनी राही ने किया। प्रबंधक राजकुमारी पाण्डेय ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय शिल्प कला सदियों पुरानी धरोहर है और विद्यालय में इस तरह के कार्यक्रमों से बच्चों को अपनी सांस्कृतिक विरासत को समझने और संजोने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम में पहले ही दिन छात्रों में भारी उत्साह देखा गया। बच्चे अलग-अलग शिल्प विधाओं को सीखने के साथ-साथ उनके पीछे की पारंपरिक कहानियों और तकनीकों को भी जान रहे हैं। तीन दिनों तक जारी रहने वाले इस आयोजन में लाइव डेमो, प्रैक्टिकल गतिविधियाँ और शिल्प प्रदर्शनी भी शामिल है। इस दौरान विद्यालय के संचालक/सभासद नितेश पाण्डेय, समाजसेवी संजय कुमार पाण्डेय, प्रधान प्रतिनिधि बर्डपुर न05 विजय चौरसिया, भाजपा नेता फूलचंद्र जायसवाल, गणेश जायसवाल, पूर्व प्रधान श्यामप्रकाश जायसवाल, रामनिवास विश्वकर्मा, धर्मपाल, रामपाल, जयराम , विनय कुमार, राकेश कुमार, शिवम मिश्रा, अरुण जायसवाल राजेंद्र विश्वकर्मा अजय प्रजापति विनोद प्रजापति, उर्मिला, पूनम सहित विद्यालय के शिक्षक, छात्र-छात्राएं, अभिभावक एवं क्षेत्रीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जनगणना में दूसरे ब्लाक में ड्यूटी लगाने पर शिक्षकों ने जताया विरोध

स्वतंत्र प्रभात ब्रेकिंग न्यूज़

सिद्धार्थनगर। जनगणना कार्य में अपने ब्लाक को छोड़कर दूसरे ब्लाक क्षेत्र में शिक्षकों की ड्यूटी लगाने पर शिक्षकों ने विरोध जताया है।शिक्षक राजू चौबे, अरविंद कुमार आर्य,उमेश कुमार गुप्ता,राजेश कुमार, जुबैदा खां, ज्योति वर्मा, अर्पणा सिंह सहित दर्जनों शिक्षकों ने कहा कि जनगणना इंचार्ज अधिकारी ने मनमानी तरीके से 30 किमी दूर बढ़नी ब्लाक क्षेत्र के शिक्षकों की ड्यूटी नगर पंचायत शोहरतगढ़ जनगणना कार्य में लगा दिया गया है। वहीं शोहरतगढ़ ब्लाक के शिक्षकों की ड्यूटी शोहरतगढ़ में नहीं लगाया गया है। शिक्षकों ने कहा कि 30 किमी दूरी तय करके नगर पंचायत शोहरतगढ़ में जनगणना कार्य करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ज्यादा दूरी तय करने पर विलम्ब होने पर जनगणना कार्य प्रभावित होगी।कहा कि बढ़नी ब्लाक के शिक्षकों की ड्यूटी बढ़नी में ही लगाया जाए। जिससे समय से जनगणना कार्य संपादित हो सके। अधिशासी अधिकारी अजय कुमार चौधरी ने कहा कि सभी शिक्षकों को जनगणना कार्य में लगाया गया है।इस पर अधिकारियों से सलाह लेने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी को दी गयी भावभीनी विदाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ में एक वर्ष से अधिक समय तक जिलाधिकारी के पद पर रहने के बाद विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी को सोमवार को भावभीनी विदाई दी गई। वह अब मुख्य कार्यपालक अधिकारी उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के पद पर स्थानांतरित हुये है। इस अवसर पर जिले के अधिकारियों, कर्मचारियों, उद्यमियों, व्यापारियों, राइजिंग प्रतापगढ़ सोसाइटी, पत्रकारों ने डीएम को पुष्पगुच्छ व स्मृति चिन्ह भेंट किए। जिलाधिकारी ने जनपद प्रतापगढ़ में 18 जनवरी 2025 को जिले का कार्यभार संभाला था। अपनी कार्यशैली से वह लोगों के बीच काफी लोकप्रिय रहे। विदाई समारोह को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि प्रतापगढ़ की यादें उनके साथ हमेशा रहेंगी। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा जो सहयोग प्राप्त हुआ, वह अत्यंत सराहनीय और उल्लेखनीय रहा है। उन्होने कहा कि अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग से कीर्तिमान स्थापित किये जाते है, प्रशासन में काम ही पहचान को दर्शाता है। जिलाधिकारी ने अपने कार्यकाल में मिले सहयोग के लिए समस्त अधिकारियों की प्रशंसा की और कहा कि ट्रांसफर सरकारी सेवा का एक हिस्सा है। अपने विदाई संबोधन में निवर्तमान जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी काफी भावुक नजर आए।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा ने डीएम के कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि वे जिले के विकास के लिए उनके विजन को आगे बढ़ाएंगे। इसी प्रकार अपर पुलिस अधीक्षक, परियोजना निदेशक डीआरडीए, जिला विकास अधिकारी, समस्त उपजिलाधिकारी, सीओ, खण्ड विकास अधिकारी मंगरौरा सहित जनपद स्तरीय अधिकारियो व समाजसेवियों सहित ज्ञान प्रकाश शुक्ला, अतुल यादव, सन्तोष द्विवेदी आदि ने अपने अपने विचार व्यक्त किये।

बिठूर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, युवक पर जिला बदर की कार्यवाही

कानपुर। थाना बिठूर पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से विकास जोशी पुत्र आनंद जोशी निवासी नशेनिया टिकरा, उम्र 21 वर्ष, के विरुद्ध जिला बदर की कार्रवाई की है। पुलिस द्वारा नियमानुसार डुगडुगी बजवाकर मुनादी कराई गई और अभियुक्त को कानपुर नगर की सीमा से बाहर भेज दिया गया।

क्या होता है जिला बदर?

जिला बदर एक कानूनी कार्रवाई है, जिसके तहत ऐसे व्यक्ति को, जिस पर लगातार आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने या क्षेत्र की शांति व्यवस्था भंग करने का आरोप हो, प्रशासन निर्धारित अवधि के लिए जिले की सीमा से बाहर रहने का आदेश देता है। इस दौरान वह व्यक्ति बिना अनुमति जिले में प्रवेश नहीं कर सकता। आदेश का उल्लंघन करने पर उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाती है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई क्षेत्र में कानून व्यवस्था सुदृढ़ रखने और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से की गई है। बिठूर पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सकारात्मक संदेश गया है।

खामोशी टूटी, कॉक्लियर इम्प्लांट से मूक बधिर बच्चों की लौटी आवाज

● कॉक्लियर इम्प्लांट से लौटी आवाज, 'मम्मी-पापा' सुनते ही भर आईं आंखें

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी से मिली नई जिंदगी की सबसे मार्मिक तस्वीर सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सामने आई, जहां अलसमद, आराध्या मिश्रा, ईमान खान, नायमा सिद्दीकी और मोहम्मद उवैस जैसे बच्चे, जो कभी सुन और बोल नहीं पाते थे, अब अपने माता पिता को 'मम्मी पापा' कहकर पुकार रहे हैं। संवाद कार्यक्रम में जैसे ही अभिभावकों ने यह अनुभव साझा किया, सभागार में मौजूद लोग भी भावुक हो उठे।

मोहम्मद उवैस की माता अलसिफा ने बताया कि पहले उनके घर में सन्नाटा था। उवैस हमारी आवाज नहीं सुन पाता था और कोई प्रतिक्रिया नहीं देता था। कॉक्लियर इम्प्लांट के बाद जब उसने पहली बार 'मम्मी-पापा' कहा, वह पल हमारे जीवन का सबसे बड़ा सुख था। अब उसकी किलकारी से घर में रौनक लौट आई है। नायमा सिद्दीकी की माता सीमा सिद्दकी ने कहा कि नायमा हमारी बात समझ नहीं पाती थी। ऑपरेशन के बाद धीरे धीरे बदलाव दिखा और जब उसने मम्मी-पापा कहा, तो हमारी आंखें भर आई। अब लगता है जैसे घर में नई जिंदगी आ गई है।

कॉक्लियर इम्प्लांट मूक बधिर बच्चों के लिए वरदान साबित हो रहा है। जो बच्चे जन्म से सुन नहीं पाते और बोल नहीं पाते, वे इस सर्जरी के बाद पहले ध्वनियां सुनने लगते हैं। इसके बाद नियमित स्पीच थेरेपी के जरिए धीरे धीरे बोलना सीखते हैं और सामान्य जीवन की ओर बढ़ते हैं। 5 वर्ष की आयु तक कॉक्लियर इम्प्लांट अधिक प्रभावी माना जाता है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि आरबीएसके और आईसीडीएस के माध्यम से कम उम्र के मूक बधिर बच्चों का समय से चिन्हांकन कर उन्हें शीघ्र योजना का लाभ दिलाया जाए। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जैन ने ब्लॉक स्तर पर संचालित विशेष कैंपों में पात्र बच्चों के चयन को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में उप निदेशक दिव्यांगजन सशक्तिकरण रामधारी यादव और जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी विनय उत्तम भी उपस्थित रहे।

छः वर्ष तक के श्रवण बाधित बच्चों के लिए फ्री कॉक्लियर इम्प्लान्ट सर्जरी, छः लाख तक की सहायता

प्रतापगढ़। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी अभय कुमार श्रीवास्तव ने बताया है कि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उ0प्र0 द्वारा संचालित शल्य चिकित्सा योजनान्तर्गत श्रवण बाधित बच्चों की दिव्यांगता निवारण हेतु कॉक्लियर इम्प्लान्ट सर्जरी अधिकृत चिकित्सालयों के माध्यम से निःशुल्क करायी जाती है। सर्जरी में रू06. लाख का व्यय होता है, जिसका भुगतान दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उ0प्र0 द्वारा सम्बन्धित चिकित्सालय को किया जाता है। योजनान्तर्गत अधिकतम 06 वर्ष तक की आयु वर्ग के ऐसे श्रवण बाधित बच्चें जिनके अभिभावको की वार्षिक आय शासन द्वारा निर्धारित गरीबी की रेखा की सीमा के दुगने से अधिक न हो, लाभ प्राप्त कर सकते है। उन्होने जनपद के 06 वर्ष तक के श्रवण बाधित बच्चों के अभिभावकों से कहा है कि योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु दिव्यांगता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र, एवं एक पासपोर्ट साइज बच्चे एवं अभिभावक के फोटोग्राफ विकास भवन में स्थित दिव्यांगजन कार्यालय से सम्पर्क करना सुनिश्चित करें, जिससे आवेदन पूर्ण कर लाभान्वित कराया जा सके।

तीन राज्यों में बीजेपी के प्रचंड जीत पर विधायक ने किया खुशी का इजहार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। विधानसभा क्षेत्र शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा ने पश्चिमी बंगाल व असम तथा पुडुचेरी विधानसभा चुनाव में बीजेपी की प्रचंड जीत पर मंगलवार को लोहिया कला भवन परिसर में अपने समर्थकों के साथ आतिशबाजी कर खुशी बांटा। लोगों को मिठाई खिलाकर भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और भाजपा कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को बधाई दिया। विधायक ने जन समस्याओं को भी सुना। विधायक ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और भाजपा कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों की मेहनत की बदौलत बंगाल, पुडुचेरी व असम में भारतीय जनता पार्टी को बेहतर चुनाव परिणाम हासिल हुए हैं। कहा कि बंगाल, असम, पुडुचेरी की ऐतिहासिक जीत पर पूरा देश जश्न मना रहा है। इन प्रदेशों में अब डबल इंजन की सरकार सुशासन स्थापित कर देश के विकसित भारत की संकल्पना को मजबूत करेगी। बंगाल की जीत यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में विकास, विश्वास और निर्णायक नेतृत्व की जीत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है और सनातन संस्कृति का ध्वज और अधिक ऊँचाई पर लहरा रहा है।भाजपा और एनडीए की सरकारें देशभर में जनकल्याण के कार्यों को नई गति दे रही हैं। यही कारण है कि जनता का विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है, जबकि विपक्ष अपनी नकारात्मक राजनीति के कारण सीमित होता जा रहा है। कहा कि भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ता व पदाधिकारी एकजुटता के साथ यूपी में भी कमल खिलाने के लिए अभी से मेहनत पूर्वक कार्य करेंगे। इस दौरान डुमरियागंज सांसद जगदम्बिका पाल, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य, फतेहबहादुर सिंह, विवेक गुप्ता, लक्ष्मण गुप्ता, प्रदीप कमलापुरी, रामदास मौर्य, विष्णु सिंह, विजय गुप्ता, हरीश वर्मा व विशाल कुमार, अशोक कुमार आदि सहित भारी संख्या में भाजपा व अपना दल (एस) कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बायोफोर्टिफाइड धान की खेती से सुधरेगा स्वास्थ्य, कुपोषण पर लगेगी रोक: डॉ सर्वजीत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। कृषि विज्ञान केंद्र सोहना के कृषि वैज्ञानिक डॉ. सर्वजीत ने किसानों से बायोफोर्टिफाइड धान की किस्मों की खेती अपनाने की अपील की है। उन्होंने बताया कि यदि किसान बायोफोर्टिफाइड धान की खेती करते हैं, तो इससे न केवल अच्छी उपज प्राप्त होगी, बल्कि मानव स्वास्थ्य में भी सुधार होगा और कुपोषण जैसी गंभीर समस्या को कम करने में मदद मिलेगी। डॉ. सर्वजीत ने बताया कि बायोफोर्टिफाइड चावल आयरन और जिंक जैसे आवश्यक खनिज तत्वों का अच्छा स्रोत है।

इन पोषक तत्वों से भरपूर अनाज के सेवन से शरीर में पोषण की कमी दूर होती है, एनीमिया जैसी बीमारियों से बचाव होता है तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में कुपोषण एक बड़ी चुनौती है, जिसे बायोफोर्टिफाइड फसलों के माध्यम से काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के विभिन्न संस्थानों तथा कृषि विश्वविद्यालयों द्वारा बायोफोर्टिफाइड प्रजातियों के विकास पर लगातार कार्य किया जा रहा है। धान की प्रमुख बायोफोर्टिफाइड किस्मों में सीआर धान 310, 311 और 315 शामिल हैं। ये प्रजातियां 125 से 130 दिन में तैयार होती हैं तथा इनकी उपज 45 से 50 कुंतल प्रति हेक्टेयर तक प्राप्त होती है। इसके अतिरिक्त डीआरआर धान 45, 48 और 49 भी महत्वपूर्ण बायोफोर्टिफाइड प्रजातियां हैं, जो 130 से 135 दिन में पककर तैयार होती हैं और 48 से 52 कुंतल प्रति हेक्टेयर तक उपज देती हैं। इन प्रजातियों में जिंक की मात्रा 22 से 25 पीपीएम तक पाई जाती है, जबकि सामान्य धान की किस्मों में जिंक की मात्रा केवल 12 से 16 पीपीएम होती है। उन्होंने बताया कि जिंको राइस एमएस नामक प्रजाति में जिंक की मात्रा 27.4 पीपीएम तक पाई जाती है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है। जिंक एक महत्वपूर्ण सूक्ष्म पोषक तत्व है, जो शरीर की वृद्धि, रोग प्रतिरोधक क्षमता और संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। डॉ. सर्वजीत ने किसानों से अपील की कि वे पारंपरिक धान की किस्मों के साथ-साथ बायोफोर्टिफाइड प्रजातियों की खेती को प्राथमिकता दें, ताकि खेती लाभकारी होने के साथ समाज भी स्वस्थ और पोषित बन सके।

संक्षिप्त खबरें

श्रीभूमि जिले के पाथारकांदी में भाजपा की बड़ी जीत

कृष्णेंदु पाल ने कांग्रेस प्रत्याशी को हराया

असम (श्रीभूमि): श्रीभूमि जिले के पाथारकांदी विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एक बार फिर मजबूत प्रदर्शन करते हुए बड़ी जीत दर्ज की है। भाजपा प्रत्याशी कृष्णेंदु पाल ने कांग्रेस उम्मीदवार कार्तिक सेन सिन्हा को भारी मतों के अंतर से पराजित किया। चुनाव परिणामों के अनुसार, कृष्णेंदु पाल ने कुल 98,101 वोट प्राप्त कर जीत हासिल की, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी कार्तिक सेन सिन्हा को 51,337 वोट मिले। इस तरह भाजपा उम्मीदवार ने 46,000 से अधिक मतों के अंतर से यह सीट अपने नाम की। यह जीत पाथारकांदी क्षेत्र में भाजपा के मजबूत लोकप्रियता को दर्शाती है।गणना के दौरान शुरू से ही भाजपा प्रत्याशी ने बढ़त बनाए रखी और अंततः निर्णायक जीत हासिल की। क्षेत्र के में भाजपा की यह जीत न केवल पार्टी के लिए एक बड़ी राजनीतिक सफलता है, बल्कि श्रीभूमि जिले में उसके संगठनात्मक प्रभाव को भी और मजबूत करती है।

उत्तर करीमगंज में कांग्रेस की बड़ी जीत जाकारिया अहमद (पान्ना) ने भाजपा प्रत्याशी को हराया

श्रीभूमि: असम के उत्तर करीमगंज विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बड़ी जीत दर्ज की है। कांग्रेस उम्मीदवार जाकारिया अहमद (पान्ना) ने भाजपा प्रत्याशी सुब्रत भट्टाचार्य को हराकर सीट अपने नाम कर ली। चुनाव परिणामों के अनुसार, मतगणना के शुरुआती रुझानों से लेकर अंतिम चरण तक जकरिया पन्ना लगातार बढ़त बनाए रहे और अंततः निर्णायक अंतर से विजयी घोषित हुए। पूरे निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जीत का जश्न मनाया। इस परिणाम को क्षेत्र की राजनीति में महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में देखा जा रहा है, जहां भाजपा और कांग्रेस के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। जकरिया अहमद की यह जीत पार्टी के लिए एक बड़ी राजनीतिक सफलता मानी जा रही है। उत्तर करीमगंज में कांग्रेस की यह जीत आने वाले समय में स्थानीय राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित कर सकती है और क्षेत्र में पार्टी की स्थिति को मजबूत करेगी।

आबकारी घोटाला: केजरीवाल-सिसोदिया-दुर्गेश पाठक के लिए तीन वरिष्ठ अधिवक्ता नियुक्त करेगा हाई कोर्ट

दिल्ली। आबकारी घोटाला मामले में ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली सीबीआई की अपील याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया व दुर्गेश पाठक के लिए न्याय मित्र नियुक्त करेगा। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने कहा कि न्याय मित्र नियुक्त होने के बाद मामले पर सुनवाई होगी। अदालत ने कहा कि मामले में तीन वरिष्ठ अधिवक्ताओं की नियुक्ति की जाएगी। मामले पर अगली सुनवाई शुक्रवार को होगी।

क्यों केजरीवाल ने खुद को सुनवाई से किया अलग

केजरीवाल-सिसोदिया और पाठक ने अदालत की कार्यवाही से खुद को अलग कर लिया है, क्योंकि मामले की सुनवाई से खुद को अलग करने मांग वाली उनकी अर्जी को न्यायमूर्ति शर्मा ने ठुकरा दिया था।ट्रायल कोर्ट ने भ्रष्टाचार से जुड़े सीबीआई के मामले में केजरीवाल-सिसोदिया सहित सभी 23 आरोपितों को आरोपमुक्त कर दिया था।

इंजीनियर रशीद को दिल्ली हाई कोर्ट से मिली राहत, पिता से मिलने एम्स जाने की अनुमति

नई दिल्ली। अंतरिम जमानत की शर्तों में संशोधन की मांग को लेकर आतंकी फंडिंग मालमे में आरोपित व सांसद इंजीनियर रशीद द्वारा दायर की अर्जी को दिल्ली हाई कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। कोर्ट ने रशीद को पुलिस हिरासत में एम्स दिल्ली में जाने की अनुमति दे दी। रशीद ने अर्जी दायर कर कहा है कि पूर्व आदेश में अदालत ने उन्हें श्रीनगर में रहने का आदेश दिया है, जबकि उनके पिता का स्वास्थ्य खराब होने पर उन्हें अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया है। ऐसे में उन्हें शर्तों में बदलाव कर उन्हें दिल्ली में रहने की अनुमति दी जाए।

अमेरिका का 'फ्लाइंग गैस स्टेशन' कतर के आसमान से हुआ गायब, इमरजेंसी घोषित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। अमेरिका का बोइंग KC-135 स्ट्रैटोटैंकर, जो अमेरिकी सेना के विमानों के लिए 'फ्लाइंग गैस स्टेशन' का काम करता है, उसने '7700' का संकट का संकेत जारी किया। Flightradar24 के अनुसार, यह घटना तब हुई जब विमान मिडिल-ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच, ईरान के पास से फारस की खाड़ी के ऊपर उड़ान भर रहा था, इसी दौरान इमरजेंसी घोषित कर दी। अमेरिका का यह विमान संयुक्त अरब अमीरात के अल धाफरा एयर बेस से उड़ा था, जिसके बाद कतर के ऊपर से इसके संकेत मिलने बंद हो गए। खबरों के मुताबिक, यह विमान मिडिल-ईस्ट में चल रहे सैन्य अभियानों में मदद के लिए काम कर रहा था।

इमरजेंसी का असली कारण अभी साफ नहीं

फ्लाइट ट्रैकिंग डेटा से पता चलता है कि विमान लैंडिंग के लिए नीचे उतरने से पहले, कुछ देर तक हवा में गोल-गोल घूमता रहा। इमरजेंसी का असली कारण अभी साफ नहीं है और इस घटना का किसी दुश्मन की कार्रवाई से कई संबंध होने की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

ईरान की ओर से नहीं आया कोई बयान

ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी Fars ने Flightradar24 के डेटा का हवाला देते हुए इस विमान के गायब होने की खबर दी। ईरान की ओर से ऐसा कोई बयान नहीं आया है जिससे यह लगे कि अमेरिकी सेना के इस विमान की इमरजेंसी में उसका कोई हाथ है। वहीं अमेरिकी सेना ने भी विमान की स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

क्या है KC-135 स्ट्रैटोटैंकर?

KC-135 स्ट्रैटोटैंकर एक सैन्य विमान है, जिसके पीछे की ओर मुड़े हुए पंख के नीचे चार टर्बोफैन इंजन लगे होते हैं और इसका मुख्य इस्तेमाल हवा में ही दूसरे विमानों में ईंधन भरने के लिए किया जाता है। इस विमान में ईंधन भरने वाले सिस्टम के ऊपर एक कार्गो डेक होती है, जिससे यह यात्रियों के साजो-सामान को भी ले जा सकता है। यह पिछले 60 सालों से अमेरिकी वायुसेना के अभियानों का एक अहम हिस्सा रहा है।

आग, पानी, कीड़े-मकौड़े, खतरनाक स्टंट्स... कैसे होगा कंटेस्टेंट्स का स्वागत?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। खतरों के खिलाड़ी 15 की शूटिंग जल्द ही शुरू होने वाली है। नए सीजन को लेकर फैंस में एक्साइटमेंट है। कुछ दिनों पहले, कई प्रतियोगियों ने सोशल मीडिया पर मिस्ट्री पोज 'K'वाली पोस्ट शेयर करके अटकलों को हवा दी थी। इससे इस बात को लेकर चर्चा बढ़ गई थी कि क्या ये लोग खतरों के खिलाड़ी में नजर आने वाले हैं। अब, कंटेस्टेंट्स के नामों की आधिकारिक तौर पर पुष्टि हो गई है। इनमें कुछ पिछले सीजन के जाने-पहचाने चेहरे हैं और साथ में कई नए कंटेस्टेंट भी शामिल हैं। कलर्स ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर पुष्टि की है कि नए कंटेस्टेंट्स के साथ पुराने कंटेस्टेंट की वापसी ने उत्साह को और बढ़ा दिया है, जिससे एक्शन से भरपूर सीजन के लॉन्च से पहले ऑनलाइन फैंस के बीच इसको लेकर चर्चा तेज हो गई है। आइए जानते हैं कौन-कौन से कलाकार होंगे शामिल।

गौरव खन्ना–अनुपमा सीरियल के अभिनेता गौरव खन्ना बिग बॉस 19 के हाल ही के विनर रहे हैं। एक्टर अब खतरों के खिलाड़ी 15 में नजर आएंगे। इस बारे में बात करते हुए खन्ना ने कहा कि खतरों के खिलाड़ी एक अलग तरह की परीक्षा है और उनका हमेशा से यही मानना रहा है कि जमीन से जुड़े रहना और चीजों को संयम से संभालना जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि लोग उन्हें सालों से इसी रूप में देखते आए हैं, जिसने बिग बॉस 19 के दौरान भी दर्शकों को प्रभावित किया।

रुबिना दिलैक– इससे पहले रुबिना दिलैक को खतरों के खिलाड़ी सीजन 12 में देखा गया था। इस सीजन में कोरियोग्राफर तुषार कालिया विजेता बने थे।

अविका गौर– अविका गौर को खतरों के खिलाड़ी सीजन 9 में भी देखा गया था। उनके अलावा करण वाही भी शो में नजर आ सकते हैं जिन्हें पहले भी खतरों के खिलाड़ी सीजन 8 में हम देख चुके हैं। इसके अलावा हर्ष गुजराल का भी नाम सामने आ रहा है। ओरी को भी इस बार शो का मजबूत कंटेस्टेंट माना जा रहा है। वहीं खतरों के खिलाड़ी सीजन 9 का हिस्सा रहीं जैस्मिन भसीन और शगुन शर्मा का भी नाम कंटेस्टेंट की लिस्ट में है। अविनाश मिश्रा और फरहाना भट्ट भी खतरों के खिलाड़ी का हिस्सा होंगे, जबकि विशाल आदित्य सिंह को इससे पहले सीजन 11 में देखा जा चुका है।

ऑनलाइन निवेश और टास्क फ्रॉड गिरोह का भंडाफोड़

दिल्ली। पूर्वी जिला के साइबर थाना पुलिस ने ऑनलाइन निवेश और टास्क फ्रॉड करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पांच आरोपितों को उत्तराखंड के उधम सिंह नगर से गिरफ्तार किया है। ये आरोपित साइबर ठगों को म्यूल बैंक खाते उपलब्ध कराकर ठगी की रकम को इधर-उधर ट्रांसफर कराने में मदद करते थे। पुलिस ने इनके पास से पांच मोबाइल फोन बरामद किए हैं। जांच में 3.40 लाख से अधिक की ठगी से जुड़े लिंक सामने आए हैं। न्यू अशोक नगर निवासी शशि रंजन भारती को 6 अप्रैल को एक व्हाट्सऐप ग्रुप में जोड़कर ठगों ने टास्क और निवेश के नाम पर 1,01,869 की ठगी कर ली। शिकायत के बाद साइबर थाना पूर्वी में मामला दर्ज हुआ। पुलिस जांच में पता चला कि ठगी की रकम आरोपितों के खातों में पहुंची, जिसे बाद में कई खातों में घुमाकर छिपाने की कोशिश की गई। पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए सभी आरोपितों को पकड़ लिया। राज बच्छर और समीर बच्छर अपने खाते देते थे, जबकि रोहित रे, रोहित मिस्त्री और हरीश सरकार अन्य खाते जुटाकर नेटवर्क को सप्लाई करते थे। सभी आरोपित कमीशन पर काम करते थे।

दीपक चाहर की बहन का हार्दिक पर तंज

● मालती ने सूर्यकुमार की कप्तानी की तारीफ की, बोलीं- फिर से पुरानी MI दिखी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आईपीएल 2026 का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। जैसे-जैसे आईपीएल अपने अंजाम की ओर आगे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे प्लेऑफ की जंग और दिलचस्प होती जा रही है। सोमवार को मुंबई इंडियंस ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को हराकर खुद को प्लेऑफ की रेस में बनाए रखा। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 228 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने 18.4 ओवर में चार विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस मैच में हार्दिक पांड्या नहीं खेल रहे थे और उनकी जगह सूर्यकुमार यादव कप्तानी कर रहे थे। मैच के बाद एमआई के तेज गेंदबाज दीपक चाहर की बहन मालती चाहर ने एक ऐसा पोस्ट किया है, जिसे फैंस हार्दिक पांड्या पर तंज मान रहे हैं। इस मैच से पहले हार्दिक की कप्तानी में मुंबई ने नौ में से सात मैच गंवाए थे। मालती ने लिखा कि लखनऊ के खिलाफ मैच में पुरानी मुंबई इंडियंस की झलक दिखी। साथ ही उन्होंने सूर्यकुमार यादव की कप्तानी की तारीफ भी की। मालती ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, 'फिर असली मुंबई इंडियंस जैसी फीलिंग आई! लगभग सभी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। बहुत बढ़िया खेले रेयान रिकेल्टन और रोहित भैया! सूर्यकुमार की कप्तानी भी शानदार रही। और दीपक ने पूरे चार ओवर डाले, बहुत अच्छी गेंदबाजी भाई! यह सही मायनों में टीम गेम था। यही है मुंबई इंडियंस!' फैंस इस पोस्ट को हार्दिक पर तंज मान रहे हैं। हार्दिक की कप्तानी की जमकर आलोचना भी हो रही है। यह जीत पांच बार की चैंपियन टीम के लिए बड़ी राहत बनकर आई, जिससे उनकी प्लेऑफ की उम्मीदें जिंदा रहीं। मुंबई की टीम फिलहाल अंक तालिका में नौवें स्थान पर है, जबकि लखनऊ आखिरी स्थान पर है। नियमित कप्तान हार्दिक पांड्या पीठ में ऐंठन के कारण यह मैच नहीं खेल सके थे। दीपक चाहर को इस मैच से पहले पूरे चार ओवर भी डालने को नहीं मिल रहे थे। हालांकि, लखनऊ के खिलाफ उन्होंने चार ओवर में 43 रन दिए, लेकिन उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। दीपक ने अपने आखिरी दो ओवरों

में सिर्फ 15 रन खर्च किए, जो लखनऊ सुपर जाएंट्स को 228 रन पर रोकने में बेहद अहम साबित हुआ। मैच के बाद कार्यवाहक कप्तान सूर्या ने कहा, 'सच कहूं तो हम इस सीजन में कई बार ऐसी स्थिति में रहे हैं। हमारे लिए यह कुछ नया नहीं था। मुझे पता था कि टी20 क्रिकेट में पावरप्ले के बाद सात से 10 ओवर का समय सबसे अहम होता है, जहां से मैच पलटा जा सकता है। हमें मालूम था कि अगर यहां-वहां दो विकेट मिल जाएं तो हम मुकाबले पर पकड़ बना सकते हैं। जिस तरह सभी गेंदबाजों ने जवाब दिया, उसने शानदार जज्बा दिखाया।' उन्होंने आगे कहा, 'करीब आठ या नौ ओवर तक लखनऊ ने एक या दो विकेट पर 110 या 120 रन बना लिए थे, मुझे ठीक से याद नहीं। लेकिन वहां से उन्हें 228 पर रोकना शानदार था।'

AAP पर भड़के राघव चड्ढा: BJP में गए सांसदों के उत्पीड़न का आरोप

राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने आम आदमी पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी उन सांसदों के खिलाफ खतरनाक बदले की राजनीति कर रही है। ये सांसद अप्रैल में आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। राघव चड्ढा के अनुसार, विलय के बाद से ही उनका लगातार उत्पीड़न हो रहा है। राज्यसभा सांसद ने कहा कि उत्पीड़न के कई मामले सामने आए हैं। विश्व कप विजेता हरभजन सिंह के जालंधर स्थित निवास पर पथराव किया गया। पंजाब पुलिस की मदद से उनके घर के बाहर 'देशद्रोही' लिखा गया। उनकी माता और बहनों के बारे में आपत्तिजनक नारे भी लगाए गए। पद्म श्री राजेंद्र गुप्ता की पंजाब के मालवा इलाके में स्थित फैक्ट्री को बंद करने का प्रयास हुआ। पंजाब सरकार ने उनकी फैक्ट्री का पानी का कनेक्शन काट दिया। प्रदूषण बोर्ड ने छापा मारकर फैक्ट्री बंद करने की कार्रवाई शुरू की। सांसद संदीप पाठक, जो भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के प्राध्यापक थे, उनके खिलाफ दो दुर्भावनापूर्ण और मनगढ़ंत प्राथमिकी दर्ज की गईं। मीडिया के माध्यम से उनकी गिरफ्तारी की अफवाह फैलाई गई। राघव चड्ढा ने आम आदमी पार्टी को चेतावनी दी कि यह खतरनाक खेल है जिसका अंत बुरा होगा। राघव चड्ढा ने बताया कि जब तक वे आम आदमी पार्टी के साथ थे, तब तक उन्हें अच्छा और संस्कारी बताया जाता था। पार्टी छोड़ने के बाद उन्हें गलत और भ्रष्टाचारी घोषित कर दिया गया। राघव चड्ढा ने आरोप लगाया कि पंजाब सरकार की एजेंसियों और पैसे का दुरुपयोग हो रहा है। आम आदमी पार्टी इस प्रकार से गंदा खेल रच रही है। उन्होंने पहले भी आम आदमी पार्टी में 'जहरीली कार्य संस्कृति' होने की बात कही थी। उनका मानना है कि पार्टी भ्रष्टाचारी और समझौताग्रस्त लोगों के हाथों में फंस चुकी है। राघव चड्ढा ने पंजाब सरकार के अधिकारियों से भी अपील की है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे आम आदमी पार्टी सरकार की धमकियों से न डरें। नेता और विशेष कर्तव्य अधिकारी तबादले या निलंबन की धमकी दे रहे हैं। वे 6-7 लोगों के खिलाफ कार्रवाई चाहते हैं। राघव चड्ढा ने कहा कि आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार चंद महीनों की मेहमान है। अधिकारियों को कानून के तहत और देश हित में फैसले लेने चाहिए।

डराने की तैयारी में आलिया भट्ट

● इस धांसू हॉरर फ्रेंचाइजी फिल्म में हुई एंट्री

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। साल 2026 और 2027 के लिए आलिया भट्ट के पास कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं, जिनमें यशराज फिल्म्स की स्पाई थ्रिलर 'अल्फा' और संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' शामिल हैं। इसी बीच एक्ट्रेस के हाथ अब एक और बेहद सफल फ्रेंचाइजी लग गई है। इस मूवी में उनका रोल बहुत बड़ा तो नहीं है, लेकिन काफी पावरफुल जरूर है। कौन-सी है वह सफल हॉरर फ्रेंचाइजी, जिससे 'पटाखा गुड्डी' जुड़ने जा रही हैं? नीचे विस्तार से पढ़ें पूरी डिटेल्सः

हॉरर फैंटेसी ड्रामा में हुई आलिया भट्ट की एंट्री

पिंकविला की एक्सक्लूसिव रिपोर्ट की मानें तो, एक्शन से लेकर रोमांस और कई सीरियस रोल्स करने के बाद अब आलिया भट्ट 'तुम्बाड़ 2' के साथ हॉरर वर्ल्ड में

कदम रखने जा रही हैं। सूत्रों के मुताबिक, नवाजुद्दीन सिद्दीकी के बाद 'तुम्बाड़' की इस सफल फ्रेंचाइजी से हाल ही में आलिया भट्ट का नाम भी जुड़ गया है और उन्होंने इस फिल्म के लिए शूटिंग भी शुरू कर दी है। वह तकरीबन 20 दिन तक इस फिल्म की शूटिंग करने वाली हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो 'तुम्बाड़ 2' में उनका स्क्रीन टाइम काफी लिमिटेड है, लेकिन उनका रोल बहुत ही ज्यादा महत्वपूर्ण है, जो फिल्म में कई ट्विस्ट एंड टर्न लेकर आएगा। साथ ही यह किरदार तीसरी फिल्म की नींव भी रखेगा। उनके किरदार की कहानी 'तुम्बाड़ 3' में भी जारी रहेगी और वह सोहम शाह के साथ मिलकर फिल्म के क्लाइमेक्स में जान डालेंगी।

बाल श्रम पर बड़ी कार्रवाई, 40 बच्चे रेस्क्यू, 4 कारखाने समेत 2 दुकानें सील

दिल्ली। जगजीत नगर, घोंडा में बाल श्रम के संबंध में मिली एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, यमुना विहार के SDM ने कार्रवाई शुरू की। चार यूनिट और दो दुकानों को सील कर दिया गया। लगभग 40 नाबालिग बच्चों को बचाया गया।बाल श्रम में बच्चों को लगाए जाने के संबंध में एक शिकायत प्राप्त हुई थी। इसके बाद, यमुना विहार के SDM उस्मानपुर पुलिस स्टेशन की पुलिस और अन्य विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ, मौके पर पहुंचे और कार्रवाई की। बचाए गए बच्चों को एक बाल आश्रय गृह भेज दिया गया है।

जिले के रामकृष्णनगर में भाजपा की प्रचंड जीत

● विजय मालाकार ने 83,765 मतों के रिकॉर्ड अंतर से हासिल की ऐतिहासिक विजय

भाजपा का परचम लहराया, भारी अंतर से विजयी

समर्थकों ने आतिशबाजी व फूल-मालाओं से मनाया जश्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि- असम के श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र में हुए चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एक ऐतिहासिक और प्रचंड जीत दर्ज की है। भाजपा उम्मीदवार विजय मालाकार ने कांग्रेस प्रत्याशी सुरुचि राय को 83,765 मतों के रिकॉर्ड अंतर से पराजित कर क्षेत्र में नया राजनीतिक इतिहास रच दिया। कुल 1,89,546 मतों में से विजय मालाकार को 1,34,013 मत प्राप्त हुए। मतगणना की शुरुआत से ही उन्होंने मजबूत

बढ़त बनाए रखी, जो अंत तक निर्णायक अंतर में बदल गई। इस जीत के साथ उन्होंने लगातार तीसरी बार विधायक बनने का गौरव हासिल किया। लगातार तीसरी जीत का सफर विजय मालाकार ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत 2019 के उपचुनाव से की थी, जब वे रताबाड़ी विधानसभा क्षेत्र से पहली बार विधायक बने। 2021 के विधानसभा चुनाव में भी उन्होंने जीत दर्ज कर दूसरी बार विधायक पद संभाला। अब रामकृष्णनगर नाम से परिवर्तित इसी क्षेत्र से उन्होंने तीसरी बार भारी अंतर से विजय प्राप्त की है। विवादों के बीच मिली जीत दूसरे कार्यकाल के दौरान उन पर नागरिकता से जुड़े आरोप लगे थे, जो वर्तमान में गुवाहाटी हाईकोर्ट में विचाराधीन हैं। इसके बावजूद पार्टी ने उन पर भरोसा जताते हुए उन्हें पुनः उम्मीदवार बनाया। विजय मालाकार ने जीत के बाद मीडिया के सामने प्रतिक्रिया दी जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि

यह जीत विकास और जनविश्वास की जीत है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया को धन्यवाद दिया। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी जीत का अंतर लगातार बढ़ता गया है–पहली बार 24,000, दूसरी बार 46,000 और इस बार 83,765 मतों से ऐतिहासिक जीत दर्ज हुई है। समर्थकों में उत्सव का माहौल जीत की घोषणा के बाद रामकृष्णनगर में भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने जोरदार जश्न मनाया। आतिशबाजी, फूल-मालाओं और गुलदस्तों के साथ लोगों ने अपनी खुशी व्यक्त की और 'भाजपा जिंदाबाद' के नारे लगाए। राजनीतिक प्रभाव राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह परिणाम असम की राजनीति में भाजपा की पकड़ को और मजबूत करता है तथा क्षेत्रीय चुनावी समीकरणों में महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत देता है।

बहन के अपमान का खौफनाक बदला

● नाबालिग भाई ने 'मीट कटर' से युवक को मौत के घाट उतारा

क्राइम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। राजधानी के बाहरी दिल्ली इलाके में नाबालिगों द्वारा की जाने वाली अपराध की घटनाओं का सिलसिला थम नहीं रहा है। अब बहन पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर किशोर ने मीट काटने वाला चाकू मारकर युवक की हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपित नाबालिग मौके से फरार हो गया। जिसे कुछ ही देर बाद पुलिस ने दबोच लिया। उत्तर पश्चिमी जिला पुलिस के अधिकारी के मुताबिक संगम पार्क निवासी अमन सोमवार सुबह करीब 9:40 बजे स्कूटी से अपने दोस्त के साथ रोजगार की तलाश में वजीराबाद जा रहा था। रास्ते में मलिकपुर में कूड़े के खत्ते के पास एक नाबालिग ने उन्हें रोक लिया। अमन जब तक कि कुछ समझ पाते उसने चाकू से उस पर ताबड़तोड़ कई वार कर दिए।

दोस्त ने बचाने का प्रयास किया तो उसे भी मारा

स्कूटी चला रहे दोस्त ने अमन को बचाने का प्रयास किया तो उसने चाकू से हमला कर उसे भी घायल कर दिया। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके इस बीच किशोर मौके से फरार हो गया। घायल अवस्था में दोस्त ने आसपास के लोगों की मदद से उसे अस्पताल पहुंचाया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। वारदात के बाद पुलिस ने कुछ ही देर में संगम पार्क क्षेत्र से ही नाबालिग को पकड़कर हत्या में प्रयुक्त चाकू बरामद कर लिया है। पूछताछ में उसने पुलिस को बताया कि अमन से उसकी जान-पहचान थी। उसने बहन को लेकर अपमानजनक टिप्पणी की थी। इसकी रंजिश के चलते ही उसने सोमवार की सुबह मौका लगते ही उसकी हत्या कर दी।

दिल्ली में RBI बिल्डिंग में लगी आग, 15 मिनट में काबू

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में मंगलवार दोपहर संसद मार्ग स्थित आरबीआई (RBI) की इमारत में अचानक आग लगने से कुछ देर के लिए हड़कंप मच गया। दमकल विभाग के मुताबिक, आग लगने की सूचना दोपहर करीब 1:05 बजे मिली, जिसके बाद तुरंत पांच दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। फायर ब्रिगेड की टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए महज 15 मिनट में आग पर काबू पा लिया।

एमसीबी बॉक्स से उठी थीं लपटें

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आग सोलर पैनल से जुड़े एमसीबी (MCB) बॉक्स में लगी थी। हालांकि, समय रहते आग पर काबू पा लिए जाने से बड़ा हादसा टल गया। अधिकारियों के अनुसार, इस घटना में किसी के घायल होने या जनहानि की कोई सूचना नहीं है। गौरतलब है कि इससे पहले राजधानी के चावड़ी बाजार इलाके में भी एक इमारत में आग लगने की घटना सामने आई थी, जहां दमकल विभाग को तुरंत मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित करना पड़ा था।

विवेक विहार अग्निकांड: CM रेखा गुप्ता ने पीड़ित परिवारों से की मुलाकात

● अग्नि सुरक्षा की सख्ती के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। विवेक विहार में हुए दर्दनाक अग्निकांड के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मौके पर पहुंचकर पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और उन्हें हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। इस दौरान उन्होंने हादसे में जान गंवाने वालों के स्वजन के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और घायलों के समुचित इलाज के निर्देश दिए। साथ ही अग्नि सुरक्षा के मानकों का सख्ती से पालन करवाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि घटना बेहद दुखद और चिंताजनक है, जिसे एक गंभीर चेतावनी के रूप में लिया जाना चाहिए।भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए अग्नि सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, राजधानी की इमारतों में सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक जांच करने और जहां भी खामियां मिलें, उन्हें तुरंत दुरुस्त करने के आदेश दिए।उन्होंने कहा कि अग्नि सुरक्षा के नियमों के पालन में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान पीड़ित परिवारों ने अपने जरूरी दस्तावेजों के आग में जलने की जानकारी दी। इसपर सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल्द से जल्द सभी औपचारिकताएं पूरी करवाकर नए दस्तावेज बनवाए जाएं। इस दौरान विधायक संजय गोयल, पार्षद पंकज लूथरा समेत प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। सीएम के जाने के बाद भी पीड़ित परिवारों को सांत्वना देने वालों का तांता लगा रहा। लोगों ने घटना पर शोक जताया।

पुलिस ने एमसीडी को पत्र लिखकर मांगी जानकारी

मंगलवार को भी पुलिस, फोरेंसिक साइंस लैब, दमकल विभाग और बीएसईएस की टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच की। टीम ने तमाम तथ्य जुटाए और आग लगने के कारणों की जांच की। पुलिस ने लापरवाही से मौत के मामले में अज्ञात के खिलाफ एफआइआर दर्ज की थी। पुलिस ने मामले की जांच तेज कर दी है। पुलिस ने नगर निगम के उपायुक्त को पत्र लिखकर जानकारी मांगी है कि इमारत का नक्शा किसने पास किया। पुलिस मामले में नगर निगम के जेई और एई समेत अन्य अधिकारियों को भी आरोपित बना सकती है। नक्शे के विपरीत हुए निर्माण के लिए नगर निगम के अधिकारी सीधे तौर पर जिम्मेदार माने जा रहे हैं। ऐसे में उनपर भी कार्रवाई तय मानी जा रही है। इसके साथ ही बिल्डर की भी जानकारी मांगी गई है। जिसने मानकों का उल्लंघन करते हुए इमारत बनाई है।